E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -132 | प्रयागराज, शनिवार 02 अगस्त, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

भारत पर ट्रम्प का टैरिफ 7 दिन टला,90 देशों को भी राहत,लेकिन कनाडा पर आज से 35फीसदी टैरिफ, लिस्ट में चीन नहीं

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर 25फीसदी टैरिफ को 7 दिन के लिए टाल दिया है, इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। अभी उसे पहले की तरह 30फीसदी टैरिफ ही देना होगा। कनाडा पर पर

है। ये आज से लागू होना था, जो अब 7 अगस्त से लागू होगा। ट्रम्प ने 92 देशों पर नए टैरिफ की लिस्ट जारी की है। इसमें भारत पर 25फीसदी और पाकिस्तान पर 19फीसदी टैरिफ लगाया गया है। हालांकि कनाडा पर आज से ही 35फीसदी टैरिफ लागू हो गया है।साउथ एशिया में सबसे कम टैरिफ पाकिस्तान पर लगा है। अमेरिका ने पहले पाकिस्तान पर 29फीसदी टैरिफ लगा रखा था। वहीं दुनियाभर में सबसे ज्यादा 41फीसदी टैरिफ सीरिया पर लगाया गया है। इस लिस्ट में चीन का नाम शामिल नहीं है।ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन 7 दिन बाद ही इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था। कुछ दिनों बाद ट्रम्प ने 31 जुलाई तक का समय दिया था। इसके बाद ट्रम्प सरकार ने 90 दिनों में 90 सौदे कराने का टारगेट रखा था। हालांकि अमेरिका का अब तक सिर्फ 7 देशों से समझौता हो पाया।नए टैरिफ से जुड़ी अहम बातें- लाओस, म्यांमार, सीरिया जैसे देशों पर सबसे ज्यादा 40फीसदी या उससे ज्यादा टैरिफ। अगर कोई वस्तु किसी और देश के जरिए भेजी गई है ताकि टैक्स बचाया जा सके, तो उस पर 40फीसदी टैरिफ लगेगा। यूरोपीय संघ के सामानों पर सीधे 15फीसदी टैरिफ नहीं लगाया गया। अगर किसी प्रोडक्ट का मौजूदा शुल्क 10फीसदी है, तो सिर्फ 5फीसदी अतिरिक्त जोड़ा जाएगा, लेकिन अगर प्रोडक्ट पहले से 15फीसदी या उससे अधिक शुल्क दे रहा है, तो कोई टैरिफ नहीं बढ़ेगा। चीन पर अलग से मई 2025 का एजीक्यूटिव ऑर्डर लागू 1 अगस्त की रात से ही टैरिफ लागू होगा। इसकी वजह ये है कि कनाडा ने फिलिस्तीन को एक अलग देश के तौर पर समर्थन देने का ऐलान किया है।आदेश लागू होने से पहले जो सामान अमेरिका के रास्ते में होगा, उसे पुराने नियमों पर ही टैक्स देना होगा। 5 अक्टूबर 2025 यह पहुंच गया तो इसे पर पुराना टैरिफ ही लगेगा।अब अमेरिका के कस्टम सिस्टम में हर देश की अलग-अलग ट्रैकिंग होगी।सीरिया, लाओस और म्यांमार जैसे गरीब देशों पर सबसे ज्यादा टैरिफ लगा है। इन दोनों देशों पर अमेरिका ने 40-41फीसदी भारी टैरिफ लगाया है, जो सबसे ऊंची दर है। अमेरिका में सीरिया से बहुत कम व्यापार होता है, लेकिन फिर भी उस पर 41फीसदी हाई-टैरिफ लगाया गया है। सीरिया पर लंबी अवधि से लगे आर्थिक प्रतिबंधों की वजह से ऐसा हुआ है। म्यांमार से अमेरिका को ज्यादातर कपड़े निर्यात किए जाते हैं, जबकि लाओस से मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भेजे जाते हैं। अमेरिका को लगता है कि चीन अपने सामान पर लगने वाले भारी टैरिफ से बचने के लिए इन देशों का इस्तेमाल कर रहा है। यानी, 'मेड इन चाइना' सामान को लाओस या म्यांमार जैसे देशों से होकर भेजा जा रहा है ताकि टैरिफ बच सके। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में लाओस से अमेरिका का आयात दोगुने से भी ज्यादा बढ़ गया। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि चीन की कंपनियों ने अपने सौर पैनल कारखाने लाओस में शिफ्ट कर दिए, ताकि वे चीन पर लगने वाले भारी अमेरिकी टैरिफ से बच सकें।अब अमेरिका के कस्टम सिस्टम में हर देश की अलग-अलग ट्रैकिंग होगी। अब तक कई देशों को 'एक ही ग्रुप' में डालकर समान टैरिफ लगाया जाता था। अब हर देश के लिए अलग दर तय होने से कस्टम सिस्टम सीधे उस देश की पहचान कर टैरिफ लागू कर सकेगा, जिससे गलत टैरिफ या छूट की संभावना कम होगी। अमेरिका के दावे के मुताबिक चीन जैसी कुछ कंपनियां टैरिफ से बचने के लिए सामान को थर्ड पार्टी देशों (जैसे लाओस, वियतनाम) से भेजती थीं। अब हर देश का ट्रैक रिकॉर्ड अलग होगा, और अगर कोई देश 'चीन में बना सामान' भेज रहा है, तो उसे भी ट्रैक किया जा सकेगा। अगर कोई निर्यातक गलत देश का नाम बताकर टैरिफ से बचना चाहे, तो सिस्टम तुरंत उसकी शिपमेंट को फ्लैग कर सकेगा। जैसे अगर म्यांमार से सामान आ रहा है, लेकिन पेपर्स में थाईलैंड लिखा है,

तो ट्रैकिंग से पकड़ में आ जाएगा। अगर अमेरिका को लगे कि किसी खास देश से आयात ज्यादा हो गया है या वह अमेरिकी इंडस्ट्री को नुकसान पहुंचा रहा है, तो बिना बाकी देशों को प्रभावित किए, उस देश पर केंद्रित नीति या टैरिफ लगाया जा सकेगा। ट्रम्प ने कई देशों पर अप्रैल में लगाए टैरिफ घटाए- ट्रम्प ने 2 अप्रैल को सभी देशों पर कम से कम 10फीसदी और कई देशों पर जैसो को तैसा टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। लेकिन अब, उन्होंने ने कुछ देशों के टैरिफ में बदलाव किया है। इनमें से कई देशों पर पहले भारी-भरकम टैरिफ लगाया था, लेकिन अब उन्हें कुछ राहत दी गई है।अप्रैल में भारत पर 26फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया गया था। इसमें मामूली कटौती करते हुए इसे 25फीसदी कर दिया गया है। वहीं, पाकिस्तान को बड़ी राहत मिली है, उस पर 29फीसदी से घटाकर 19फीसदी टैरिफ कर दिया गया है।ट्रम्प ने 31 जुलाई को भारत पर 25फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। ये टैरिफ 7 अगस्त से लागू होगा। अभी तक अमेरिका भारत पर 10फीसदी बेसलाइन टैरिफ लगा रहा है। अमेरिका ने कहा है कि वो रूस से हथियार और तेल खरीदने की वजह से भारत पर जुर्माना भी लगाएगा। भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा कि वह इस घोषणा के प्रभावों को देखते हुए और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे। यह टैरिफ स्टील, एल्यूमीनियम, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और ज्वेलरी जैसे क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है।ट्रम्प ने 8 मई को ब्रिटेन के साथ एक समझौता किया। जिसमें ब्रिटिश ऑटो, स्टील और एल्यूमीनियम पर टैरिफ कम किए गए। सामान्य तौर पर 10फीसदी टैरिफ लागू होगा। ब्रिटेन को 50फीसदी स्टील और एल्यूमीनियम टैरिफ से छूट मिली, उसे अब 25फीसदी टैरिफ का सामना करना पड़ेगा।ब्रिटेन ने अमेरिकी जैतून तेल, वाइन और खेल उपकरणों पर टैरिफ कम करने का वादा किया। जापानः 15फीसदी टैरिफ और बाजार खोलने का वादा ट्रम्प ने जापान के साथ 22 जुलाई को डील की घोषणा की। जिसमें जापानी सामानों पर 15फीसदी टैरिफ लगेगा। पहले जापान पर 25फीसदी टैरिफ लगता था। जापान ने अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निवेश और अमेरिकी कारों और चावल के लिए अपना बाजार खोलने का वादा किया। यह टैरिफ जापानी कार निर्माताओं जैसे टोयोटा और होंडा के लिए राहत है, जो पहले 25फीसदी टैरिफ का सामना कर रहे थे।अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के बीच 27 जुलाई को शुरुआती व्यापार समझौता हो गया है। अमेरिका समझौते के तहत ईयू से आने वाले ज्यादातर सामानों पर 15फीसदी का बेस टैरिफ लगाएगा। इसमें कारें, दवाएं और इलेक्ट्रॉनिक गुड्स शामिल हैं। ट्रम्प ने स्कॉटलैंड में ईयू की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ हुई बैठक में समझौते की घोषणा की।

19 किलो वाला गैस सिलेंडर रु34.50 तक सस्ता हुआ:हवाई यात्रा महंगी हो सकती है, आज से यूपीआई के नए नियम लागू; 5 बड़े बदलाव

नयी दिल्ली। अगस्त में 5 बड़े बदलाव हो रहे हैं, जो सीधे आपसे जुड़े हैं। आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर रु34.50

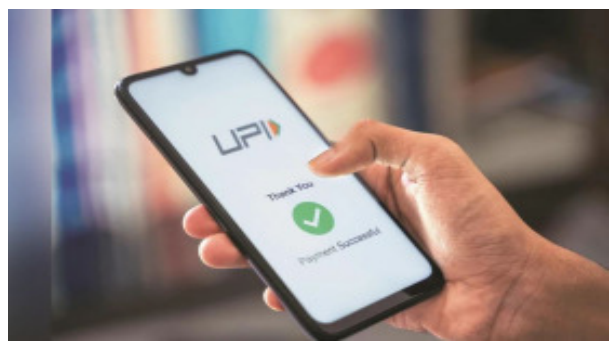

तक सस्ता हो गया है। इधर, कॉमर्शियल प्लेन में इस्तेमाल होने वाले एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमत 2677.88 रुपए तक बढ़ गई है। इससे हवाई सफर महंगा हो सकता है। वहीं, यूपीआई एप्स पर बैलेंस चेक करने की लिमिट 50 हो गई है। यानी अब आप दिनभर में मैक्सिमम 50 बार अपना अकाउंट बैलेंस चेक कर पाएंगे। यहां हम अगस्त में होने वाले 5 बड़े बदलाव बता रहे हैं- 1. गैस सिलेंडर सस्ताः कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम रु34.50 तक घटे. आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर रु34.50 तक सस्ता हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 33.50 रुपए घटकर रु1631.50 हो गई है। पहले ये रु1665 में मिल रहा था। वहीं कोलकाता में ये अब 34.50 रुपए सस्ता होकर 1769 रुपए में मिलेगा। 2. यूपीआई नियम बदलेः एप पर 50 बार ही बैलेंस चेक कर पाएंगे। बैलेंस चेक करने की लिमिटः अब आप एक दिन में किसी एक यूपीआई एप से 50 से ज्यादा बार अपना बैंक बैलेंस चेक नहीं कर पाएंगे। ऑटो-पे ट्रांजैक्शंस का समयः ऑटो-पे (जैसे ईएमआई, सब्सक्रिप्शन या बिल पेमेंट) अब दिन में किसी भी समय नहीं, बल्कि तय समय स्लॉट्स में होंगे। ये पेमेंट सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे और शाम 5 बजे से रात 9:30 बजे के बीच में प्रोसेस नहीं होंगे। ट्रांजैक्शन स्टेटस चेक की लिमिटः अगर कोई पेमेंट अटक जाता है तो आप उसका स्टेटस सिर्फ 3 बार चेक कर सकते हैं, वो भी हर बार 90 सेकेंड के गैप के साथ। चार्जबैक प्रोसेसः बैंकों को चार्जबैक क्लेम रिजेक्ट होने पर एनपीसीआई से दोबारा अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी, इससे विवाद समाधान तेज होगा। 3. क्रेडिट कार्ड पर मिलने वाला इंश्योरेंस कवर बंद- एसबीआई ने 11 अगस्त से कुछ को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड्स पर मिलने वाले फ्री एयर एक्सीडेंट इंश्योरेंस बंद करने का फैसला किया है। अभी तक ये कवर 50 लाख से 1 करोड़ रुपए तक मिलता था। यह बीमा पहले यूको बैंक, सेंट्रल बैंक, करूर वैश्य बैंक और इलाहाबाद बैंक के साथ पार्टनरशिप में दिया जाता था। 4. एविएशन टर्बाइन फ्यूल 3फीसदी महंगा हुआ.ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी एटीएफ के दाम 2677.88 रुपए प्रति किलोलीटर (1000ली) या 3फीसदी बढ़ाकर 92,021.93 प्रति 1000ली कर दिए है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर फ्लाइट के किराए पर हो सकता है। ऐसे में आने वाले समय में एयर टिकट महंगा हो सकता है। 5.आरबीआई ब्याज दरों में कटौती कर सकता है इस महीने 4 से 6 अगस्त तक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग होनी है। इस बैठक में गवर्नर संजय मल्होत्रा पैनल के साथ मिलकर ब्याज दरों में 0.25फीसदी की कटौती कर सकते हैं। इससे पहले जून में हुई एमपीसी की मीटिंग में आरबीआई ने रेपो रेट को 0.50फीसदी घटाकर 5.50फीसदी कर दिया था। रेट कट का सीधा असर आपके लोन की ईएमआई और सेविंग्स अकाउंट की ब्याज दर पर पड़ सकता है। यानी कटौती से ब्याज दरें कम हो सकती हैं।

खबर ज़रा हटके

स्विगी-रैपिडो ड्राइवर डिप्टी कलेक्टर कैसे बना शख्स?

हाल ही में झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन का रिजल्ट घोषित हुआ। इसमें झारखंड के गिरिडीह में रहने वाले सूरज यादव ने जेपीएससी

परीक्षा पास की। वे अब डिप्टी कलेक्टर बनेंगे। अपनी पढ़ाई के लिए सूरज ने स्विगी और रैपिडो में डिलीवरी बॉय का काम किया करते थे। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी। पिता राजमिस्त्री का काम करते थे। घर का गुजारा मुश्किल से चलता था। इन सबके बावजूद, सूरज ने सरकारी अफसर बनने का सपना देखा। उन्होंने रांची में रहकर तैयारी शुरू की। बाइक नहीं थी, फिर भी बने डिलीवरी बॉय घर में आर्थिक दिक्कतें थीं, इसलिए सूरज ने पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए स्विगी और रैपिडो में डिलीवरी बॉय का काम शुरू किया। शुरुआत में उनके पास बाइक भी नहीं थी। उनके दोस्त राजेश नायक और संदीप मंडल ने स्कॉलरशिप के पैसे से उनकी मदद की। इससे उन्होंने सेकेंड हैंड बाइक ली। सूरज रोज 5 घंटे काम करते थे। बाकी समय पढ़ाई पर लगाते थे। परिवार ने भी पूरा साथ दिया। बहन ने घर संभाला। पत्नी ने हर कदम पर हौसला बढ़ाया।सूरज यादव ने जेपीएससी परीक्षा में 110वीं रैंक हासिल की है। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि वे डिलीवरी बॉय का काम करते थे। इंटरव्यू में बोर्ड मेम्बर्स पहले हैरान हुए, लेकिन, सूरज ने डिलीवरी से जुड़े टेक्निकल सवालों के सही जवाब दिए। सूरज को यह सफलता अपने दूसरे अटेंप्ट में मिली है।

रु115 करोड़ की लिपस्टिक में खासियत क्या है?

मेकअप की दुनिया में सबसे महंगी लिपस्टिक की कीमत करोड़ों में है। इसका नाम एच. कॉउचर ब्यूटी डायमंड है, जिससे आप दो-तीन

लग्जरी फ्लैट खरीद सकते हैं। इसकी कीमत रु115 करोड़ से भी ज्यादा है। इतना महंगा होने की वजह लिपस्टिक का रंग या फॉर्मूला नहीं, बल्कि इसका केस है। इस केस में 1200 से भी ज्यादा असली हीरे जड़े हुए हैं। इस लिपस्टिक को खरीदने वाले ग्राहक को सिर्फ लिपस्टिक नहीं मिलती, बल्कि लाइफटाइम रीफिल और ब्यूटी सर्विस भी मुफ्त मिलती है। यानी, अगर आप एक बार इसे खरीद लेते हैं, तो यह खत्म होने पर आपको दोबारा खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि जिंदगी भर के लिए इसमें रीफिलिंग मिलती रहेगी। दूसरी सबसे महंगी लिपस्टिक भी लाखों की अगर दूसरी सबसे महंगी लिपस्टिक की बात करें, तो यह गुएरलेन ब्रांड की है, जिसकी कीमत करीब रु51 लाख है। इसके केस को 18 कैरेट सोने से बनाया गया है और इस पर भी 199 हीरे जड़े हुए हैं। इसे खरीदने वाला शख्स केस पर अपना नाम और डिजाइन खुद से कस्टमाइज करवा सकता है। ये चीजें सिर्फ मेकअप आइटम नहीं, बल्कि खास कलेक्शन के लिए भी हैं। वहीं, तीसरी महंगी लिपस्टिक स्वारोस्की क्रिस्टल वाली रीफिलेबल लिपस्टिक है, जो करीब रु33 हजार में मिलती है।

लगातार 170 घंटे तक महिला ने कैसे किया डांस?

मंगलुरु की बीए छात्रा रेमोना एवेट परेरा ने

लगातार 170 घंटे तक भरतनाट्यम डांस मैराथन करके गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया है। यह दुनिया में अपनी तरह की पहली डांस मैराथन है। रेमोना ने लगातार 10 हजार 200 मिनट (170 घंटे) तक डांस किया, जिसमें हर तीन घंटे में सिर्फ 15 मिनट का ब्रेक लिया। उनकी गुरु डॉ. श्रीविद्या मुरलीधर ने इसे एक दिव्य उपलब्धि बताया। इस मोमेंट पर रेमोना ने अपनी मां और शिक्षकों सहित सबका आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें प्रेरित किया।

प्रयागराज डीएम ने कलेक्ट्रेट के दफ्तरों का किया औचक निरीक्षणःसाफ-सफाई और पत्रावलियों के बेहतर रखरखाव के निर्देश दिए

प्रयागराज। प्रयागराज के नवागत जिलाधिकारी मनीष

कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने न्यायालय कक्ष, राजस्व सहायक कक्ष, ईआरओ, शिकायत एवं डिस्पैच कक्ष, अभिलेखागार, ई-डिस्ट्रिक्ट, कंट्रोल रूम और शस्त्र कार्यालय समेत अन्य अनुभागों का दौरा किया।निरीक्षण के दौरान डीएम ने संबंधित कार्यालयाध्यक्षों और पटल सहायकों से उनके कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने पत्रावलियों के सुव्यवस्थित रख-रखाव और कार्यालयों की साफ-सफाई पर जोर दिया। साथ ही जनहित से जुड़े कार्यों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने न्यायालय कक्ष की छत पर फारसेलिंग की मरम्मत कराने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रत्येक पटल पर अधिकारियों व कर्मचारियों के नाम, पदनाम और जॉब चार्ट प्रदर्शित करने को कहा।रिकॉर्ड रूम के निरीक्षण में डीएम ने सबसे पुराने दस्तावेजों और उनकी बिडिंग प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने तय समयसीमा में पुराने रिकार्डों को बिडआउट कराने के निर्देश दिए। पत्रों की प्रगति रिपोर्ट ट्रैक करने के लिए एक सिस्टम विकसित करने को कहा। इससे पत्रों की स्थिति स्पष्ट रहेगी और कोई पत्र किसी एक पटल पर अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहेगा। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को ईमानदारी एवं मनोयोग से अपने दायित्वों का निर्वहन करने की सख्त हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान उनका रुख बेहद सक्रिय और सख्त दिखाई दिया।

अनिल अंबानी को लोन फ्रॉड मामले में ईडी का समन,5 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया, पिछले हफ्ते 50 कंपनियों पर छापा मारा था

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन और एमडी अनिल अंबानी को रु3000 करोड़ के लोन फ्रॉड मामले में समन जारी किया है। ईडी उनसे 5 अगस्त को पूछताछ करेगी। ईडी ने पिछले हफ्ते अनिल के मुंबई और दिल्ली समेत 50 से ज्यादा कंपनियों और लोकेशन पर छापेमारी की थी। 25 से ज्यादा लोगों से भी पूछताछ की गई थी।ये छापेमारी प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा 17 के तहत की गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये समन इसी मामले में पूछताछ के लिए भेजा गया है। 5 सवाल-जवाब में पूरा मामला- सवाल 1: अनिल अंबानी के ग्रुप के खिलाफ ईडी ने कार्रवाई क्यों की है? जवाबः मामला 2017 से 2019 के बीच यस बैंक द्वारा अनिल अंबानी से जुड़े रिलायंस ग्रुप की कंपनियों को दिए गए करीब 3,000 करोड़ रुपए के लोन से जुड़ा है। ईडी की शुरुआती जांच में पता चला है कि इन लोन्स को कथिततौर पर फर्जी कंपनियों और ग्रुप की अन्य इकाइयों में डायवर्ट किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि यस बैंक के बड़े अधिकारियों को शायद रिश्वत दी गई है। सवाल 2: ईडी की जांच में और क्या-क्या सामने आया? जवाबः ईडी का कहना है कि ये एक 'सोचा-समझा और सुनियोजित' प्लान था, जिसके तहत बैंकों, शेयरहोल्डर्स, निवेशकों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों को गलत जानकारी देकर पैसे हड़पे गए। जांच में कई गड़बड़ियां पकड़ी गईं, जैसे- कमजोर या बिना वेरिफिकेशन वाली कंपनियों को लोन। कई कंपनियों में एक ही डायरेक्टर और एड्रेस

का इस्तेमाल। लोन से जुड़े जरूरी दस्तावेजों का न होना। फर्जी कंपनियों में पैसे ट्रांसफर करना। पुराने लोन चुकाने के लिए नए लोन देने की प्रक्रिया (लोन एवरग्रीनिंग)। सवाल 3: इस मामले में सीबीआई की क्या भूमिका है? जवाबः सीबीआई ने दो मामलों में एफआईआर दर्ज की थी। ये मामले यस बैंक द्वारा रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस कॉमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड को दिए गए दो अलग-अलग लोन से जुड़े हैं। दोनों ही मामलों में सीबीआई ने यस बैंक के पूर्व सीईओ राणा कपूर का नाम लिया था। इसके बाद एक अधिकारी ने बताया कि नेशनल हाउसिंग बैंक, सेबी, नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसी अन्य एजेंसियों और संस्थानों ने भी ईडी के साथ जानकारी साझा की। अब ईडी इस मामले की जांच कर रही है। सवाल 4: इस छापेमारी का अनिल अंबानी की कंपनियों पर क्या असर पड़ा? जवाबः छापेमारी की खबर के बाद अनिल अंबानी की दो प्रमुख कंपनियों, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर के शेयरों में 5फीसदी तक की गिरावट आई थी। आज समन की खबर के बाद इसमें 3फीसदी की गिरावट है। इस मामले पर रिलायंस पावर ने कहा था कि इन कार्रवाइयों का कंपनी के कारोबार, वित्तीय प्रदर्शन, शेयरधारकों, कर्मचारियों या किसी अन्य हितधारक पर कोई असर नहीं पड़ा है। कंपनी ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड या रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े 10 साल पुराने लेनदेन के आरोपों की बात हो रही है। रिलायंस पावर एक अलग और स्वतंत्र लिस्टेड कंपनी है, जिसका आरकॉम या आरएचएफएल से कोई व्यवसायिक या वित्तीय संबंध नहीं है। सवाल 5: अनिल अंबानी की कंपनियों पर और क्या आरोप हैं? जवाबः कुछ दिन पहले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस और खुद अनिल अंबानी को 'फ्रॉड' घोषित किया था। एसबीआई का कहना है कि आरकॉम ने बैंक से लिए गए 31,580 करोड़ रुपए के लोन का गलत इस्तेमाल किया। इसमें से करीब 13,667 करोड़ रुपए दूसरी कंपनियों के लोन चुकाने में खर्च किए। 12,692 करोड़ रुपए रिलायंस ग्रुप की दूसरी कंपनियों को ट्रांसफर किए। एसबीआई ने ये भी कहा कि हम इस मामले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के पास शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया में है। इसके अलावा अनिल अंबानी के खिलाफ पर्सनल इन्सॉल्वेंसी (दिवालियापन) की कार्रवाई भी नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल मुंबई में चल रही है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार (31 जुलाई) को ईडी ने 68.2 करोड़ रुपए के फेक बैंक गारंटी केस में अनिल से जुड़े फर्मों पर छापा मारा।

रेप के आरोप की बेइज्जती नहीं झेल पाए बीडीसी,गोली मारकर सुसाइड किया; प्रयागराज की महिला नहीं चाहती थी वो प्रधानी लड़ें

प्रयागराज। रेप के आरोपों से घिरे बीडीसी ने 30 जुलाई को खुद को लाइसेंसी पिस्टल से गोली मार ली। 29 जुलाई को उनके घर से सिर्फ 100 मीटर दूर रहने वाली महिला ने रेप करने के आरोप लगाए थे। चूंकि बीडीसी ग्राम प्रधान का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे और जिस महिला ने आरोप लगाए, वो भी प्रधानी का चुनाव लड़ना चाहती थी। रेप की कहानी को संदिग्ध मानते हुए पुलिस जांच कर रही थी, मगर गांव में होने वाली बेइज्जती को बीडीसी झेल नहीं पाए और आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सुसाइड के बाद महिला समेत 3 लोगों को अरेस्ट किया। 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर लिखी गई।बीडीसी के परिवार और गांव के लोगों ने जमकर हंगामा किया। आरोपी महिला को लेकर गांव के लोगों में गुस्सा है। इसलिए 30-35 पुलिस के जवान घर के पास तैनात किए गए हैं।

प्रयागराज में जलकर विभाग की गड़बड़ी ने लोगो के सुकून पर फेरा पानी:सॉफ्टवेयर की खामी से जनरेट हो रहे दोबारा बिल, लोग परेशान

प्रयागराज। नगर निगम के जलकर विभाग की लापरवाही अब आम लोगों की जेब और समय दोनों पर भारी पड़ रही है। शहर में बड़ी संख्या में लोगों के पास ऐसा वाटर टैक्स बिल पहुंच रहा है, जिसे वे पहले ही चुका चुके हैं। लेकिन इसके बावजूद उन्हें नया बिल थमा दिया

गया है, जिससे लोगों में नाराजगी है। कई मामलों में तो हजार-दो हजार के बकाए पर लाखों का बिल बना दिया गया है, जिसे देख कर लोग हैरान और परेशान हैं। शहर में कई लोगों को ऐसी शिकायतें हैं कि उन्होंने वाटर टैक्स समय पर जमा कर दिया था, लेकिन इसके बावजूद जलकर विभाग की ओर से फिर से उसी पर बिल भेजा जा रहा है। इन बिलों को सही कराने के लिए लोग जरूरी काम छोड़कर नगर निगम कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं और घंटों लाइन में खड़े रहकर अपना कीमती वक्त गंवा रहे हैं। 13 हजार का बकाया, भेजा गया ढाई लाख का बिल- मुट्ठीगंज निवासी विजय सक्सेना का मामला इसका ताजा उदाहरण है। उनका वास्तविक बकाया केवल 13 हजार रुपए था, लेकिन विभाग की ओर से उन्हें सीधे ढाई लाख रुपए का बिल भेज दिया गया। इतना बड़ा बिल देखकर उनके होश उड़ गए। काफी बहस और जांच-पड़ताल के बाद आखिरकार जलकर विभाग ने गलती मानी और बिल को सही किया गया। सॉफ्टवेयर की खामी बन रही परेशानी की जड़-इस पूरे मामले पर जब जलकर विभाग के महाप्रबंधक कुमार गौरव से बात की गई तो उन्होंने माना कि सॉफ्टवेयर की गड़बड़ी के चलते ऐसा हो रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार पहले का डेटा अपडेट नहीं हो पाता, जिससे नया बिल अपने आप जनरेट हो जाता है। यह तकनीकी खामी जल्द दूर की जाएगी।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन उपभोक्ताओं ने टैक्स का भुगतान कर दिया है और फिर भी उन्हें दोबारा बिल मिल रहा है, वे अपने भुगतान की रसीद लेकर कार्यालय आ सकते हैं। उनका बिल सत्यापित कर सही कर दिया जाएगा। नागरिकों की मांग- जल्द हो स्थायी समाधान इस तरह की बार-बार हो रही गड़बडियों से शहरवासी नाराज हैं। नागरिकों का कहना है कि हर बार भुगतान के बाद भी दफ्तर जाकर सफाई देना किसी यातना से कम नहीं है। एक ओर सरकार डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दे रही है, वहीं दूसरी तरफ विभागीय गड़बडियों की वजह से आम आदमी को फिजूल का चक्कर काटना पड़ रहा है। वाटर टैक्स के भुगतान के बाद दोबारा बिल आना विभाग के डिजिटल सिस्टम की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रहा है। इससे न सिर्फ नागरिकों का भरोसा उठता है, बल्कि प्रशासन की छवि पर भी असर पड़ता है। लोग मांग कर रहे हैं कि इस व्यवस्था में सुधार लाया जाए और पारदर्शिता के साथ काम किया जाए।

'महाकुंभ में बिना काम किए कराया करोड़ों का भुगतान',पौधे लगाने का काम भी अधूरा, सपा नेताओं ने पीडीए उपाध्यक्ष से की शिकायत

प्रयागराज। महाकुंभ के पहले शहर के सौदर्यीकरण की बड़ी जिम्मेदारी प्रयागराज

विकास प्राधिकरण को दी गई थी। इसके लिए प्राधिकरण की तरफ से टेंडर भी निकाला गया। टेंडर होने के बाद कई सौदर्यीकरण के कार्य सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गए। जबकि उनका भुगतान भी हो गया। सिविल लाइंस जैसे पॉश इलाके में तुलसी चौराहा से लेकर सीएमपी डिग्री कॉलेज तक, जिन पौधों के रोपण की बात की गई। वह आज तक नहीं लग सकें। ऐसे में सपा कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को पीडीए उपाध्यक्ष अमित पाल शर्मा को लिखित शिकायत दी है। जिसमें बिना जांच के आगे का भुगतान नहीं करने की मांग की है। पीडीए ने जिस संस्थान को काम करने की जिम्मेदारी दी, उसने नहीं किया समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय सिंह का कहना है कि जो कार्य स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत नगर आयुक्त की देख रेख में पहले ही किया जा चुका था। उस कार्य का पीडीए की तरफ से टेंडर किया गया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि पूरे मामले में खास बात यह है कि टेंडर के बाद पीडीए ने जिस संस्थान को काम करने की जिम्मेदारी दी, उसने कार्य ही नहीं किया। उसके बाद भी उसका आधे से अधिक भुगतान कर दिया गया। मेसर्स शिवम इंटरप्राइजेज को दिए गए सौदर्यीकरण के कार्य को करने के लिए जिन पौधों को लगाने की बात की गई। वह आज तक नहीं लगाए गए है। जबकि एमजी मार्ग पर जो पौधे लगाए गए है। उनका रख रखाव अभी भी खन्ना इंटरप्राइजेज से कराया जा रहा है। अजय सिंह का कहना है कि इस पूरे मामले में पीडीए के अधिशासी अभियंता कौशलेंद्र चौधरी व सहायक अभियंता गौरव मल्ल ने सहयोग किया है। सपा नेता अजय यादव सम्राट ने पीडीए के दोनों अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर की मांग की है।

खतरे के निशान के करीब पहुंचीं गंगा और यमुना,संगम नगरी में यमुना का जलस्तर 83.54 मीटर और गंगा का 83.22 मीटर

प्रयागराज। गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर लगातार बढ़

रहा है और अब यह खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच गया है। जिला प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार, खतरे का निशान 84.734 मीटर है। शुक्रवार सुबह 8 बजे की स्थिति में दोनों नदियाँ इससे केवल कुछ सेंटीमीटर नीचे बह रही हैं। इसके कारण निचले इलाकों में पानी घुसने लगा है। प्रयागराज के नैनी में यमुना नदी का जलस्तर 83.54 मीटर दर्ज किया गया है। यह खतरे के निशान से 1.194 मीटर (लगभग 119 सेमी) नीचे है। पिछले 24 घंटों में यमुना में 101 सेमी की वृद्धि हुई है। इससे खतरे की आशंका और बढ़ गई है।गंगा नदी के विभिन्न स्थानों पर भी जलस्तर में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। फाफामऊ में जलस्तर 83.22 मीटर है, जो खतरे के निशान से 1.514 मीटर नीचे है। पिछले 24 घंटे में यहां 82 सेमी की वृद्धि हुई है। छतनाग में जलस्तर 82.92 मीटर है, जो खतरे के निशान से 1.814 मीटर नीचे है। यहां 104 सेमी की वृद्धि दर्ज की गई है। बक्शी एसटीपी में जलस्तर 83.49 मीटर है, जो खतरे के निशान से केवल 1.244 मीटर नीचे है। यहां 99 सेमी की वृद्धि हुई है।जलस्तर में बढ़ोत्तरी को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, जिले के सभी तटबंध पूरी तरह सुरक्षित हैं। बाढ़ नियंत्रण कक्ष लगातार निगरानी कर रहा है। नदी किनारे के गांवों में प्रशासन द्वारा अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। जनपद में कुल 95 राहत शिविर चिह्नित किए गए हैं। इन शिविरों में आवश्यकता पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। अब तक 5 परिवार राहत शिविरों में और 5 परिवार अन्य सुरक्षित स्थानों पर रह रहे हैं। कुल 44 लोग विस्थापित हुए हैं। इनके खाने की व्यवस्था प्रशासन की तरफ से कराई जा रही है। इन क्षेत्रों में लॉन्च पैकेट बांटने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

एसएससी करेगा 14 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती:किस विभाग में होगी कितनी भर्ती इसकी संभावित सूची जारी, सीजीएल एग्जाम के तहत भर्ती होनी है

प्रयागराज। एसएससी (कर्मचारी चयन आयोग) सीजीएल (संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा) के तहत 14,582 पदों पर भर्ती करने की तैयारी में है। विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में रिक्त ग्रुप बी और ग्रुप सी के लिए यह भर्तियां होनी हैं। इसके लिए विभागवार एक संभावित सूची भी आयोग की ओर से जारी कर दी गई है। इसमें सबसे ज्यादा पद सीबीडीटी आफिसर सुपरिटेंडेंट के है, जिसपर 6753 पदों पर भर्ती होगी। दरअसल, कर्मचारी चयन आयोग, नई दिल्ली की ओर से सीजीएल परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 9 जून से 4 जुलाई तक पूरी कराई गई थी। अब अभ्यर्थियों को परीक्षा की तिथि घोषित होने की उम्मीद है। जानिए, किस विभाग में कितने पद- इस एग्जाम के जरिए केंद्र सरकार के 48 विभागों और मंत्रालयों में विभिन्न पदों पर भर्तियां होनी है। वित्त मंत्रालय के अधीन सीबीआईसी में इंस्पेक्टर सेंट्रल एक्साइज के 1306 पद हैं। सीबीआईसी टैक्स असिस्टेंट के 771, सीबीआईसी इंस्पेक्टर 353 पद, सीएजी अकाउंटेंट के 180, सीबीडीटी इनकम टैक्स इंस्पेक्टर वेक 389, ईपीएफओ वेक असिस्टेंट-एएसओ वेक 197, डीओपीटी सीएसएस में असिस्टेंट सेक्शन आफिसर के 682 पद हैं। सीजीडीए वेक आडिटर के 1174, एनआइए में सब इंस्पेक्टर के 14, एनसीबी में सब इंस्पेक्टर, नारकोटिक्स के 30, सब- इंस्पेक्टर सीबीआई के 93, सीबीडीटी आफिसनर सुपरिटेंडेंट के सर्वाधिक 6753 पदों पर भर्ती होनी है।

1 अगस्त से नहीं लागू होगा नया सर्किल रेट,प्रयागराज में बिल्डरों के विरोध के बाद टला फैसला

प्रयागराज। फ्लैट या ज़मीन खरीदने की योजना बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी

है। प्रयागराज जिले में 1 अगस्त से लागू होने वाला नया सर्किल रेट अब तय समय पर लागू नहीं होगा। बड़ी संख्या में आई आपत्तियों के चलते प्रशासन ने इसे 15 अगस्त के बाद लागू करने का निर्णय लिया है। क्यों टली लागू करने की तारीख- ज़िले में जमीन और फ्लैट की कीमतों के प्रस्तावित सर्किल रेट में अचानक वृद्धि को लेकर बिल्डरों समेत सैकड़ों लोगों ने आपत्तियां दर्ज कराई थीं। पहले यह सर्किल रेट 1 अगस्त से लागू होना था और आपत्तियां 30 जुलाई तक ली जानी थीं। जिसका निस्तारण 31 जुलाई को होना तय था। लेकिन आपत्तियों की संख्या देखते हुए प्रशासन ने 13 अगस्त तक आपत्तियां लेने और 14 अगस्त को उनका निस्तारण करने का आदेश दिया है। किन इलाकों से आईं सबसे ज्यादा आपत्तियां- सदर तहसील सबसे आगे रही है, खासकर सिविल लाइंस क्षेत्र के बिल्डरों ने विरोध दर्ज कराया है। फूलपुर, करछना और सोरांव से भी आपत्तियां सामने आई हैं। बिल्डर आपस में भी भिड़े कई बिल्डरों ने एक-दूसरे के प्रोजेक्ट में सर्किल रेट कम-ज्यादा होने को लेकर भेदभाव की शिकायत की है। किसी का कहना है कि उसके प्रोजेक्ट का सर्किल रेट अधिक है जबकि पास के दूसरे बिल्डर का कम रखा गया है। यदि आपके पास भी जमीन या फ्लैट का रजिस्ट्रेशन कराने की योजना है, तो अभी की दरों पर ही रजिस्ट्री कराना लाभकारी हो सकता है। अगर आपत्ति देना चाहते हैं, तो 13 अगस्त तक का समय है। आपत्तियां तहसील, उप निबंधक, सहायक महानिरीक्षक (निबंधन) कार्यालय या एडीएम (वित्त एवं राजस्व) कार्यालय में दी जा सकती हैं।

प्रयागराज में प्रमिका के पिता की सुपारी देकर करवा दी हत्या, लड़की की कहीं और तय थी शादी, इसी बात से नाराज था प्रेमी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक युवक ने अपनी प्रेमिका के पिता की हत्या कर दी। क्योंकि वह लड़की से शादी करना चाहता था। लेकिन लड़की के पिता ने उसकी शादी कहीं और तय कर दी थी। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी ने हत्या के लिए 5 हजार रुपये की सुपारी दी थी। यह घटना 28 जुलाई को हंडिया थाना क्षेत्र के कांगापुर पुलिया के पास हुई थी। गंगापार के हण्डिया थाना इलाके के कांगापुर पुलिया के पास 28 जुलाई को एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी। पुलिस के अनुसार धोबहा गांव के रहने वाले व्यक्ति की बेटी से गिर्दकोट गांव के रहने वाले अभिषेक का प्रेम- प्रसंग चल रहा था। कुछ दिन पहले जब लड़की के पिता ने बेटी की शादी कहीं और तय कर दी, तो अभिषेक गुस्से में आ गया। उसने शादी रुकवाने के लिए काफी दबाव डाला, लेकिन जब बात नहीं बनी तो उसने साजिश रचकर हत्या का प्लान बनाया। अभिषेक ने अपने दो साथियों को पांच हजार रुपये की सुपारी दी और प्रेमिका के पिता की रेकी करवाई।28 जुलाई को जैसे ही वह कांगापुर पुलिया के पास मिले, उसी दौरान तीनों आरोपियों ने क्रिकेट बैट से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए।

आधी रात डीएम ने किया बाढ़ राहत शिविर का दौरा:बाढ़ पीड़ितों को सुविधाएं देने का निर्देश, व्यवस्था खराब मिलने पर चेतावनी

प्रयागराज। गंगा और यमुना नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने आधी रात छोटा बघाड़ा क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने वहां बनाए गए बाढ़ राहत शिविर का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने एनी बेसेंट स्कूल में संचालित बाढ़ राहत शिविर का भ्रमण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राहत शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी तैनात रहेंगे। इससे लोगों की समस्याओं का तत्काल समाधान हो सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क है। बाढ़ प्रभावितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को राहत कार्यों में लापरवाही न बरतने रह रहे लोगों के लिए पेयजल, भोजन, बिजली, शौचालय और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं पर विशेष जोर दिया गया।जिलाधिकारी ने शिविर में एक हेल्प डेस्क स्थापित करने के भी निर्देश दिए। इस हेल्प डेस्क पर की सख्त चेतावनी भी दी।

छात्र के हत्यारोपियों तक नहीं पहुंच सकी पुलिस:प्रयागराज में सीएमपी कॉलेज के छात्र प्रियांकर की हुई थी हत्या, पिता अफसरों का लगा रहा चक्कर

प्रयागराज। सीएमपी कॉलेज के छात्र रहे प्रियांकर द्विवेदी (21 वर्ष) की 11 जून की देर रात लेप्रोसी चौराहे के पास हत्या कर दी गई थी। इस घटना के करीब डेढ़ महीने बाद भी हत्यारोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। इसके पिता संजय द्विवेदी लगातार पुलिस अधिकारियों के यहां चक्कर लगा रहे हैं।मृतक के पिता ने कहा कि हमें प्रयागराज पुलिस पर भरोसा था लेकिन अभी तक मेरे बेटे के हत्यारे गिरफ्तार नहीं हुए। हमारा तो बेटा चला गया, हत्यारों ने हमारा सब कुछ हमसे छीन लिया, हमें भी लगातार जान से मारने की धमकी मिल रही है, हम अपने बेटे के न्याय के लिए हम कहां जाएं हमारा कोई

साथ नहीं दे रहा है। परंतु हमें अभी भी भरोसा है कि मुख्यमंत्री हमें न्याय जरूर दिलवाएंगे। पिता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय की गुहार लगाई है और इन अपराधियों पर कठोर कार्रवाई करते हुए जेल भेजने की मांग की है।पिता संजय द्विवेदी बताते हैं कि 'बेटा अल्लापुर में किराए के कमरे में रहकर पढ़ाई करता था। 11 जून को रात करीब 12 बजे उसके दोस्त प्रशांत मिश्र व राज मिश्रा साजिशन उसके बेटे को बुलाकर नैनी ले गए। वहां चाय पीने लगे। वहां नव्यांश पांडेय व प्रतीक पांडेय भी आ गए। यहां प्रशांत और राज का नव्यांश व प्रतीक के बीच विवाद हो गया। प्रियंकर व आदित्य ने लड़ाई रोकने का प्रयास किया। प्रियंकर से नाराज होकर नव्यांश व प्रतीक ने कहा, बेटे को धमकी देने लगे। इसके बाद दोनों ने प्रियंकर का पाइप आदि से मारने लगे। प्रियंकर के सिर में गंभीर चोटें आई, जिससे उसकी जान चली गई जबकि उसके दोस्त आदित्य को भी चोटें आई थी उसका इलाज चल रहा है।'

एयू ने पुराछात्र मुंशी प्रेमचंद की मनायी 145 वीं जयंती,इलाहाबाद विश्वविद्यालय के तिलक भवन हॉल में हुए आयोजन में प्रसिद्ध साहित्यकार को किया याद

प्रयागराज। साहित्य जगत में कालजयी रचनाओं को लिखने वाले इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुराछात्र

मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती यूनिवर्सिटी में गुरुवार को भव्य तरीके से मनायी गई। इस मौके पर विश्वविद्यालय के तिलक भवन हॉल में राजभाषा अनुभाग में साहित्यकारों ने शिरकत की। जहां पर उन्होंने मुंशी प्रेमचंद के जीवन और साहित्य पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर संस्थान की तरफ से संगोष्ठी और नाटक के मंचन का भी आयोजन किया गया। संगोष्ठी में चर्चा करते हुए साहित्यकार प्रो. कुमार वीरेंद्र ने कहा कि प्रेमचंद की कथादृष्टि आगे के साहित्यकारों के लिए एक मानदंड बना हुआ है। प्रेमचंद के जीते-जी बहुत से कथाकार उनका उत्तराधिकारी होना चाहते थे। प्रेमचंद चाहते थे कि हिंदी-उर्दू एक रहें। आज यह देखना चाहिए कि प्रेमचंद की कहानियों में जो सामाजिक-वर्ग था उनकी क्या आज स्थिति बदल पाई? किसान क्या आज भी उसी स्थिति में नहीं हैं, पूंजीपति का क्या वर्गांतरण हुआ , दलितों की स्थिति कितनी बदली? विशिष्ट अतिथि युवा आलोचक प्रो आशुतोष पार्थेश्वर ने अपनी पहली कहानी में लिखा था कि यह मुल्क राजा से नहीं रियाया से जाना जाएगा। प्रेमचंद ने महाराणा प्रताप से लेकर अकबर तक पर लिखा। यह इतिहासदृष्टि हमें प्रेमचंद से मिलती है। हम उस समय में हैं जब हल्कू और जुम्मन को अलगाने की कोशिश की जा रही है लेकिन प्रेमचंद का भारत हल्कू और जुम्मन के एकता से बनेगा। प्रेमचंद का हामिद औपनिवेशिक समय में अपनी प्राथमिकता मिठाई नहीं दादी के लिए चिमटा चुनता है यह प्रेमचंद का भारत है। प्रेमचंद बड़े लेखक नहीं होते यदि वो जाति के सवाल को नहीं उठाते , प्रेमचंद के साथ होने का अर्थ है जाति की सत्ता को प्रश्नांकित करना। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ आलोचक प्रो मुश्ताक अली ने प्रेमचंद और फिराक के माध्यम से उनके समकालीन जीवन संदर्भों और इलाहाबाद के संस्मरणात्मक आख्यान से समय का यथार्थ रखा। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद की तीन सौ कहानियों की संवेदना का विस्तार उसकी संख्या से अधिक है, उसका कारण है कि वह अपने जमीन और गांव को नहीं छोड़े। प्रेमचंद अपने साहित्य के साथ जीवन में भी खूब प्रगतिशील रहे। प्रेमचंद का कृष्णा उपन्यास अप्राप्त रहा,इसकी खोज अमृतराय ने लंदन म्युजियम तक की। प्रेमचंद की तमाम कहानियों के उदाहरण से उन्होंने प्रेमचंद की विकास यात्रा का सुदीर्घ चित्रण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर हिंदी अधिकारी प्रवीण श्रीवास्तव ने आभार ज्ञापन किया।

प्रयागराज में साकेत एक्सप्रेस से गिरकर युवक की मौत:मुंबई से वापस घर लौटने के लिए ट्रेन पर बैठा था, आधार कार्ड से हुई शिनाख्त

प्रयागराज। रेलवे स्टेशन के पास एक युवक(21) का शव जीआरपी ने बरामद किया है। पुलिस ने मृतक के घरवालों को सूचना देकर बुलाया। परिवार की मौजूदगी में शव के पोस्टमार्टम की कार्यवाही कराई गई। परिवार के मुताबिक, युवक मुंबई में रहकर प्राइवेट नौकरी किया करता था। मौत के पीछे क्या वजह है इसके लिए उन्होंने जीआरपी से जांच की मांग की है। सुल्तानपुर जिले के सुकुलपुर बिजैली का रहने वाला धर्मवीर गुप्ता (21) पुत्र सुकई अपने दो भाइयों मे सबसे छोटा था। वह परिवार की आर्थिक जरूरत को पूरा करने के लिए मुंबई के प्राइवेट नौकरी कर रहा था। मंगलवार की देर शाम उसने घर वालों को घर वापस आने की बात कहकर साकेत

एक्सप्रेस में बैठा था।घर वाले उसके आने का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच गुरूवार को उसका शव प्रयागराज रेलवे स्टेशन के रेल पटरी के करीब मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर जीआरपी ने उसके शव को बरामद किया। शव के पास से मिले दस्तावेज के आधार पर पहचान की गई। मृतक के परिवार को पुलिस ने सूचना देकर बुलाया। मॉर्चरी पहुंचे परिवार ने शव की पहचान धर्मवीर गुप्ता के रूप में की। परिवार की मौजूदगी में धर्मवीर की लाश का पोस्टमार्टम कराया गया। परिवार के मुताबिक, उन्हें नहीं पता कि उनके बेटे की मौत किन हालतों में हुई। मौत के कारण की जांच के लिए उन्होंने पुलिस ने जांच की मांग की है। जीआरपी थाना प्रभारी के मुताबिक, प्राइमरी जांच में शव को देखने से लगता है कि युवक की मौत ट्रेन से गिरने के चलते हुई है। वह ट्रेन से किन परिस्थितियों में गिरा इसकी जांच कराई जा रही है।

अरुण गोविल बोले- भगवाधारी कभी आतंकी नहीं हो सकते,डिंपल ने एसआईआर का मुद्दा उठाया, सपा सांसद बोले-मोदी अपने सलाहकार बदलें

लखनऊ। लोकसभा का गुरुवार को 10वां दिन है। मेरठ से भाजपा सांसद अरुण गोविल ने मालेगांव मामले पर कहा- भगवा और सनातन आतंकवादी नहीं हो सकते। इनका आतंकवाद से न पहले कोई संबंध था, न अब है और न हो सकता है। ये दोनों पवित्र शब्द हैं। आतंकवाद बहुत ही नापाक शब्द है। विपक्ष की शुरू से ही रणनीति रही है कि वे एक झूठा नरेटिव गढ़ें और उसे स्थापित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दें, लेकिन अब न्याय हो गया। वहीं, डिंपल यादव ने बिहार के एसआईआर मुद्दे पर कहा- बिहार में 60 लाख मतदाताओं को हटा दिया गया है। अमेरिका के टैरिफ पर उन्होंने कहा कि इससे हमारी अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा- ये सिर्फ 25फीसदी नहीं है, 25फीसदी टैरिफ है और 100फीसदी जुर्माना भी। हम कहां खड़े हैं, हमारा कोई नहीं बचा, हम किसी के नहीं। चीन पाकिस्तान के साथ है, अमेरिका पाकिस्तान के साथ है। अब रूस भी वहां जा रहा है, तो हम कहां खड़े हैं, हमारी विदेश नीति कहां है? राहुल गांधी 2014 से जो बातें कह रहे हैं, वह सच होती दिख रही हैं। सपा सांसद रामगोपाल यादव ने भी भारत की अर्थव्यवस्था की हालत बहुत खराब है। यहां दिल्ली में तो चमक दिखती है, लेकिन आप यहां से देहात में जाइए और वहां की अर्थव्यवस्था की हालत देखिए। मऊ से सपा सांसद राजीव राय ने विदेश नीति पर सवाल उठाया। कहा कि अब तक की सबसे कमजोर विदेश नीति है। आप कभी रूस के साथ जा रहे हैं, कभी अमेरिका के साथ जा रहे हैं। कभी यूक्रेन के साथ जा रहे हैं। मैं पीएम मोदी से अनुरोध करूंगा कि आप अपने सलाहकारों को खुद से दूर कीजिए, जो देश का नाम डुबो रहे हैं। गुरुवार को सदन की शुरुआत भी हंगामे के साथ हुई। बिहार के विशेष गहन पुनरीक्षण मामले पर विपक्ष ने हंगामा किया। इस दौरान स्पीकर ओम बिरला नाराज हो गए। उन्होंने कहा- यह गलत व्यवहार है। आपको संसदीय नियमों का पालन करना चाहिए। अगर हमें लोकतंत्र को मजबूत करना है, तो प्रश्नों को उठाना होगा। संसद के बाहर और अंदर यूपी के सांसदों ने क्या कहा- अरुण गोविल बोले-भगवा और सनातन कभी आतंकवादी नहीं हो सकते भाजपा सांसद अरुण गोविल ने मालेगांव मामले पर कहा- भगवा और सनातन आतंकवादी नहीं हो सकते। इनका आतंकवाद से न पहले कोई संबंध था, न अब है और न हो सकता है। ये दोनों पवित्र शब्द हैं और आतंकवाद बहुत ही नापाक शब्द है। विपक्ष की शुरू से ही रणनीति रही है कि वे एक झूठा नैरेटिव गढ़ें और उसे स्थापित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दें, लेकिन अब न्याय हो गया।डिंपल यादव ने कहा- बिहार में 60 लाख मतदाताओं को हटा दिया गया. सपा सांसद डिंपल यादव ने एसआईआर के मुद्दे पर कहा- सरकार और चुनाव आयोग पर प्रश्न चिन्ह उठता है कि चुनाव के इतने पास एसआईआर जैसा गहन अभियान क्यों चलाया जा रहा है? उसके बाद 60 लाख मतदाताओं को हटा दिया गया है।2008 मालेगांव ब्लास्ट मामले को लेकर एनआईए कोर्ट के फैसले पर उन्होंने कहा- जिस समय यह निर्णय आया है कि उसे लेकर भी प्रश्न उठते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति का बयान आना, 25फीसदी का टैरिफ लगाए जाना इससे हमारी अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा। यह सभी बातें छिपाने के लिए इस तरह का समय

इस निर्णय के लिए चुना गया है।चंद्रशेखर ने कहा-एसएससी को अपने बारे में सोचना चाहिए सांसद चंद्रशेखर आज़ाद ने कहा- एसएससी को लेकर अभ्यर्थियों की बहुत सारी मांगें हैं और वो मांगें कई तरह से उठा रहे हैं। कल वे आए लेकिन जिस तरह से उन पर लाठीचार्ज किया गया, लोकतंत्र की हत्या की गई। मैंने कल ही एसएससी चेयरमैन को पत्र लिखा था इन अभ्यर्थियों की सारी मांगें पूरी होनी चाहिए। एसएससी को अपने बारे में सोचना चाहिए। छात्रों

की मांगें जायज है। यही बच्चे कल देश का भविष्य बनेंगे लेकिन आप उन्हें पीटकर क्या साबित करना चाहते हैं? मैं केंद्रीय शिक्षा मंत्री से, प्रधानमंत्री से और हमारे एसएससी के चेयरमैन से यह मांग करता हूं कि वे छात्रों की मांग को सुनें और उनकी पीड़ा को दूर करें।दिनेश शर्मा ने कहा- पृथ्वीराज चह्वाण जाग गए हैं भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा- कांग्रेस के राहुल गांधी ने कहा है कि उनके यहां कुछ लंगड़े घोड़े हैं, कुछ बारात में नाचने वाले घोड़े हैं और कुछ रेस में दौड़ने वाले घोड़े हैं। उनका इशारा लंगड़े घोड़े और नाचने वाले घोड़े से अपने पुराने नेताओं के प्रति था। उसी में बहुत दिनों से सोए हुए पृथ्वीराज चह्वाण जाग गए हैं और रेस में शामिल होना चाहते हैं। यह ऐसे लोग हैं जिन्होंने चापलूसी के आधार पर अपना पूरा जीवन बिता दिया है... जनता द्वारा नकारे गए लोग फिर से जनता के आशीर्वाद के पात्र नहीं बन सकते। राजीव राय ने कहा- पीएम को सलाह है कि अपने सलाहकारों से दूर कीजिए सपा सांसद राजीव राय ने कहा- आजादी के बाद से अब तक की सबसे कमजोर विदेश नीति है। आप कभी रूस के साथ जा रहे हैं, कभी अमेरिका के साथ जा रहे हैं और कभी यूक्रेन के साथ जा रहे हैं। पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी भी अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे पर भारत सरकार के साथ कोई खड़ा

नहीं है। मैं प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध करूंगा कि आप अपने सलाहकारों को खुद से दूर कीजिए, जो देश का नाम डुबो रहे हैं। आप भाजपा के ही नहीं हमारे भी प्रधानमंत्री हैं, जब आपका अपमान होता है तो देश का भी अपमान होता है। इस समय हमारे देश की विदेश नीति सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। प्रधानमंत्री को आत्मचिंतन करना चाहिए।इमरान मसूद बोले-

राहुल गांधी की बात सच होती दिख रही है कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 25फीसदी टैरिफ लगाए जाने पर कहा- ये सिर्फ़ 25फीसदी नहीं है, 25फीसदी टैरिफ़ है और 100फीसदी जुर्माना भी है। हम कहां खड़े हैं, हमारा कोई नहीं बचा, हम किसी के नहीं। चीन पाकिस्तान के साथ है, अमेरिका पाकिस्तान के

साथ है और अब रूस भी वहां जा रहा है, तो हम कहां खड़े हैं, हमारी विदेश नीति कहां है? राहुल गांधी 2014 से जो बातें कह रहे हैं, वह सच होती दिख रही हैं।दिनेश शर्मा ने कहा- भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा- भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 25फीसदी टैरिफ लगाए जाने पर कहा-मुझे लगता है कि अंतर्राष्ट्रीय विदेश नीति और व्यापार की प्रक्रियाओं से विपक्ष अवगत नहीं है। भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी के साथ बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। अमेरिका द्वारा जो टैरिफ लगाने की बात सामने आ रही है उसमें अभी बातचीत जारी है। लेकिन इसके पहले ही आप परिणाम देने लगे हैं। दूसरी ओर भारत ने ब्रिटेन, यूरोपियन देशों के साथ, रूस समेत कई बड़े देशों के साथ व्यापार समझौता किया है। भारत एक ऐसा देश है जो केवल निर्यात पर निर्भर नहीं है। हम आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। यदि एक स्थान से निर्यात की कमी आती है तो हम दूसरे स्थानों पर उसकी पूर्ति करने की ओर बढ़ते

होस्टाइल कर दिया गया है, साक्ष्य नहीं प्रस्तुत किए जा रहे हैं। ऐसे में निर्णय तो यही आना था। जिस तरह से जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करके भाजपा की सरकार दुश्मनों पर प्रहार करती है और उनके अपनों की मदद करती है, इसका तो जीता-जागता प्रमाण है... आज देश जानना चाहता है कि विस्फोट तो हुआ, लोग तो मारे गए, मोटर साइकिल मिली, विस्फोटक पदार्थ का इस्तेमाल हुआ, यह किसने किया?

गर्ल्स हॉस्टल में रैगिंग से बीसीए छात्रा ने दी जानःलखनऊ में मां बोलीं- दोस्त को रैगिंग से बचाया तो बेटी को मार डाला, नैनीताल में पढ़ती थी

लखनऊ। 'मंगलवार रात 8 बजे मेरी बेटी से फोन पर बात हुई थी। उसने बताया था कि यूनिवर्सिटी की सीनियर छात्राएं उसकी रूममेट जूनियर छात्रा की रैगिंग कर रही थीं। उसने उन्हें रोका, तो धमकी दी। एक सीनियर छात्रा ने उसके हॉस्टल के कमरे में आकर बहस की। जूनियर छात्रा को अपने साथ ले जाने की कोशिश की। उसने उसे बचा लिया। बेटी ने फोन पर बातचीत खत्म होने के बाद इसका एक वीडियो भी भेजा। जिसमें सीनियर छात्रा उसके कमरे में आकर बहस करती दिख रही है। इसके बाद बुधवार को दिनभर बेटी का फोन नहीं लगा। शाम करीब 5 बजे यूनिवर्सिटी प्रशासन की ओर से बेटी की आत्महत्या करने की खबर आई।' यह बताते-बताते लखनऊ के मड़ियांव की रहने वाली टीचर बीनू सिंह जोर-जोर से रोने लगीं। उनकी 18 साल की बेटी वासवी तोमर की बुधवार को नैनीताल में मौत हो गई थी। वह भीमताल स्थित ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में बीसीए सेकेंड ईयर की छात्रा थी। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने परिजनों को बताया कि उसने हॉस्टल के कमरे में सुसाइड कर लिया है। मां का कहना है कि उनकी बेटी बहादुर थी, वो आत्महत्या कैसे कर सकती है? उसकी हॉस्टल के कमरे में गला घोंटकर हत्या की गई है। वहीं, भाई आयुष सिंह ने दावा किया है कि पोस्टमॉर्टम में हत्या की पुष्टि हुई है।हॉस्टल के कमरे में शव मिला- मड़ियांव की रहने वाली 18 वर्षीय वासवी तोमर उत्तराखंड नैनीताल के भीमताल स्थित ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में बीसीए सेकेंड ईयर की छात्रा थी। बुधवार शाम करीब 5 बजे यूनिवर्सिटी प्रशासन ने उसके परिजनों को कॉल करके बताया कि वासवी ने हॉस्टल में सुसाइड कर लिया है।वह हॉस्टल के कमरे में फंदे पर लटकी मिली थी। फंदे से उतारकर उसे भवाली सीएचसी

पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटी की मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। पिता रामकृष्ण तोमर परिजनों के साथ उत्तराखंड चले गए। मृतका के घर पर कोहराम मच गया। रिश्तेदारों का जमावड़ा लगा है। मां, दादा, मौसी, चाचा सभी लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। छात्र की मां रोते-रोते कई बार बेहोश हो चुकी हैं। भाई आयुष सिंह का दावा है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई है।वासवी की मां बीनू सिंह ने बताया कि बेटी से रोज फोन बात होती थी। मंगलवार रात में 8 बजे हमने उससे बात की थी। उसने बताया कि उसके रूम में नर्सिंग की फर्स्ट एयर की नई छात्रा आई हैं। जिसका यूनिवर्सिटी की पुरानी छात्रा रैगिंग करना चाह रही थी। नई छात्री को रैगिंग के लिए एक जगह ले गई थीं। बेटी जूनियर छात्रा को रैगिंग से बचाने के लिए उस जगह गई, तो पुरानी छात्राओं ने अभद्रता की। इसके बाद बेटी अपनी जूनियर छात्रा को साथ लेकर हॉस्टल के कमरे में आ गई।मां बीनू सिंह ने बताया कि इसके बाद एक सीनियर छात्रा मेरी बेटी के कमरे में आई। उसने जूनियर छात्रा को अपने साथ भेजने के लिए कहा। बेटी ने मना कर दिया तो उससे काफी देर तक बहस की। उसके बाद वो चली गईं। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी है। इतना कहते-कहते बीनू तेज-तेज से रोने लगती हैं। कुछ देर बाद खुद को संभालते हुए कहती हैं कि बेटी ने जूनियर छात्रा के लिए स्टैंड लेते हुए उसे रैगिंग से बचाया। पूरे घटना की वार्डन को जानकारी दी, लेकिन कोई एक्शन नहीं हुआ। उसके बाद रातभर हॉस्टल के कमरे में बेटी के साथ क्या हुआ पता नहीं चला।बीनू सिंह ने कहा कि बुधवार शाम को बेटी की मौत की खबर आई। यूनिवर्सिटी प्रशासन कुछ बता नहीं रहा है। हॉस्टल की लड़कियों को हम लोगों से बात करने से रोक दिया गया है। उन्हें धमकाया गया है। मेरी बहादुर बेटी आत्महत्या नहीं कर सकती है। हॉस्टल के कमरे में गला घोंटकर उसकी हत्या की गई है। हमारी एक ही बेटी थी, जो अब इस दुनिया में नहीं रही। वो दूसरी बच्ची को बचाने के लिए ढाल बन गई और अपनी जान गवां बैठी। रैगिंग का विरोध करने पर उसे इतनी बड़ी सजा मिली। हमें बस न्याय चाहिए। प्रशासन से निष्पक्ष जांच करके दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। अगर आरोपियों पर कार्रवाई नहीं होगी, तो कोई माता-पिता अपने बच्चों को कैसे बाहर पढ़ने के लिए भेजेगा।लड़की के चाचा अनुज सिंह ने कहा कि यह दुख पहाड़ के जैसा है, जिसे हम संभाल नहीं पा रहे हैं। भतीजी का चेहरा आंखों के सामने बार-बार आ रहा है। बच्ची ने बहुत इच्छा और ख्वाहिशों से ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी में एडमिशन लिया था। बीसीए के बाद एमसीए करके एआई क्षेत्र में जाना चाहती थी, मगर अब इस दुनिया में नहीं रही। 15 दिन पहले ही वो यूनिवर्सिटी गई थी। 7 अगस्त का उसका रिजर्वेशन था। रक्षाबंधन पर भाई आयुष सिंह को राखी बांधने के लिए आने वाली थी। अब उसका शव आ रहा है। उसका भाई आयुष सिंह अब किससे राखी बंधवाएगा। 'यूनिवर्सिटी प्रशासन हत्या को आत्महत्या बता रहा है' अनुज सिंह ने कहा कि हमको पूरा यकीन है कि रैगिंग करने वाली छात्राओं ने ही हमारी बच्ची को मौत के घाट उतार दिया। इस पूरी घटना में यूनिवर्सिटी प्रशासन मिला हुआ है, जो हत्या को आत्महत्या बता रहा है। यूनिवर्सिटी का कहना है कि उसने सुसाइड नोट लिखा था, मगर अभी तक हमें सुसाइड नोट नहीं दिखाया गया। हमारी हाथ जोड़कर विनती है कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

ऊर्जा मंत्री-1912- कॉल सेंटर-और रिश्वत की कॉल,औचक निरीक्षण के दौरान बहराइच के कस्टमर ने काल कर बताया लाइनमैन बिजली जोड़ने मांग रहा 2000

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने शुक्रवार को बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए बने 1912 कॉल सेंटर का औचक निरीक्षण किया। मंत्री के सामने ही बहराइच के एक कस्टमर का कॉल आया। बोला कि लाइनमैन ने मेरी बिजली काट दी। अब जोड़ने के लिए 2 हजार रुपए मांग रहा है। यह सुनकर मंत्री ने तुरंत मध्यांचल बिजली वितरण कंपनी की एमडी रिया केजरीवाल से फोन पर बात की और सख्त निर्देश दिए।

पूछा कॉल सेंटर की शिकायत आपकी आईडी पर दिख रही होगी, संबंधित जिले के एक्सईएन, एसडीओ और जेई को भी दिख रही होगी। अब तक क्या एक्शन लिया गया? मंत्री ने एमडी रिया से पूछा कि 1912 पर दर्ज शिकायतें संबंधित एसडीओ, एक्सईएन और जेई के पास ट्रांसफर होती हैं, लेकिन ऐसी शिकायतों पर क्या कार्रवाई होती है? उन्होंने कहा, 'यदि लाइनमैन ने सचमुच पैसे मांगे हैं, तो उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई हो और मुझे सूचित करें। ऐसा वह अन्य उपभोक्ताओं के साथ भी करता होगा।'मंत्री ने एमडी रिया केजरीवाल से साफ शब्दों में कहा, 'मैं 1912 पर आया था। बहराइच के सौरभ की शिकायत है कि लाइनमैन ने कनेक्शन काटकर 2 हजार रुपए मांगे। शिकायत दर्ज होते ही एक्सईएन के पास मैसेज गया, क्या वह मैसेज देखा गया? रियलिटी चेक करें। मुझे लगता है कि 110 कर्मचारी कॉल रिसीव कर रहे हैं, लेकिन सॉफ्टवेयर में शिकायतें ठीक से ट्रैक नहीं हो रही हैं। आपने कभी इसकी जांच की? इस पर एमडी रिया ने पूछा सर, शिकायत नंबर बताएं, मैं चेक करके बताती हूं।' ऊर्जा मंत्री ने जोर देकर कहा कि लाइनमैन जैसे कर्मचारियों की ऐसी हरकतें उपभोक्ताओं को परेशान करती हैं। उन्होंने कहा, '1912 पर रिश्वतखोरी की शिकायतें आना ठीक नहीं। इसकी समीक्षा करें और दोषियों पर सख्त एक्शन लें।' मंत्री ने कहा, 'ऐसी गंभीर शिकायतें तुरंत संबंधित अधिकारी की आईडी पर दिखनी चाहिए। रिश्वतखोरी या बिजली कटौती जैसी शिकायतों को अलग से प्राथमिकता दी जाए। सभी कॉलों को एक जैसा ट्रीट करना ठीक नहीं।' ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कर्मचारियों से पूछा कि लखनऊ में कहां-कहां से शिकायतें आईं और बिजली बाधित होने के क्या कारण हैं। कर्मचारियों ने बताया कि खंभे टूटने, तार टूटने और सप्लाई बाधित होने की शिकायतें प्रमुख हैं। मंत्री ने सुझाव दिया कि गंभीर शिकायतें, जैसे करंट लगने से मौत या रिश्वतखोरी, को सॉफ्टवेयर में रेड अलर्ट के रूप में अधिकारियों को दिखाया जाए, ताकि तुरंत एक्शन लिया जा सके।कॉल सेंटर के बाद मंत्री विधानसभा 33/11 उपकेंद्र पहुंचे। वहां उन्होंने पूछा कि कालीदास मार्ग पर दो बार बिजली कटौती क्यों हुई? कर्मचारियों ने बताया कि सप्लाई चालू है, लेकिन शिकायतें आ रही हैं।

बाइक पर जा रही थी युवती- युवक ने बना लिया वीडियो, छात्रा ने हाथ पर लिखा सुसाइड नोट और खत्म की अपनी जिंदगी

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के सैदनगली थाना

क्षेत्र के देहरा मिलक गांव में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। एक छात्रा ने ब्लैकमेलिंग से तंग आकर अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका ने मरने से पहले अपने हाथ पर सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उसने गांव के ही अरुण और सुशील नामक युवकों पर गंभीर आरोप लगाए। इस घटना ने पूरे गांव में हड़कंप मचा दिया है, और परिजनों के साथ-साथ ग्रामीणों में आक्रोश है।पुलिस और स्थानीयों के अनुसार, छात्रा एक दिन किसी के साथ बाइक पर कॉलेज जा रही थी, जब अरुण ने उसका वीडियो बना लिया। इसके बाद, अरुण ने इस वीडियो का इस्तेमाल कर छात्रा को ब्लैकमेल करना शुरू किया। उसने छात्रा पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला और रुपयों की मांग की। जब छात्रा ने इसका विरोध किया, तो अरुण ने वीडियो को गांव के लोगों के वॉट्सएप ग्रुपों पर वायरल करने की धमकी दी। इस अपमान और मानसिक दबाव को सहन न कर पाने के कारण छात्रा ने आत्महत्या का रास्ता चुन लिया।छात्रा का शव उसके घर के एक कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला। मृतका के हाथ पर लिखे सुसाइड नोट में अरुण और सुशील को उसकी मौत का जिम्मेदार ठहराया गया है। सुसाइड नोट में छात्रा ने बताया कि वह लगातार ब्लैकमेलिंग और मानसिक उत्पीड़न का शिकार थी, जिसने उसे इस कदम तक पहुंचा दिया।घटना की सूचना मिलते ही सैदनगली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। आरोपी अरुण पुलिस की हिरासत में है और परिजनों की तहरीर के आधार पर उसके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और ब्लैकमेलिंग का मुकदमा दर्ज किया गया है।अमरोहा पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। पुलिस ने यह भी पुष्टि की कि वॉट्सएप ग्रुप में वायरल वीडियो की जांच की जा रही है, और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।छात्रा की आत्महत्या के बाद उसके परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, और वे आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। गांव में भी इस घटना को लेकर गुस्सा है, और ग्रामीणों ने पुलिस से शीघ्र न्याय की गुहार लगाई है।

गाजियाबाद भाई-बहन सुसाइड,पिता,सौतेली मां,दादा ने की प्रताड़ना,मामा ने लगाए गंभीर आरोप

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में भाई बहनों की सुसाइड का मामला सामने आया

है। गाजियाबाद के गोविंदपुरम में रहने वाले अविनाश और उनकी बहन अंजली ने गुरुवार को घर में आत्महत्या कर ली थी। दोनों ने जहरीला सल्फास खाने के बाद परिजनों को फोन कर इस संबंध में जानकारी दी। पड़ोसी जब तक पहुंचे तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। अब इस मामले में आरोप लगाया गया है कि दोनों सौतेली मां और पिता के उत्पीड़न से तंग आ चुके थे। दादा भी दोनों को पसंद नहीं करते थे। इससे परेशान होकर उन्होंने आत्महत्या कर ली। यह आरोप मृतकों के मामा देवेंद्र सिंह ने लगाए हैं। अविनाश कुमार दिल्ली में आईबी में कार्यरत थे। वहीं, अंजली स्कूल में शिक्षिका थीं। दोनों की आत्महत्या ने गाजियाबाद में सनसनी मचा दी है। भांजा-भांजी की आत्महत्या मामले में मामा देवेंद्र सिंह ने पुलिस में तहरीर देकर दादा के खिलाफ तहरीर दी। इसमें मृतकों के पिता और सौतेली मां को भी नामजद आरोपी बनाया गया है। मामा ने आरोप लगाया कि ये लोग लगातार अविनाश और अंजली को प्रताड़ित कर रहे थे। मामा ने कहा कि 18 साल पहले दोनों की मां ने भी आत्महत्या कर ली थी। वह पति के ऋतु के साथ प्रेम संबंध को लेकर नाराज चल रही थी। इस कारण आत्महत्या की थी। अब उसके दोनों बच्चों को भी इनकी प्रताड़ना का शिकार होना पड़ा।देवेंद्र सिंह ने कहा है कि उनकी बहन कमलेश की शादी 1995 में गोविंदपुरम के रहने वाले सुखवीर सिंह से हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सुखवीर सिंह का संबंध मेरठ निवासी एक युवती से थे। इसका पता चलने के बाद वर्ष 2007 में कमलेश को जहरीला पदार्थ देकर मार दिया गया। कमलेश की मौत के कुछ माह बाद ही सुखवीर सिंह ने अपनी प्रेमिका से शादी कर ली।मामा ने आरोप लगाया है कि अंजली एवं अविनाश उर्फ बिट्टू का उनके पिता और सौतेली मां उत्पीड़न करते थे। उनके पिता ताना देते थे कि जैसे तुम्हारी मां मर गई, वैसे ही तुम मर जाते तो अच्छा होता।कविनग थाने में मृतकों के मामा ने गंभीर आरोपों वाली तहरीर दी है। इस मामले में कविनगर के एसीपी भास्कर वर्मा ने कहा कि तहरीर प्राप्त हुई है। 1995 में शादी और वर्ष 2007 में कमलेश देवी की मौत का आरोप अब लगाया गया है। ऐसे में इन आरोपों की जांच होगी। जांच के बाद ही उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रिमझिम बारिश में रेलवे ब्रिज पर बनाई रील, सोशल मीडिया पर स्टंटबाजी का वीडियो वायरल, युवती की तलाश में जुटी पुलिस

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में युवतियों में अब रील बनाने का नशा है। हमीरपुर शहर के संगमेश्वर मंदिर में अभी हाल में ही एक युवती ने फिल्मी

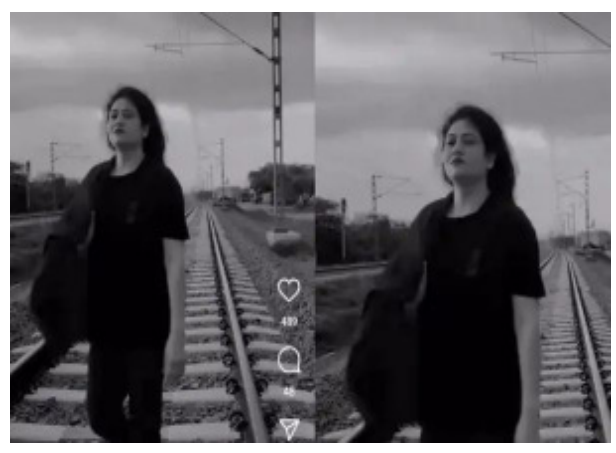

परवान चढ़ गया है। जान जोखिम में डालकर युवतियां पहचान बनाने के लिए अब रेलवे ब्रिज पर वीडियो बनाकर नियमों को ठेंगा दिखा रही है। ताजा मामला यहां एक रेलवे ब्रिज और लाइन का सामने आया है, जहां एक युवती ने रिमझिम बारिश के बीच फिल्मी गाने पर रेलवे ब्रिज पर रील बनाकर इसे सोशल मीडिया मे वायरल कर दिया है। और तो और इसने तीन अलग-अलग स्थानों पर रील बनाई है जिसे लेकर अब पुलिस ने जांच शुरू कर दी अंदाज में शिवलिंग के सामने रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था जिसे लेकर मंदिर के महंत ने नाराजगी जताई थी। सोशल मीडिया में यह रील वायरल होने के बाद मंदिर के महंत ने सावन के तीसरे सोमवार को एक नोटिस चस्पा कर रील बनाने पर रोक लगाई थी। महंत ने मंदिर आने वाले लोगों पर नजर रखने के लिए तमाम भक्तों को भी मुस्तैद किया था।

लगातार 22 वें दिन किया गया रुद्राभिषेक पूजन,हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान रहा शिव मंदिर परिसर

रामगढ़ कसारी भिखारी बाबा आश्रम स्थित शिव मंदिर पर किया गया है आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रामगढ़ कसारी भिखारी

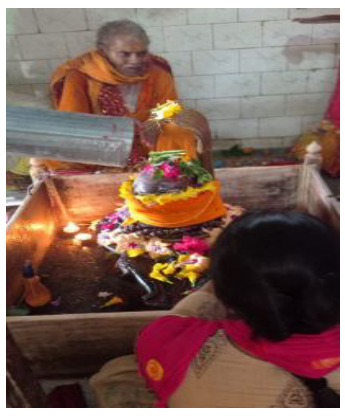

बाबा आश्रम स्थित शिव मंदिर में लगातार 22वें दिन शुक्रवार को रुद्राभिषेक पूजन किया गया। इस दौरान समूचा मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया। सावन माह के 22वें दिन शुक्रवार को दीपक केसरी, अंजना कुमारी, विमला देवी, कृष्णवती, निक्की केसरी, संध्या केसरी, ऋषिका केसरी, रूचि केसरी, उर्मिला देवी, मनोज केसरी, गोविंद गुप्ता, कालो देवी, कलावती चौबे, भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की उपाध्यक्ष चिंता मौर्य,परमानंद मौर्य, खुशबू मौर्य, विवेकानंद मौर्या, पंडित रेवती नाथ त्रिपाठी, रामा त्रिपाठी को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आचार्य राधेकृष्ण तिवारी व आचार्य कौशल तिवारी ने दुध व गंगाजल से रुद्राभिषेक पूजन कराया।भिक्षुक भिखारी रमाशंकर गिरी उर्फ जंगली बाबा ने बताया कि शिव शक्ति महिला मंडल एवं भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की ओर से प्रतिदिन सावन माह भर रुद्राभिषेक पूजन किया जाएगा। आरती पूजन में भुनेश्वर महाराज, शेषनाथ मिश्रा जी महाराज, राजेंद्र महाराज, इन्द्रपति पांडेय महाराज, सुखराम महाराज आदि मौजूद रहे। इस दौरान समूचा मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया।

पीएम व सीएम कर रहे गरीबों का सपना साकार, भूपेश, मूलभूत सुविधाओं के बिन अच्छे जीवन की नहीं की जा सकती कल्पना,सीडीओ

आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राबर्ट्सगंज नगर में स्थित विवेकानन्द प्रेक्षागृह में सात दिवसीय आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम/आकांक्षी

जिला कार्यक्रम के अंतर्गत संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सदर विधायक भूपेश चौबे ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य, शिक्षा समेत अन्य विभागों की ओर से स्टाल भी लगाए गए थे, जिसका विधायक, सीडीओ समेत अन्य अधिकारियों ने निरीक्षण किया।विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि देश के 112 अति पिछड़े जिलों में सोनभद्र भी शामिल है, यहां पर छह सूचकांक के आधार पर काम करना है। स्वयं सहायता समूह के द्वारा तमाम ऐसे कैसे कार्य किए जा रहे हैं, जो ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार सोनभद्र में विकास कार्य कराने के लिए पर्याप्त धन मुहैया करा रही हैं। हर गरीब तबके व्यक्ति को आवास, शौचालय समेत अन्य मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है, इसी का परिणाम है कि सोनभद्र में चहुंओर विकास कार्य दिखाई दे रहा हैं। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को शासन के मंशानुरूप कार्य करते हुए पीड़ित व्यक्तियों की समस्याओं को दूर करना होगा। विशिष्ट अतिथि सीडीओ जागृति अवस्थी ने कहा कि नीति आयोग ने सुधार की जिन जनपदों और ब्लाकों का चयन किया है, जिसमें सोनभद्र शामिल है। हालांकि अब पूरे देश में सुधार के क्षेत्रों में सोनभद्र अब तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। जिले के अधिकारियों और कर्मियों की मदद से आने वाले दिनों में सोनभद्र पहली स्थान पर पहुंचे, इसके लिए कार्ड किया जा रहा। मूलभूत सुविधाओं के बिना अच्छे जीवन की कल्पना नहीं किया जा सकता है। बीएसए मुकुंद आनंद पाण्डेय ने बताया कि देश में परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने में छठवें स्थान पर है। दिव्यांग छात्र और छात्राओं के लिए उनके उपयोग की सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओ को सर्वाइकल कैंसर की टिका लगवाया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में विधायक ने सराहनीय कार्य करने वाले कई अधिकारियों वो कर्मचारियों को सम्मानित किया।इस मौके पर डीपीआरओ नमिता शरण, डीसी एनआरएलएम सरिता सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अजय मिश्रा, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी सुधांशु शर्मा, विकास मिश्रा, राजेश चौबे आदि मौजूद रहे। संचालन ऋचा ओझा ने किया।

पंचमुखी महादेव मंदिर पर एएसपी ने किया पौध रोपण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। पर्यावरण संरक्षण संकल्प अभियान के अंतर्गत पर्यावरण बैंक के सदस्यों के साथ अपर पुलिस अधीक्षक त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी ने पंचमुखी महादेव मंदिर के प्रांगण में हरिशंकरी का पौधा रोपित कर उसे संरक्षित करके समाज को प्रेरित करते हुए कहा कि सभी जनों को प्रति वर्ष एक पौधा रोपित करते हुए उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित करना है , और जो भी पौधे रोपित किया जाए वे आक्सीजन देने वाले और फलदार हो ! क्योंकि वृक्ष है तो जीवन है ! प्रकृति के लिए वृहद पैमाने पर वृक्षारोपण अतिआवश्यक है! इस मौके पर देवानंद पाठक,गेंदा लाल, परमानंद, राकेश चौधरी, बृजेश श्रीवास्तव,क्रांति सिंह, अभिषेक मिश्रा, भीम सिंह, वकील खान, सुनील सिंह , अखिलेश सिंह, श्याम यादव आदि लोग उपस्थित रहे!

मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई शिकायत एसीएमओ ने लिया एक्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोन / सोनभद्र - नव सृजित विकास खण्ड कोन के ग्राम पंचायत कचनर वा में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कचनरवा को दान में मिली जमीन पर अतिक्रमणकारियों द्वारा मकान

बनाकर कब्जा करने के मुख्यमंत्री पोर्टल या अन्य पोर्टल पर की गई शिकायत को संज्ञान में लेते हुए एसीएमओ डॉक्टर पी के राय ने शिकायत कर्ता सरोज देवी व विश्वजीत श्रीवास्तव से कचनरवा पीएचसी पर मुलाकात किया।उन्होंने बड़े ही सरल भाव से सुना और कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया और शिकायतकर्ता विश्वजीत द्वारा मौके पर बाउंड्रीवॉल का निर्माण पूरे हॉस्पिटल की जमीन पर कराने की मांग किया अन्यथा की स्थिति में हॉस्पिटल की संपूर्ण जमीन खाली कराने की मांग किया है यहाँ तक सवाल किया कि कहा कि आखिर कब तक हॉस्पिटल की जमीन अतिक्रमण मुक्त होगा ?क्या हम लोगों के आत्म हत्या करने के बाद जमीन खाली होगा, जिस पर एसीएमओ ने बड़े ही सरलता से कहा कि यह मामला राजस्व विभाग से संबंधित है इसलिए राजस्व विभाग को अवगत करायें और उन्होंने कहा कि जब तक मामले का निस्तारण नहीं हो जाता है तब तक हॉस्पिटल के जमीन पर कोई निर्माण कार्य नहीं होगा । इस बावत् एसीएमओ ने सेल फोन पर बताया कि शिकायत के क्रम में पीएचसी कचनरवा गया था जहाँ शिकायतकर्ता से बात कर संतुष्ट कर उन्हें संबंधित विभाग से सम्पर्क करने हेतु सुझाव दिया पर उन्होंने इस बात पर जरूर जोर दिया गया कि भूमि संबंधित प्रकरण पर विभाग का कोई वास्ता नहीं है यह मामला राजस्व विभाग का है और उन्होंने बाउंड्रीवॉल निर्माण संबंधी जानकारी से निर्माण का कार्य होना है जिस पर शिकायतकर्ता अपनी सहमति व्यक्त किया है। जिसके क्रम में सरोज देवी व विश्वजीत श्रीवास्तव ने राजस्व विभाग की मिलीभगत व संबंधित विभाग की उदासीनता का आरोप लगाते हुए हॉस्पिटल की संपूर्ण जमीन को स्वास्थ्य विभाग अपने कब्जे में लेकर बॉउंड्रीवॉल की निर्माण कराने की मांग की है अन्यथा कि स्थिति में हॉस्पिटल की पूरी जमीन वापस की जाय ।बताते चलें कि कचनर वा क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निवारण के लिए कुछ वर्ष पूर्व स्वास्थ्य विभाग की अपील पर स्थानीय निवासी उदय लाल श्रीवास्तव व सीताराम ने संयुक्त रूप से हॉस्पिटल निर्माण के लिए वर्ष 1997 में पांच बीघा जमीन हॉस्पिटल बनाने के लिए राज्यपाल के नाम दान पत्र लिखा था जिसमें उदय ने डेढ़ बीघा जमीन पर हॉस्पिटल बनकर संचालित है वहीं सीताराम ने साढ़े तीन बीघा जमीन कैम्पस सहित अन्य सुविधाओं के विस्तार के लिए सुरक्षित रखा गया था जिस पर हॉस्पिटल प्रबंधन की लापरवाही व राजस्व विभाग के द्वारा राजस्व विभाग द्वारा राजस्व रिकार्ड हॉस्पिटल का नाम न दर्ज करके जनहित के विपरीत कार्य किया है जहाँ हॉस्पिटल की करोड़ों रुपये की भूमि चंद लोगों के नाम कर दिया गया जहां लोगों द्वारा मकाम तक बना लिया गया है जो कि अब दानदाताओं सहित स्थानीय लोगों के लिए गले का फांस बन गया है। जिसके क्रम में दानदाता उदय लाल श्रीवास्तव की पत्नी सरोज देवी का आरोप क्रम में उन्होंने प्रधान मंत्री,मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी को पत्र भेजकर व सक्षम न्यायालय में वाद दाखिल कर न्याय की गुहार लगाई है। इस बावत् पूर्व उप ब्लॉक प्रमुख चोपन राजनारायण जायसवाल ने बताया कि पूर्व राज्य मंत्री सूबेदार प्रसाद व जिला पंचायत सदस्य मटुकधारी सिंह जिला पंचायत सदस्य व हम लोगों के अथक प्रयास से कचनरवा पीएचसी की जमीन उपलब्ध कराया गया था किन्तु कतिपय कारणों व राजस्व विभाग की नाकामी से हॉस्पिटल की जमीन पर कब्जा कर मकान तक बना लिया गया। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व संबंधित विभाग से मांग किया है कि हॉस्पिटल की जमीन को मुक्त कराकर भव्य सुविधायुक्त हॉस्पिटल का सौन्दर्यीकरण बनाने की वकालत की है जो यहाँ के गरीब आदिवासियों के लिए वरदान साबित होगा। इसी क्रम में वरिष्ठ समाजसेवी व सपा नेता जोखन प्रसाद यादव ने कहा कि यह हॉस्पिटल यहाँ के गरीब आदिवासियों के लिए वरदान साबित हो रहा है। उन्होंने हॉस्पिटल प्रबंधन व राजस्व विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ राजस्व विभाग की नाकामी या उनके द्वारा राजस्व रिकार्ड में रकबा में हेरा फेरी किया गया जिसके चलते अतिक्रमणकारियों द्वारा घर तक बना लिए गए हैं और उन्होंने प्रदेश सरकार से हॉस्पिटल की जमीन मुक्त कराने की मांग किया है।

विविध कार्यक्रमों के साथ गोस्वामी तुलसीदास जी की 528वीं जयंती मनी,अतिथियों को किया गया सम्मानित

घोरावल तहसील क्षेत्र के श्री रघुनाथ मंदिर देवगढ़ में हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्री रघुनाथ-मन्दिर

देवगढ़ तीर्थक्षेत्र न्यास, देवगढ़, सोनभद्र के तत्वावधान में वेणीविलास अतिथिगृह के सभागार में कलिपावनावतार गोस्वामी तुलसीदास की 528वीं जयन्ती वृहस्पतिवार को सोल्लास सम्पन्न हुई। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सन्त श्याम प्रसाद दास, अभय दास, किशन दास के नेतृत्व में भगवन्नाम-संकीर्तन का आयोजन हुआ। तदुपरान्त संरक्षक श्री वृद्धेश्वरनाथ पीठाधीश्वर महन्त डॉ. योगानन्द गिरि जी महाराज, सभाध्यक्ष पण्डित अजय शेखर, मुख्य अतिथि पण्डित सुधाकर शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि रामनाथ शिवेन्द्र द्वारा गोस्वामी तुलसीदास जी के चित्र के सम्मुख दीप-प्रज्ज्वलन से द्वितीय सत्र 'काव्य-निशा' का शुभारम्भ हुआ। कविवर ईश्वर विरागी की वाणी-वन्दना से काव्य-निशा का श्रीगणेश हुआ। इस अवसर पर डॉ. अनुज प्रताप सिंह (मिर्ज़ापुर), दिनेश गुक्कज (प्रतापगढ़), अमरनाथ तिवारी 'मणि' (देवरिया), डॉ. लालजी सिंह बिसेन, एड. अशोक तिवारी, कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान, कवयित्री दिव्या राय, एड. प्रद्युम्नकुमार त्रिपाठी 'पद्म', प्रभात सिंह चन्देल, रामनाथ शिवेन्द्र, कविराज पण्डित रमाशंकर पाण्डेय 'विकल' ने अपनी हिन्दी और भोजपुरी की कविताओं का सस्वर काव्य-पाठ किया। अभ्यागत अतिथियों को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन साहित्यकार, इतिहासकार डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह 'संजय' एवं काव्यात्मक संचालन कवि दिलीप सिंह 'दीपक' ने किया। इस अवसर पर राजर्षि बाबू राम प्रसाद सिंह देवगढ़, स्वामी अरविन्द, राजेश सिंह राष्ट्रवादी, बाबू महेन्द्र बहादुर सिंह, सन्दर्भ पाण्डेय, अजीत सिंह परमार, धर्मेन्द्र कुमार सिंह 'राजेश', ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह 'बृजेश', मिश्रीलाल आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कोन विंढमगंज मार्ग की मरम्मत-ग्रामीणों का फुट्टा गुस्सा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोन / सोनभद्र - विकास खण्ड कोन के ग्राम पंचायत मुख्य बाजार

कचनरवा में गड्ढा सहित नाली निर्माण पूरी कराने सहित अन्य माँगो को लेकर बृहस्पतिवार को जिला पंचायत सदस्य छविन्द्र नाथ चेरो की अगुवाई में जोरदार प्रदर्शन करते हुए जिला प्रशासन से मांग किया है कि बाजार की एक तरफ से नाली की साफ सफाई व नाली पर ढक्कन लगाया जाय। जिसके क्रम में पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजनारायण जायसवाल ने कहा कि इस समय कोन विंढमगंज रोड की जहाँ जर्जर स्थिति है वहीं कचनरवा मुख्य बाजार की स्थिति बिल्कुल ही नारकीय हो गया है लोगों का बाजार में चलना हो गया है और वहीं बाजार की नाली पूरा कराने के साथ नाली के ऊपर ढक्कन लगाने की मांग किया जिस पर संबंधित जे. ई द्वारा स्थानीय दुकानदारों को स्वयं के रुपये से ढक्कन लगाने की सलाह देते दिखे आखिर सबसे बड़ा सवाल है कि इस नाली निर्माण में आखिर जिम्मेदारी किसकी है। वहीं स्थानीय दुकानदार संतोष जायसवाल ने कहा कि इस समय बाजार की स्थिति काफी नारकीय हो गया और लोगों का धंधा चौपट हो रहा है उन्होंने जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल सड़क को गड्ढा मुक्त कराने के साथ ही उन्होंने नाली की सफाई व ढक्कन लगाने की मांग किया है। प्रदर्शन करने वालो में मुख्य रूप से जिला पंचायत सदस्य छविंद्र नाथ चेरो, रोहन, रंजन, राहुल, लल्लू कुशवाहा आदि शामिल रहे। वहीं उप जिलाधिकारी व पुलिस क्षेत्राधिकारी ने भ्रमण के दौरान कचनरवा बाजार का दौरा कर लोगों की समस्याओं का जाना हाल व निस्तारण कराने का दिया आश्वासन । मौके पर संबंधित जे. ई, लेखपाल सहित स्थानीय दुकानदार उपस्थित रहे।

तुलसी-जयन्ती पर वाणी-वन्दना से काव्य-निशा का श्रीगणेश हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/घोरावल। श्रीरघुनाथ-

मन्दिर देवगढ़ तीर्थक्षेत्र न्यास, देवगढ़, सोनभद्र के तत्वावधान में वेणीविलास अतिथिगृह के सभागार में कलिपावनावतार गोस्वामी तुलसीदास की 528वीं जयन्ती हर्षोल्लास से सम्पन्न हुई। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सन्त श्यामप्रसाददास, अभयदास, किशनदास के नेतृत्व में भगवन्नाम-संकीर्तन का आयोजन हुआ। तदुपरान्त संरक्षक श्रीवृद्धेश्वरनाथपीठाधीश्वर महन्त डॉ. योगानन्द गिरि महाराज, सभाध्यक्ष पण्डित अजय शेखर, मुख्य अतिथि पण्डित सुधाकर शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि रामनाथ शिवेन्द्र द्वारा गोस्वामी तुलसीदास के चित्र के सम्मुख दीप-प्रज्ज्वलन से द्वितीय सत्र 'काव्य-निशा' का शुभारम्भ हुआ। कविवर ईश्वर विरागी की वाणी-वन्दना से काव्य-निशा का श्रीगणेश हुआ। इस अवसर पर डॉ. अनुजप्रताप सिंह (मिर्ज़ापुर), दिनेश गुक्कज (प्रतापगढ़), अमरनाथ तिवारी 'मणि' (देवरिया), डॉ. लालजी सिंह बिसेन, एड. अशोक तिवारी, कवयित्री कौशल्याकुमारी चौहान, कवयित्री दिव्या राय, एड. प्रद्युम्नकुमार त्रिपाठी 'पद्म', प्रभात सिंह चन्देल, रामनाथ शिवेन्द्र, कविराज पण्डित रमाशंकर पाण्डेय 'विकल' ने अपनी हिन्दी और भोजपुरी की कविताओं का सस्वर काव्य-पाठ किया। अभ्यागत अतिथियों को अंगवस्त्र एवं प्रतीकचिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संयोजन साहित्यकार-इतिहासकार डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' एवं काव्यात्मक संचालन कवि दिलीप सिंह 'दीपक' ने किया। इस अवसर पर राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह देवगढ़, स्वामी अरविन्द, राजेश सिंह राष्ट्रवादी, बाबू महेन्द्रबहादुर सिंह, सन्दर्भ पाण्डेय, अजीत सिंह परमार, धर्मेन्द्रकुमार सिंह 'राजेश', ज्ञानेन्द्रकुमार सिंह 'बृजेश', मिश्रीलाल आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सोनभद्र में एडीटीसी सेंटर का शुभारंभ,अब बिना प्रशिक्षण नहीं बनेगा ड्राइविंग लाइसेंस,रखा गया सड़क दुर्घटनाओं में कमी का लक्ष्य

सोनभद्र। सोनभद्र जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से एक्रेडिटेड

ड्राइवर ट्रेनिंग सेंटर (एडीटीसी) की स्थापना की गई है। जिला मुख्यालय के लोढी क्षेत्र में बने इस नवनिर्मित केंद्र का उद्घाटन सदर विधायक भूपेश चौबे ने किया। मुख्य अतिथि विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुसार प्रत्येक जिले में पीपीपी मॉडल के तहत ऑटोमेटेड ड्राइविंग ट्रैक की स्थापना की जा रही है। पूर्वांचल में गाजीपुर के बाद सोनभद्र ऐसा दूसरा जिला है, जबकि प्रदेश में यह 13वां एडीटीसी सेंटर है। अब बिना प्रशिक्षण के ड्राइविंग लाइसेंस जारी नहीं होगा। प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद प्रमाण पत्र दिखाने पर ही लाइसेंस मिलेगा। इस अवसर पर एआरटीओ सोनभद्र राजेश्वर यादव ने कहा कि सरकार का लक्ष्य सड़क दुर्घटनाओं में 50फीसदी की कमी लाना है। उन्होंने बताया कि अधिकतर दुर्घटनाएं अनट्रेंड ड्राइवरों के कारण होती हैं, और यह केंद्र इस दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यहां प्रशिक्षण शुल्क सरकार द्वारा निर्धारित दर पर ही लिया जाएगा, अतः शुल्क वृद्धि की आशंका निराधार है।केंद्र के डायरेक्टर अरविन्द सिंह ने बताया कि एलएमवी प्रशिक्षणार्थियों को 29 घंटे/ 30 दिन की ट्रेनिंग दी जाएगी, जिसमें सैद्धांतिक ज्ञान, सड़क सुरक्षा नियम, साइन बोर्ड, वाहन पार्ट्स, सिम्युलेटर अभ्यास और ट्रैक पर प्रैक्टिकल ट्रेनिंग शामिल है। प्रशिक्षण के अंत में स्कूल में ही परीक्षा लेकर सफल अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इस सेंटर में हल्के और भारी दोनों प्रकार के वाहनों की ड्राइविंग ट्रेनिंग दी जाएगी। ट्रैक, सिम्युलेटर और कंप्यूटराइज्ड मॉनिटरिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं प्रशिक्षुओं को बेहतर प्रशिक्षण देने में सहायक होंगी। इस पहल से जिले में सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है।

शुभमन ने गावस्कर और सोबर्स का रिकॉर्ड तोड़ा,इंग्लैंड में एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी कप्तान बने,रन आउट भी हुए

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पांचवां और आखिरी टेस्ट लंदन के द ओवल स्टेडियम में खेला जा रहा है। गुरुवार को मुकाबले के पहले दिन शुभमन 21 रन बनाकर रन आउट हुए। छोटी पारी के बावजूद उन्होंने सुनील गावस्कर और गैरी सोबर्स के 2 रिकॉर्ड तोड़ दिए। राहुल ने सीरीज में एक हजार गेंदें भी खेल लीं।द ओवल टेस्ट के रिकॉर्ड्स और मोमेंट्स- 1.

सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान शुभमन गिल 21 रन बनाकर आउट हुए। इस पारी के साथ उनके मौजूदा सीरीज में 743 रन हो गए हैं। इसी के साथ शुभमन एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान बन गए। उन्होंने सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1978 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 टेस्ट की सीरीज में 732 रन बनाए थे।2. सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी कप्तान शुभमन 743 रन के साथ इंग्लैंड में एक टेस्ट सीरीज के दौरान सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी कप्तान भी बन गए। इस मामले में उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज सर गारफील्ड सोबर्स का रिकॉर्ड तोड़ा। सोबर्स ने 1966 में 722 रन बनाए थे।3. राहुल ने सीरीज में 1000 गेंदें खेलीं टीम इंडिया के ओपनर केएल राहुल 40 गेंद पर 14 रन बनाकर आउट हुए। इसी के साथ वे एक टेस्ट सीरीज में एक हजार से ज्यादा गेंदें खेलने वाले तीसरे भारतीय ओपनर बन गए। किसी भारतीय ओपनर ने 11 साल बाद यह कारनामा किया। 2014 में मुरली विजय ने इंग्लैंड में ही 1054 गेंदें खेली थीं। इन 2 के अलावा सुनील गावस्कर ओपनिंग करते हुए 5 बार एक टेस्ट सीरीज में 1000 से ज्यादा गेंदें खेल चुके हैं।4. भारत ने लगातार 15वां टॉस गंवाया गुरुवार को द ओवल स्टेडियम में इंग्लैंड के कप्तान ओली पोप ने टॉस जीता और बॉलिंग चुनी। टीम इंडिया ने इंटरनेशनल क्रिकेट में लगातार 15वीं बार टॉस गंवा दिया। भारत सीरीज में एक भी टॉस नहीं जीत सका। टीम ने इससे पहले चैंपियंस ट्रॉफी में भी सभी टॉस गंवाए थे। भारत ने इसी साल फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में टी-20 मैच के दौरान आखिरी टॉस जीता था।5. अपने ही कॉल पर रन आउट हुए शुभमन 28वें ओवर में टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल रन आउट हो गए। ओवर की दूसरी बॉल गस एटकिंसन ने गुड लेंथ पर फेंकी। शुभमन ने डिफेंस किया और रन लेने के लिए दौड़ पड़े, लेकिन नॉन स्ट्राइकर एंड पर साई सुदर्शन ने उन्हें मना कर दिया। शुभमन वापस लौटने लगे, इतने में एटकिंसन ने गेंद उठाई और स्टंप्स को मार दी। गिल 21 रन बनाकर आउट हुए।6. बारिश के कारण 2 बार खेल रुका पांचवें टेस्ट में पहले दिन का खेल बारिश के कारण 2 बार रोका गया। बारिश के कारण टॉस भी 10 मिनट देर से हुआ था। फिर पहला सेशन बारिश के कारण ऑफिशियल टाइम से 8 मिनट पहले शाम 5.22 बजे ही खत्म कर दिया गया। दूसरे सेशन का खेल 6.10 की बजाय 7.30 बजे शुरू हुआ, लेकिन 30 मिनट बाद ही फिर बारिश शुरू हो गई। जिस कारण रात 9.15 बजे सीधे तीसरे सेशन का खेल ही कराया गया। 7. डीआरएस में बचे जुरेल अगली गेंद पर आउट 50वें ओवर में ध्रुल जुरेल डीआरएस के कारण एलबीडब्लू होने से बच गए। हालांकि, वे इसका फायदा नहीं उठा सके और अगली ही गेंद पर कैच हो गए। ओवर की दूसरी बॉल गस एटकिंसन ने गुड लेंथ पर इनस्विंगर फेंकी। गेंद जुरेल के पैड्स पर लगी, इंग्लैंड ने एलबीडब्लू की अपील की और अंपायर ने आउट का फैसला दे दिया। जुरेल ने रिव्यू लिया, रिप्ले में नजर आया कि गेंद स्टंप्स को मिस कर रही है। अंपायर ने अपना फैसला बदला और जुरेल बच गए। अगली गेंद एटकिंसन ने ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट पिच फेंकी। जुरेल कट शॉट खेलने गए, लेकिन सेकेंड स्लिप में हैरी ब्रूक के हाथों कैच हो गए। उन्होंने 19 रन8. अंपायर की गलती से इंग्लैंड का रिव्यू बचा श्रीलंकाई अंपायर कुमार धर्मसेना ने एक गलती की, जिसके कारण इंग्लैंड की टीम ने डीआरएस (रिव्यू) लेने से बच गई। यह घटना 13वें ओवर की दूसरी गेंद पर हुई, जब इंग्लैंड के गेंदबाज जोश टंग ने भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन को एक इनस्विंगिंग यॉर्कर फेंकी। सुदर्शन ने गेंद को रोकने की कोशिश की, लेकिन वे संतुलन खोकर गिर पड़े और गेंद उनके पैड पर लगी। इंग्लैंड ने जोरदार अपील की, लेकिन धर्मसेना ने इसे नॉट आउट करार दिया और इशारा किया कि गेंद बल्ले से टकराई थी। इस इशारे के कारण इंग्लैंड ने रिव्यू नहीं लिया। रिप्ले में दिखा कि गेंद सुदर्शन के बल्ले से टकराई थी, जिसके बाद वे गिरे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर ने धर्मसेना की इस गलती पर नाराजगी जताई। स्टार स्पोर्ट्स पर बोलते हुए उन्होंने कहा, कि अंपायर को ऐसा नहीं करना चाहिए था। पहले जब धर्मसेना ने अंपायरिंग शुरू की थी, तब डीआरएस नहीं था। अब अंपायर को अपने मन की बात इशारों से नहीं बतानी चाहिए, क्योंकि इससे गेंदबाजी करने वाली टीम को संकेत मिल जाता है।

चहल बोले-धनश्री से तलाक के समय सुसाइड का ख्याल आया,सिर्फ 2 घंटे सोता था, मैदान पर मेरा दिमाग काम नहीं कर रहा था

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने हाल ही में राज शमानी के पॉडकास्ट में अपनी पूर्व पत्नी, कोरियोग्राफर और इन्फ्लुएंसर धनश्री वर्मा से तलाक के बाद के मानसिक तनाव का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि तलाक की प्रक्रिया के दौरान वह एक महीने तक केवल दो घंटे ही सो पाए और उनके मन में आत्महत्या के विचार आए। चहल ने कहा, 'मैंने अपने दोस्तों से यह बात साझा की। मुझे क्रिकेट से ब्रेक चाहिए था। मैदान पर भी मेरा दिमाग काम नहीं कर रहा था।' चहल और धनश्री के तलाक को 20 मार्च 2025 को मुंबई की फैमिली कोर्ट ने मंजूरी दी थी। दोनों ने 11 दिसंबर 2020 को शादी की थी।चहल ने बताया कि उनका तलाक अचानक नहीं हुआ, बल्कि यह एक लंबी और निजी प्रक्रिया थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी परेशानियों को छिपाकर सामान्य जोड़े की तरह दिखने की कोशिश की। चहल ने कहा, 'हमने फैसला किया था कि जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, हम कुछ नहीं कहेंगे। सोशल मीडिया पर हम सामान्य जोड़े की तरह दिखते थे, लेकिन मैं दिखावा कर रहा था।' महत्वाकांक्षी जिंदगियों में तालमेल की कमी चहल ने बताया कि उनकी और धनश्री की महत्वाकांक्षी जिंदगियों के कारण उनके बीच तालमेल नहीं बैठ पाया। उन्होंने कहा, 'रिश्ते में समझौता जरूरी है। अगर एक गुस्से में हो, तो दूसरे को सुनना पड़ता है। दो महत्वाकांक्षी लोग साथ रह सकते हैं, लेकिन सबके अपने लक्ष्य और जिंदगी होती है।' अफवाहों पर चहल का जवाब तलाक के दौरान चहल के खिलाफ धोखेबाजी की अफवाहें फैलीं। उन्होंने दुख जताते हुए कहा, 'लोगों ने मुझे धोखेबाज कहा, लेकिन मैंने कभी धोखा नहीं दिया। मैं बहुत वफादार इंसान हूं। सिर्फ किसी के साथ दिखने से लोग अफवाह फैलाते हैं। मेरी दो बहनें हैं, मुझे महिलाओं का सम्मान करना आता है।' वायरल टी-शर्ट का राज चहल ने अपनी टी-शर्ट पर लिखे 'Be Your Own Sugar Daddy' के बारे में भी बताया। जिसका मतलब 'आर्थिक रूप से इंडिपेंडेंट होना' और 'अपना ख्याल खुद रखना'। उन्होंने कहा कि यह टी-शर्ट उन्होंने कोर्ट में एक खास संदेश देने के लिए पहनी थी, क्योंकि 'दूसरी तरफ से कुछ हुआ था।'कपिल शर्मा शो में नए रिलेशनशिप पर बात की चहल ने द ग्रेट इंडियन कपिल शो में आरजे महवश के साथ अपने रिलेशनशिप को स्वीकार किया। शो में कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा ने उनकी खिंचाई की। कीकू ने चहल की शर्ट पर लिपस्टिक मार्क दिखाकर पूछा, 'ये क्या चल रहा है?' चहल ने हंसते हुए जवाब दिया, 'इंडिया जान चुका है।' इस दौरान ऋषभ पंत ने मजाक में कहा, 'फ्री है न अब, थोड़ा ये सब।'चहल और धनश्री की लव स्टोरी धनश्री ने 'झलक दिखला जा-11' में बताया था कि मई-जून 2020 के लॉकडाउन में चहल ने उनसे डांस सीखने के लिए संपर्क किया था। यहीं से दोनों की प्रेम कहानी शुरू हुई और 11 दिसंबर 2020 को शादी हुई। हालांकि, जून 2022 से उनके रिश्ते में दरार आ गई। दोनों ने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया और चहल ने धनश्री के साथ तस्वीरें हटा दीं। तलाक की कानूनी प्रक्रिया फरवरी 2025 में दोनों ने मुंबई की फैमिली कोर्ट में तलाक के लिए अर्जी दी। कोर्ट ने छह महीने का कूलिंग-ऑफ पीरियड दिया, जिसके खिलाफ चहल ने बॉम्बे हाईकोर्ट में अपील की। 19 मार्च 2025 को हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट को अगले दिन फैसला सुनाने का आदेश दिया। 20 मार्च 2025 को तलाक को मंजूरी मिल गई। धनश्री कोरियोग्राफर और फेमस डेंटिस्ट हैं धनश्री वर्मा कोरियोग्राफर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। इसके अलावा फेमस डेंटिस्ट भी हैं। धनश्री टीवी के पॉपुलर डांस रिएलिटी शो 'झलक दिखला जा 11' में भी नजर आई थीं। धनश्री वर्मा इस डांस रिएलिटी शो के फाइनल तक पहुंची थीं। यूट्यूब चैनल पर उनके 27.90 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इंस्टाग्राम पर 63 लाख फॉलोअर्स हैं। धनश्री की नेटवर्थ 25 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

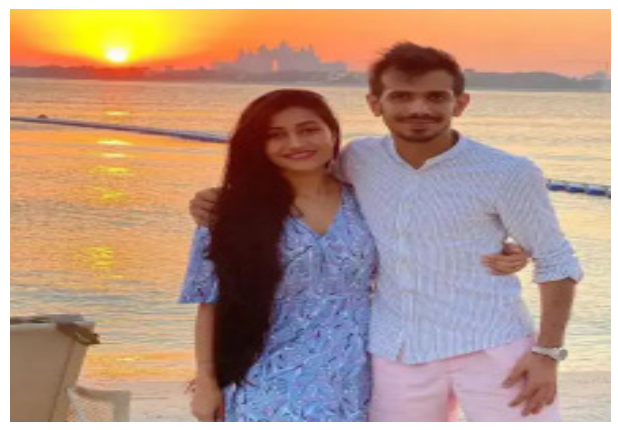

इंडिया बनाम इंग्लैंड पांचवां टेस्टःभारत ने पहले दिन 6 विकेट गंवाए, एटकिंसन-टंग को 2-2 विकेट; सुदर्शन ने 38 रन बनाए

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पांचवां टेस्ट लंदन के द ओवल स्टेडियम में खेला जा रहा है। गुरुवार को इंग्लैंड के स्टैंड-इन कैप्टन ओली पोप ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। बॉलर्स के लिए मददगार पिच पर भारत ने पहले दिन 204 रन पर 6 विकेट गंवा दिए। साई सुदर्शन 38 रन बनाकर टीम के टॉप स्कोरर रहे। कप्तान शुभमन गिल ने 21 रन बनाए। इंग्लैंड से गस एटकिंसन और जोश टंग ने 2-2 विकेट लिए। दूसरे दिन का खेल आज दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा। पहले सेशन में भारत ने 2 विकेट गंवाए सीरीज में पहली बार इंग्लैंड मैनेजमेंट ने बॉलर्स के लिए मददगार पिच दी। जहां हरी घास साफ नजर आई। स्विंगिंग कंडीशन के बावजूद टीम इंडिया ने पहले सेशन में 2 ही विकेट गंवाए और 72 रन बना लिए। यशस्वी जायसवाल 2 ही रन बना सके, लेकिन केएल राहुल ने 40 गेंदें खेलकर 14 रन बनाए। बारिश के कारण दूसरे सेशन का खेल देरी से शुरू हुआ। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पारी संभाल ली थी, तभी गिल रन आउट हो गए। उन्होंने 21 रन बनाए। उनके विकेट के कुछ देर बाद फिर बारिश आ गई, जिस कारण करीब 75 मिनट तक खेल नहीं हो सका। तीसरे सेशन में बारिश नहीं आई, धूप खिल गई और खेल नहीं रुका। हालांकि, पिच पर तेज गेंदबाजों को मदद साफ नजर आई। जोश टंग ने इसी का फायदा उठाकर साई सुदर्शन और रवींद्र जडेजा को कॉट बिहाइंड करा दिया। सुदर्शन 38 और जडेजा 9 रन बनाकर आउट हुए। सीरीज में पहला ही मैच खेल रहे ध्रुव जुरेल ने कुछ देर टिकने की कोशिश की, लेकिन वे भी 19 रन बनाकर आउट हो गए। नंबर-5 पर करुण नायर उतरे, वहीं नंबर-8 पर वॉशिंगटन सुंदर बैटिंग करने आए। दोनों ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारत का कोई और विकेट नहीं गिरने दिया। करुण 52 और सुंदर 19 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। दोनों दूसरे दिन भारत की पारी आगे बढ़ाएंगे। इंग्लैंड से क्रिस वोक्स को भी 1 विकेट मिला।भारत और इंग्लैंड दोनों ही टीमों ने अपनी-अपनी प्लेइंग-11 में 4-4 बदलाव किए। इंग्लैंड से कप्तान बेन स्टोक्स, जोफ्रा आर्चर, ब्रायडन कार्स और लियम डॉसन को बाहर बैठाया गया। इनकी जगह जैमी ओवर्टन, जोश टंग, गस एटकिंसन और जैकब बेथेल को मौका मिला।भारत ने भी प्लेइंग-11 में 4 चेंज किए। जसप्रीत बुमराह, शार्दूल ठाकुर, ऋषभ पंत और अंशुल कम्बोज को बाहर बैठाया गया। इनकी जगह आकाशदीप, प्रसिद्ध कृष्णा, करुण नायर और ध्रुव जुरेल को मौका मिला। दोनों टीमों की प्लेइंग-11 भारतः शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप, प्रसिद्ध कृष्णा। इंग्लैंडः ओली पोप (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैकब बेथेल, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, जैमी ओवर्टन, जोश टंग।

हरियाणवी फहराएगा यूरोप की सबसे ऊंची चोटी पर तिरंगाःकभी डॉक्टर ने कहा था- पैर काटने पड़ेंगे; बहन भी 2 बार माउंट एवरेस्ट फतह कर चुकी

रेवाड़ी। हरियाणा के पर्वतारोही नरेंद्र यादव यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रुस को तीसरी बार फतह करने जा रहे हैं। रूस में मौजूद माउंट एल्ब्रुस की ऊंचाई समुद्र तल से 18,510 फीट है। इस अभियान के लिए वे 6 अगस्त को भारत से रूस रवाना होंगे, जहां वे विश्व के अन्य पर्वतारोहियों के साथ जुड़ेंगे। खास बात ये है कि इस अंतरराष्ट्रीय टीम का नेतृत्व नरेंद्र ही करेंगे और 15 अगस्त यानी भारत की आजादी के दिन एल्ब्रुस की चोटी पर तिरंगा फहराएंगे। नरेंद्र अब तक माउंट एल्ब्रुस को साल 2017 और 2023 में फतह कर चुके हैं। तीसरी बार इस उपलब्धि को हासिल करते ही यादव सबसे अधिक बार माउंट एल्ब्रुस पर चढ़ने वाले पहले भारतीय बनेंगे, जो रिकॉर्ड होगा। मूल रूप से रेवाड़ी जिले के गांव नेहरूगढ़ के रहने वाले नरेंद्र यादव की मौसेरी बहन पद्मश्री संतोष यादव भी दो बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला हैं। नरेंद्र की यह उपलब्धियां इसलिए भी खास हैं, क्योंकि आज से 4 साल पहले पर्वतारोहण के दौरान फ्रॉस्टबाइट (एक ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर का कोई अंग अत्यधिक ठंड के कारण जम जाता है) का शिकार हो गए थे। डॉक्टरों ने उनके पैर काटने को कह दिया था। हालांकि, 2 साल उपचार चला, जिस कारण पैरों की अंगुलियां सीधी ही रहती हैं, मुड़ती नहीं। इसके बावजूद नरेंद्र सातों महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियां फतह करने वाले बन चुके हैं।पिता सेना में सूबेदार रहे, पत्नी कंप्यूटर इंजीनियर : 30 वर्षीय नरेंद्र यादव के पिता कृष्ण कुमार सेना में 17 राजपूत रेजिमेंट से सूबेदार रिटायर हैं। माता रोशनी देवी गृहिणी हैं। बड़े भाई सतपाल हरियाणा पुलिस में हवलदार के पद पर तैनात हैं, जिनकी वर्तमान में गुरुग्राम पोस्टिंग है। नरेंद्र की पत्नी ज्योति यादव कम्प्यूटर इंजीनियर हैं। दोनों की एक साल पहले ही शादी हुई है। बहन संतोष यादव से प्रेरणा लेकर बने पर्वतारोही : नरेंद्र यादव ने बताया कि मौसेरी बहन पद्मश्री संतोष यादव से प्रेरणा लेकर ही उन्होंने पर्वतारोहण शुरू किया था। संतोष यादव ने दो बार माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई की है। संतोष यादव ने साल 1992 में पहली बार माउंट एवरेस्ट को फतह किया। इसके बाद उन्होंने साल 1993 में वह दोबारा एवरेस्ट को फतह करने गईं और सफल रहीं। संतोष यादव ने दुनिया की पहली महिला होने का रिकॉर्ड कायम किया, जिन्होंने 8848 मीटर शिखर माउंट एवरेस्ट को 2 बार फतह किया हो। संतोष कांगशंग की तरफ से माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ने वाली दुनिया की पहली महिला भी हैं। 12 साल की उम्र में पर्वतारोहण, दो बार माउंट एवरेस्ट फतह किया : नरेंद्र सिंह यादव आगे बताते है कि उनकी पर्वतारोहण यात्रा 12 वर्ष की उम्र में शुरू हुई थी। अब तक उन्होंने 23 विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। दिसंबर 2024 में वह 30 वर्ष और 10 दिन की उम्र में सेवन समिट्स पूरी करके सबसे कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय पुरुष पर्वतारोही बने, जो रिकॉर्ड है। एवरेस्ट पर दो बार चढ़ाई की है। इसमें एक बार बिना किसी पूर्व अनुकूलन के मात्र 6 दिनों में चढ़ाई कर सबको हैरान कर दिया था।अंटार्कटिका में माइनस 52 डिग्री टेंपरेचर में चढ़ाई की : अंटार्कटिका की सबसे ऊंची चोटी माउंट विंसन के अलावा उत्तर अमेरिका (अलास्का) की सबसे ऊंची चोटी माउंट डेनाली को नरेंद्र यादव अपना सबसे कठिन मिशन मानते हैं। जहां पर माइनस 52 डिग्री तापमान के बीच से चढ़ाई करनी पड़ी। अंटार्कटिका में चढ़ाई के समय करीब एक क्विंटल तक वजन को साथ रखना पड़ता है। इस समय में 5 ऑक्सीजन सिलेंडर की जरूरत पड़ती है। वहीं, कैंपिंग और खाना बनाने का सामान भी साथ लेकर चलना होता है। 'रन फॉर राम' में कर चुके 6211 किलोमीटर दौड़ : उन्होंने 'रन फॉर राम' नाम से एक विशेष अल्ट्रा मैराथन अभियान चलाया है। इसमें वे चार दिशाओं से अयोध्या को जोड़ते हुए अब तक रामेश्वरम, सोमनाथ और बूढ़ा अमरनाथ से अयोध्या तक कुल 6211 किलोमीटर की दौड़ पूरी कर चुके हैं। वे प्रतिदिन लगभग 51 किलोमीटर दौड़ते हैं। अब उनकी अंतिम दौड़ परशुराम कुंड (अरुणाचल प्रदेश) से अयोध्या जी तक जनवरी 2026 में शुरू होगी। यह सम्पूर्ण अभियान प्रभु श्रीराम को समर्पित है। अब यादव पर्वतारोहण पर अभी तक करीब 5 करोड़ रुपए से अधिक राशि खर्च कर चुके हैं। शुरुआत में माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई पर खुद पैसे खर्च किए थे, लेकिन इसके बाद उन्हें कंपनियों से स्पासंरशिप मिलने लगी। पर्वतारोहण से पहले 20 दिन ट्रेनिंग : नरेंद्र सिंह यादव जब भी किसी पर्वत को फतह करने के लिए जाते हैं तो उससे पहले 20 दिन की ट्रेनिंग करते हैं। फिलहाल भी वे जम्मू में ट्रेनिंग कर रहे हैं। ट्रेनिंग के दौरान वे वजन लेकर चढ़ने और चढ़ाई के दौरान आने वाली कठिनाइयों को लेकर अभ्यास करते हैं। एक्सप्लोरर ग्रैंड स्लैम की तैयारी : नरेंद्र का अगला सपना और भी ऊंचा है। वे एक्सप्लोरर ग्रैंड स्लैम को पूरा करने की तैयारी में हैं, जिसमें सातों महाद्वीपों की चोटियों के साथ-साथ उत्तर और दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचना शामिल है। इसके साथ ही वे सातों महाद्वीपों के ज्वालामुखी पर्वतों पर भी चढ़ाई कर भारत का नाम विश्व स्तर पर रोशन करना चाहते हैं।

क्रिस वोक्स ओवल टेस्ट से बाहर हो सकते हैं,कंधा चोटिल हुआ; एटकिंसन बोले- चोट ठीक नहीं लग रही

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पांचवां और आखिरी टेस्ट लंदन के द ओवल स्टेडियम में खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन इंग्लैंड टीम को झटका लगा। टीम के पेसर क्रिस वोक्स इंजर्ड हो गए और वे अब कंधे की चोट के कारण बचे हुए मैच से बाहर हो सकते हैं। मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है और दूसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले उनके मैदान पर उतरने को लेकर अंतिम फैसला करेगी। 57वें ओवर में चोटिल हुए वोक्स वोक्स को यह चोट पहले दिन भारत की पहली पारी के 57वें ओवर में लगी। मिड-ऑफ पर फिल्डिंग कर रहे वोक्स ने बाउंड्री पर ड्राइव लगाया और चौका बचाने में कामयाब रहे। लेकिन चौका बचाने के दौरान वे अजीब तरह से गिरे और कंधा चोटिल कर बैठे। तभी इंग्लैंड के फिजियो बेन डेविस दौड़कर मैदान आए और चोट की जांच की। इसके बाद वे बाएं हाथ को एक अपने जंपर की स्लिंग में बांधकर मेडिकल जांच के लिए मैदान से बाहर चले गए। इसके बाद वोक्स को स्कैन के लिए ले जाया गया।देखने से तो यह ठीक नहीं लग रहा- एटकिंसन पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद इंग्लिश पेसर गस एटकिंसन ने कहा, मुझे चोट के बारे में अभी ज्यादा कुछ नहीं पता है, लेकिन देखने से तो यह ठीक नहीं लग रहा है। यह सीरीज का आखिरी मैच है और जब कोई भी खिलाड़ी चोटिल होता है, तो यह दुखद होता है। मैं उम्मीद करता हूं कि यह गंभीर न हो। उन्हें टीम का पूरा सपोर्ट मिलेगा।भारत के खिलाफ इस सीरीज में वोक्स का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने अब तक 5 मैचों की 9 पारियों में 11 विकेट लिए हैं। उनका बेस्ट बॉलिंग फिगर 3/84 रहा है। क्या कहते हैं नियम? आईसीसी के नियमों के मुताबिक, बैटिंग या बॉलिंग रिप्लेसमेंट तभी मिलता है जब खिलाड़ी को कन्कशन (सिर में चोट) लगी हो। यदि किसी खिलाड़ी को सिर पर चोट लगे और वह उलझन, चक्कर या धुंधला दिखाई देने की शिकायत करे, तब उसे कन्कशन सब्स्टीट्यूट दिया जा सकता है। उस स्थिति में समान भूमिका निभाने वाला खिलाड़ी टीम में शामिल किया जाता है। वोक्स को सिर में नहीं, कंधे में चोट लगी है, इसलिए इंग्लैंड को न तो उनका बॉलिंग सब्स्टीट्यूट मिलेगा, न ही कन्कशन सब्स्टीट्यूट। ऐसे में वोक्स की जगह जो प्लेयर मैदान पर आएगा वो सिर्फ फिल्डिंग कर सकता है, ना ही बैटिंग करेगा और ना ही बॉलिंग।

कोडिंग' की दाल में 'केयरिंग' का तड़का नौकरी की सही रेसिपी है

वह पोस्ट ग्रेजुएट है। उसने कई इंटर्नशिप भी की। फिर एक राजनेता के ऑफिस में काम किया, जहां वो उनके मतदाताओं से मिलती। वो स्मार्ट है। संचार में और वहां आने वाले लोगों को संभालने में कुशल है। चूंकि वो आम महिला-पुरुषों को अधिकारीगण आदि से मिलाने में मदद करती थीं, जिनके निर्णयों से जनता को लाभ होता है। ऐसे में उसने किसी व्यक्ति की समस्या को समाधान प्रदाता से मिलाने की कुशलता विकसित कर ली। लेकिन उसकी एक ही समस्या थी।

राजनेताओं के कामकाज का कोई समय नहीं होता। रोजाना लंबे समय तक काम करने से उसके बच्चे पर असर पड़ रहा था। इसीलिए उसने नौकरी बदलने का निर्णय किया। पिछली जनवरी में उसने एक बड़े अस्पताल में काम करने वाले मेरे एक परिचित से संपर्क किया, ताकि वह वहां नौकरी के लिए उनकी सिफारिश कर सके। और उसे नौकरी मिल गई।जाहिर तौर पर वह इसलिए चुनी गई, क्योंकि उसमें शिकायत करने वाले मरीजों को संभालने की क्षमता थी और जॉइन करने के पहले दिन से ही वह उन्हें शांत रखने लग गईं। 6 महीने का प्रोबेशन पूरे करने से पहले, महज एक महीने में ही उसने स्थायी नौकरी की मांग कर दी। और उसे वह भी मिल गई। उसका ख्याल मुझे तब आया जब मैं इस हफ्ते जारी पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के डेटा पढ़ रहा था।इसमें बताया गया कि 15 से 29 साल के शहरी युवाओं में बेरोजगारी दर एक महीने में एक प्रतिशत बढ़ गई है। जून में ये 18.8फीसदी हो गई। कहीं ना कहीं यह दो बातों की ओर संकेत करती है। 1. अकेली शिक्षा अब रोजगार-स्थायित्व की गारंटी नहीं। 2. नियोक्ता चाहते हैं कि आप जॉइन करने के पहले दिन से ही रिजल्ट देने लगें। मुंबई में कुशल व शिक्षित युवाओं की एक पीढ़ी अभी भी बेरोजगार है।जी हां, ये वही शहर है, जहां गर्व से कहते थे कि 'मुंबई में कोई भूखा नहीं सोता।' लेकिन आज यह बात सच नहीं है। मुम्बई ऐसा अकेला शहर नहीं है। अमेरिका से लेकर यूके तक दुनियाभर में कॉलेज ग्रेजुएट्स और पोस्ट ग्रेजुएट युवाओं के बीच बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।अमेरिका के भी ऐसे मासिक बेरोजगारी डेटा की पड़ताल करें तो पता चलता है कि अमेरिकी पुरुषों में भी बेरोजगारी तेजी से बढ़ी है। यह पांच प्रतिशत से कम थी, जो अब 7फीसदी से अधिक हो गई है। जबकि महिलाओं में बेरोजगारी घटी है। इस दावे का समर्थन करने वाले एक डेटा से पता चलता है कि पिछले एक वर्ष में युवा महिला ग्रेजुएट्स द्वारा भरी गई 1.35 लाख नौकरियों में से 50 हजार नौकरियां अमेरिका के हेल्थ केयर सेक्टर में थीं।स्पष्ट रूप से इसका कारण उम्रदराज आबादी की बढ़ती मांग के साथ ऑटोमेशन, घरों में एआई संचालित उपकरणों का प्रवेश और रोजमर्रा की चिकित्सा जरूरतें हैं। ये सब बताता है कि एआई मौजूदा व्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी कारक है।इसका जवाब सही भी है और गलत भी। सही इसलिए, क्योंकि यह उतनी नौकरियां पैदा नहीं कर रहा, जितनी पुरानी नौकरियां खत्म कर रहा है। गलत इसलिए, क्योंकि एंट्री लेवल सॉफ्टवेयर डेवलपर्स के पदों पर भर्तियों में फिर उछाल देखा जा रहा है। इसलिए तकरीबन 30 वर्ष की उम्र के लोग, जो कम से कम 60 हजार रु. प्रतिमाह वाली नौकरी खोज रहे हैं, उन्हें उस स्थान की जनसांख्यिकी भी पढ़नी चाहिए, जहां नौकरी ढूंढ रहे हैं। और उन्हें कोडिंग से 'केयरिंग' की ओर रुख करना चाहिए। मुंबईकरों में नया नारा है, 'कोडिंग सीखने के साथ-साथ केयरिंग भी सीखो।' ऐसा इसलिए क्योंकि एक शहर के तौर पर मुंबई भी बूढ़ा हो रहा है। और उस आबादी को देखभाल चाहिए। यही कारण है कि शुरुआत में जिस लड़की का जिक्र मैंने किया, उसे हेल्थ सेक्टर में जल्दी नौकरी मिल गई। और वह पहले दिन से ही अपने नियोक्ता के लिए समस्याओं का समाधान करने वाली बन गई।फंडा यह है कि जैसे पैसा कंपनी के प्रदर्शन के पीछे भागता है, मेरा मतलब निवेशक निवेश से पहले कंपनी की परफॉर्मेंस देखते हैं, वैसे ही आपका प्रदर्शन करियर को आगे बढ़ाता है। हेल्थकेयर जैसा क्षेत्र चुनें, जो अभी फल-फूल रहा है। और यदि कोडिंग में 'केयरिंग' का तड़का लगा सकते हैं तो फिर देखिए कैसे आपकी 'रेसिपी' जायकेदार बन जाएगी। मेरा मतलब है आपकी सैलरी! (एन. रघुरामन)

दूध के पैकेट जैसी छोटी-सी चीज पर भी गौर करने का समय आ गया है

पिछले करीब एक माह से सुबह की कॉफी बनाना मेरी जिम्मेदारी थी, क्योंकि मोतियाबिंद

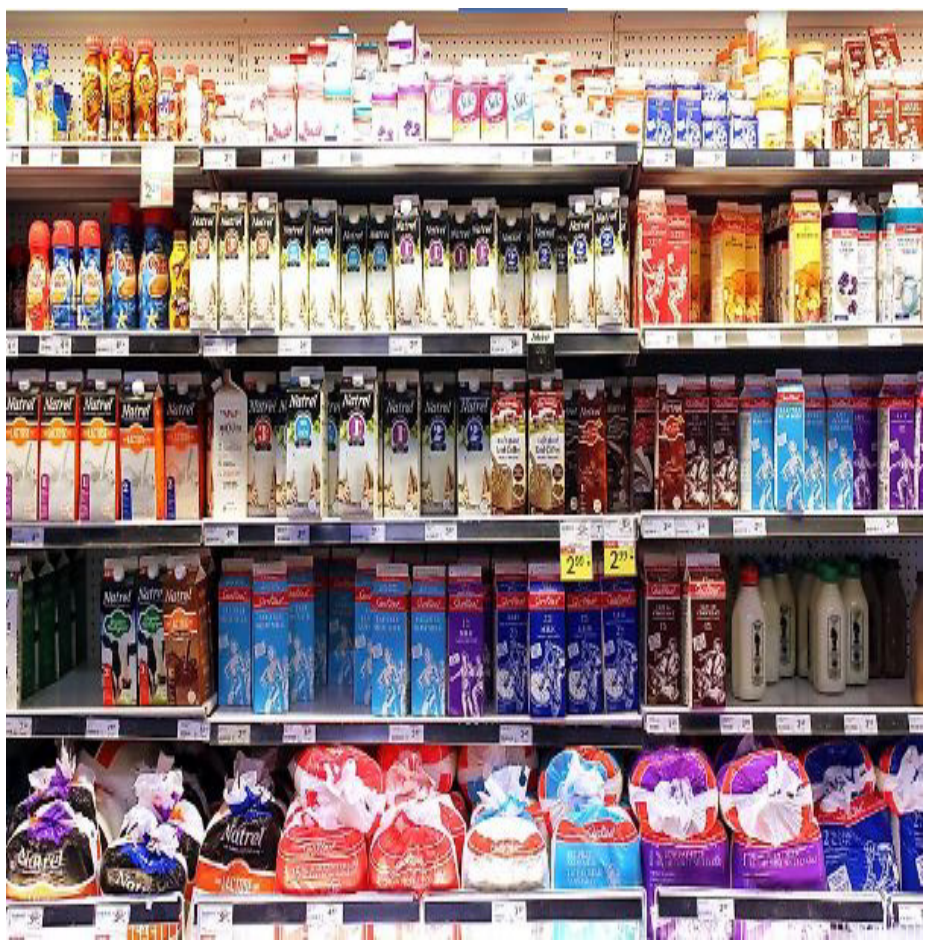

की सर्जरी के बाद पत्नी का किचन स्टोव के पास आना मना था। लेकिन बीते इस समय में वह कभी भी यह पूछना नहीं भूलीं कि 'क्या आपने दूध की थैलियों को उनकी तय जगह पर रख दिया है?' यह प्लास्टिक को इकट्ठा करने का अलग बैग है, जो एसी यूनिट के पीछे रखा रहता है।रिसाइकल कचरा इकट्ठा करने वाले को यह हम देते हैं, जो कि कॉलोनी में महीने में एक बार आता है। मैं 'हां' कहता हूं और उन्हें कॉफी का कप देता हूं। एक महीने में मैंने देखा कि धीरे-धीरे इस प्लास्टिक की थैली की ऊंचाई बढ़ने लगी और अंततः ये एसी यूनिट के पार निकल गई। और तब मुझे एहसास हुआ कि किसी एक घर से कितना अधिक प्लास्टिक निकल सकता है। इसमें सर्वाधिक दूध की थैलियां थीं। इसी ने मुझे दूध की थै?लियों को लेकर कुछ तथ्य खोजने के लिए बाध्य किया। दूध की जिन ?थैलियों को हम इस्तेमाल के बाद फेंक देते हैं, वे प्लास्टिक की होती हैं और मिट्टी में नष्ट होने में बहुत वक्त लेती हैं। ये समय 20 से 500 वर्षों तक हो सकता है। प्लास्टिक ऐसा पदार्थ है, जिसका प्राकृतिक तरीके से क्षरण नहीं होता। ना ही ये जैविक पदार्थों की भांति अपघटित होता है। बल्कि यह सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने पर माइक्रोप्लास्टिक में बंट जाता है। पर पूरी तरह गायब नहीं होता। अगर न्यूनतम आंकड़ों का अनुमान लगाएं, तो भी भारत में प्रति दिन ऐसी 20 करोड़ दूध के पैकेट की खपत होती है। 1946 में शुरू हुआ अमूल बड़े दुग्ध उत्पादक के नाते बड़ी संख्या में दूध की थैलियों का उपयोग करता है। सटीक आंकड़े भिन्न हैं, पर रिपोर्ट बताती हैं कि अमूल प्रतिदिन प्लास्टिक से बनी 2.6 करोड़ दूध की थैलियां बेचता है। मतलब, साल भर में करीब 949 करोड़ थैलियां। इसके अलावा कंपनी दही, छाछ जैसे अन्य दुग्ध उत्पाद भी प्लास्टिक की थैलियों में बेचती है, जिससे रोजाना काफी प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। वर्ष 2020 में पंजाब विधानसभा में बताया गया कि पंजाब राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ द्वारा 1973 में शुरू किए गए 'मिल्कफैड' ने 2018-19 में दूध और अन्य डेयरी उत्पादों की पैकेजिंग में 80 करोड़ प्लास्टिक थैलियां काम में लीं। आज हम 2025 में हैं और अभी दूध की खपत करने वाले युवाओं के लिहाज से बड़ी आबादी वाले उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों के संघों की बात तो की ही नहीं है। मुझे सोमवार को यह सब याद आया, जब मैंने जाना कि कैसे बेंगलुरु में नंदिनी मिल्क सप्लाई करने वाला कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) अपने लोकप्रिय ब्रांड के लिए इको-फ्रेंडली पैकेजिंग शुरू करने जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत, वे रोजाना प्राकृतिक रूप से अपघटित हो सकने वाली 2 लाख ?थैलियों के उपयोग से बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग की ओर बढ़ रहे हैं। वे रोज लगभग 50 लाख लीटर दूध, 16 लाख लीटर दही बेच रहे हैं। नष्ट होने में कई सौ वर्ष लेने वाली पारंपरिक पॉलिथीन थैलियों के विपरीत ये इको फ्रेंडली विकल्प 90 दिन के भीतर प्राकृतिक रूप से विघटित हो जाते हैं।यहां तक कि इनको रासायनिक उर्वरक में भी बदला जा सकता है। केएमएफ की एक अन्य शाखा बेंगलोर मिल्क यूनियन लिमिटेड (बामूल) द्वारा हाल ही लॉन्च पायलट प्रोग्राम की सफलता के बाद अब ये नई पहल इसी वीकेंड शुरू होगी। ये परीक्षण उनके एक डेयरी फार्म में शुरू किया गया। वर्तमान में इसे चुनिंदा क्षेत्र में लागू किया जा रहा है, जिसमें इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया, रिसाव की शिकायत नहीं होने और दूध की गुणवत्ता से समझौता नहीं होने के पैमानों पर परखा जा चुका है। चूंकि ग्राहक संतुष्टि बेहतर थी, इसलिए वे नए इलाकों को कवर कर रहे हैं। जाहिर है कि जल्द ही राज्यभर में इसे शुरू किया जा सकता है। फंडा यह है कि समय आ गया है, प्लास्टिक की थैलियों में दूध ले रहे हम भारतीयों को उस मिट्टी और समुद्र को बचाने के लिए कोई री-साइक्लिंग योजना अपनानी पड़ेगी, जो हम हमारी पीढ़ियों के लिए छोड़कर जा रहे हैं। अपनी पसंद का कोई भी तरीका अपनाएं, जब तक कि हमारे शहर बायोडिग्रेडेबल थैलियों पर ना आ जाएं, पर कृपया इन्हें कचरे में ना फेंकें। (एन. रघुरामन)

संभावनाएं टटोली जा रही हैं एक युवा नेतृत्व के लिए

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने एक बार अफसोस भरे स्वर में कहा था कि हम कांग्रेस वाले अपनी गुटबाजी सार्वजनिक रूप से जाहिर कर देते हैं, जबकि भाजपा ऐसा बंद दरवाजे के पीछे करती है। केरल में शशि थरूर के बगावती सुर हों या कर्नाटक में सिद्धारमैया बनाम डीके शिवकुमार का अनवरत पॉवर-ड्रामा- सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोपों के जरिए खुद पर ही निशाना साध बैठने की कांग्रेस की प्रवृत्ति के ये नवीनतम उदाहरण हैं। इसके विपरीत, भाजपा के भीतर जो सत्ता-संघर्ष हैं, उन पर शायद ही कभी ध्यान जाता है, क्योंकि यह सब गोपनीयता के आवरण में होता है। यही कारण है कि संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत की हालिया टिप्पणी ने सबको चौंकाया। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में काम करने वालों को 75 की उम्र में 'सेवानिवृत्त' होने की सलाह दी थी। तब विपक्ष ने भी संघ प्रमुख की इस टिप्पणी को तुरंत भुनाने की कोशिश की और दावा किया कि भगवा-बिरादरी के मुखिया भाजपा में एक 'उत्तराधिकार योजना' को तुरंत लागू करना चाहते हैं। 'मोदी के बाद कौन?'- यह टीवी स्टूडियो के लिए भले ही चर्चा का आकर्षक विषय हो, लेकिन हकीकत यही है कि मोदी कहीं नहीं जा रहे हैं। वे पीछे हटने वालों में से नहीं हैं, रिटायरमेंट की तो बात ही रहने दीजिए। संघ प्रमुख आमतौर पर शब्दों को तौलकर बोलते हैं। संघ का एक वर्ग भाजपा में पीढ़ीगत बदलाव का इच्छुक है, यह बात सत्ता के गलियारों में कुछ समय से चल रही है। यह भी याद रखें कि संघ व्यक्तिवादी राजनीति के प्रति असहज रहता है। गत सितंबर में भी भागवत ने कहा था कि कर्म से हर कोई व्यक्ति पूजनीय बन सकता है, लेकिन हम स्वयं उस स्तर तक पहुंचे हैं या नहीं, यह हम नहीं दूसरे ही तय करेंगे। और इस सबके बावजूद, संघ जानता है कि देश में अपना राजनीतिक और वैचारिक आधिपत्य बनाए रखने के लिए फिलहाल तो मोदी ही उसके लिए सबसे बेहतर विकल्प हैं। जैसा कि सीएसडीएस 2024 के चुनाव-उपरांत सर्वेक्षण से पता चलता है, मोदी की लोकप्रियता अभी भी भाजपा से काफी ऊपर है। भाजपा के हर चार में से एक मतदाता ने कहा था कि उन्होंने केवल प्रधानमंत्री के नेतृत्व के कारण ही पार्टी को वोट दिया था। 'मोदी फैक्टर' को हटा दें तो भाजपा राजनीतिक रूप से कमजोर दिखने लगती है। आज मोदी ही ब्रांड-हिंदुत्व के राजनीतिक शुभंकर और स्टार हैं। अयोध्या में राम मंदिर से लेकर जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के उन्मूलन और अब भाजपा-शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रयासों तक, मोदी सरकार ने संघ के तमाम मूल एजेंडों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं- राजदीप सरदेसाई)

सुंदरता हर तरफ है, इसलिए क्यों ना आज अपना 'बिन' निकालकर चलें

'अरे, यह तो ग्रे हेरॉन है, इसे जख्मी देखकर बहुत बुरा लग रहा है,' इस शुक्रवार को मैं अखबार हाथ में लिए चिल्लाया। पत्नी दौड़ती हुई आईं और पूछा, 'क्या हुआ?' मैंने उन्हें शुक्रवार के चार अखबार दिखाए, जिनमें अलग-अलग ऐसे पक्षियों की तस्वीरें थीं, जो या तो मारे गए थे या घायल हो गए थे। इसके साथ ही गुरुवार को मुंबई के समीप ठाणे में एक हाउसिंग सोसाइटी द्वारा पेड़ों की बेतहाशा छंटाई की खबर थी। 'क्या आपको यकीन है कि ये ग्रे हेरॉन है, इग्रेट नहीं?' उन्होंने पूछा तो मैं अपनी पुरानी डायरी ले आया और उन्हें समझाया कि कैसे हेरॉन लंबी टांगों और चौड़े पंखों वाले जलचर पक्षी होते हैं। हालांकि हेरॉन, इग्रेट और बिटर्न जैसे पक्षी एक ही आर्डीडे परिवार के सदस्य हैं, लेकिन इग्रेट आमतौर पर पूरी तरह से सफेद होते हैं, जबकि हेरॉन कई रंगों के हो सकते हैं। वहीं बिटर्न की खासियत उनके घने, हल्के पीले-भूरे रंग के पंख हैं, जिन पर गहरी धारियां होती हैं। अगर मैं पक्षियों के बारे में मुझे कुछ जानकारी देने का श्रेय किसी को देना चाहूं, तो वे हॉलीवुड अभिनेता ओवेन विल्सन, स्टीव मार्टिन और जैक ब्लैक होंगे, जो मेरे मुताबिक हास्य दृश्यों में सर्वश्रेष्ठ हैं। यही कारण था कि जब वे तीनों एक साथ एक फिल्म में आए- 2011 में प्रदर्शित 'द बिग ईयर'- तो मैं उसे देखने का अवसर नहीं छोड़ पाया। फिल्म तीन पक्षी प्रेमियों की कहानी सुनाती है, और उनमें से हर कोई वही कर रहा होता है, जिसे 'द बिग ईयर' कहा गया है। वे ठान लेते हैं कि इस साल अमेरिका में किसी भी अन्य व्यक्तियों से ज्यादा पक्षी देखेंगे। और उन तीन पक्षी प्रेमियों के साथ हम दर्शक भी फिल्म में सैकड़ों पक्षी देखते हैं, और हर एक की गिनती करते हैं। लेकिन फिल्म का मर्म एक अच्छे जीवन के अर्थ के बारे में है, इस बारे में कि किसी व्यक्ति के लिए सिर्फ बड़े होने, पैसे कमाने, परिवार बनाने वगैरह से बढ़कर एक अधिक मनुष्य बनने के लिए क्या जरूरी है। फिल्म के तीनों ही नायक अपने-अपने जीवन का अर्थ समझते हैं। वे अलग-अलग चुनाव करते हैं कि क्या मायने रखता है और क्या नहीं; कौन मायने रखता है और कौन नहीं; और जीवन का वास्तविक अर्थ क्या है और क्या नहीं। फिल्म देखने के बाद के वर्षों में मैंने पक्षियों के बारे में बहुत सीखा। मुझे पता नहीं था? पक्षियों के बारे में इतना कुछ जानने को है। पहली चीज जो मैंने सीखी, वह थी बर्ड-वॉचिंग के लिए जरूरी उपकरण। फिल्म देखते हुए किसी ने कहा 'हमें अपना 'बिन' खोजना होगा।' फिल्म समाप्त होने के बाद मैंने उनसे कहा, 'माफ कीजिए, पर मैंने आपको 'बिन' कहते सुना।

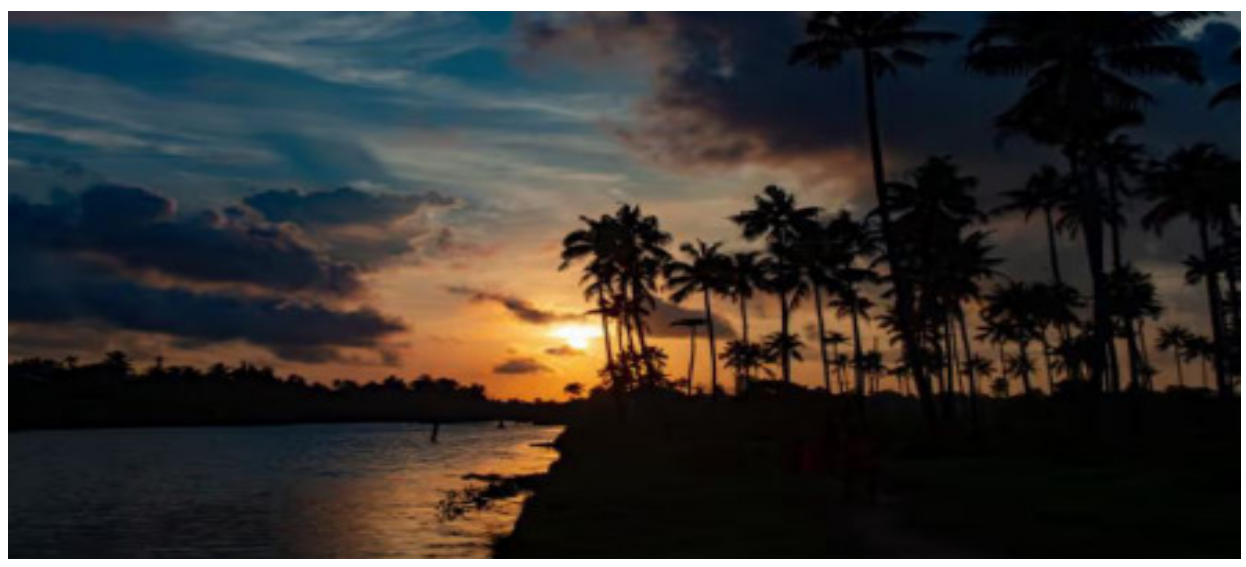

पक्षियों को देखने के लिए आपको 'बिन' की क्या जरूरत है?' मुझे लगा था बिन का मतलब डस्टबिन होगा। वे जोर से हंसे और कहा कि यह बाइनोकुलर (दूरबीन) का छोटा नाम है! इसके बाद मैंने सबसे पहला जो काम किया, वो ये था कि अपना 'बिन' निकाला, जो मुझे क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस अखबार के लिए क्रिकेट को कवर करते समय उपहार में दिया था। बर्डिंग से हम प्रकृति में मौजूद विविधता के प्रति सजग हो पाते हैं। ज्यादातर पक्षी मूलतः एक जैसे ही हैं, खोखली हड्डियों, पंखों और पंजों से निर्मित। फिर भी प्रवास-मार्गों, भोजन के तरीकों और पंखों के संयोजन से उन्होंने जीवित रहने के अनगिनत तरीके खोज निकाले हैं। अलग-अलग तरह के घोंसले बनाने की उनकी क्षमता उनकी विशिष्ट रचनात्मकता को दर्शाती है, ठीक वैसे ही जैसे वास्तुकला का एक ही पाठ्यक्रम पढ़ने के बावजूद मनुष्य भवन-निर्माण में अलग-अलग प्रकार की सृजनात्मकता प्रदर्शित करते हैं। हालांकि मैं फिल्म के मुख्य पात्रों की तरह हर साल देखे जाने वाले पक्षियों की संख्या नहीं नोट करता, लेकिन पक्षियों के प्रति प्रेम मुझे अकसर घर से बाहर जाने को प्रेरित करता है, जिससे मुझे कम से कम बारिश के मौसम में हलका-फुलका व्यायाम करने का अवसर मिल जाता है। फंडा यह है कि हमारे चारों ओर चाहे जितनी लापरवाही क्यों न हो, दुनिया फिर भी बहुत सुंदर है। यह हमें चुनना है कि हमारे लिए क्या मायने रखता है और हमें किन लोगों से मिलना है। चूंकि आज वर्षा ऋतु का रविवार है, तो आप भी चयन करें और अपने 'बिन' के साथ घर से बाहर निकल पड़ें! एन. रघुरामन

हम लोगों के बीच पैदा हुई दीवारें तोड़ने में अक्षम क्यों?

बिहार में चुनाव सिर पर होने के चलते इस साल मुहर्रम पर साम्प्रदायिक हिंसा की आशंका पहले से थी। वास्तव में, आजकल खुशियों से भरे हर त्योहार पर कलह और कटुता का डर बना रहता है। इतिहासकार विल ड्यूरेंट के अनुसार भारत पर 12वीं सदी में जो तुर्कों का आक्रमण हुआ था, वो विश्व-इतिहास के सबसे रक्तरंजित अध्यायों में से है। इसमें हिंदू मंदिरों को तोड़ा गया, धर्मांतरण और लूटपाट हुई। इतिहास के तथ्यों को तो झुठलाया नहीं जा सकता। लेकिन सदियों से भारत में एक गंगा-जमुनी संस्कृति भी विकसित हुई है, जिसमें यदि बंटवारे और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ने से हुई हिंसा के कुछ मौकों को छोड़ दें तो हिंदू और मुसलमान एक-दूसरे के साथ सह-अस्तित्व की भावना के साथ रहना सीखे हैं। उनके बीच पारस्परिक निर्भरता और सौहार्द का संबंध विकसित हुआ है। क्या लोग यह जानते हैं कि ओडिशा के रेमांडा गांव का एक मुस्लिम परिवार हिंदुओं के वार्षिक रथयात्रा महोत्सव की अनुवाई करता है? क्या उन्हें मालूम है कि अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर फूलवालों की सैर के दौरान दिल्ली के महरौली में सूफी संत ख्वाजा बख्तियार काकी की मजार से पहले जोगमाया मंदिर की चढ़ाई करने वाले लाखों हिंदू श्रद्धालुओं के लिए रास्ते में पड़ने वाली एक मुस्लिम संत की दरगाह भी एक पवित्र स्थान है? लखनऊ में हिंदू व्यापारियों के चिकन/जरदोजी उद्योगों में बड़ी संख्या में मुसलमान काम करते हैं। सीतापुर और मिर्जापुर के मुनाफे वाले कालीन कारोबार में हिंदू और मुस्लिम दोनों साझेदार हैं। वाराणसी में मुसलमान लाजवाब बनारसी साड़ी बुनते हैं और हिंदू इस व्यापार में पैसा लगाते हैं। महाराष्ट्र में कई मुस्लिम शिल्पकार गणेश प्रतिमाएं बनाते हैं। केरल के त्रिशूर में वडक्कुन्नाथन मंदिर के पूरम उत्सव के दौरान मुसलमान और ईसाई मदद करते हैं। बंगाल में भी दुर्गा पूजा के दौरान मुस्लिम कलाकार पंडाल और मूर्तियां बनाते हैं। मुझे याद है कि बचपन में कैसे हिंदू और मुसलमान एक-दूसरे के त्योहारों में खुशी-खुशी शरीक होते थे। होली पर मुस्लिम परिवार गुझिया और ठंडाई बनाते थे और उनके पड़ोसी हिंदू ईद पर सेवइयों और बिरयानी का लुत्फ उठाते थे। बंगाल और बिहार के कुछ हिस्सों में हिंदू कलाकार मुहर्रम के लिए ताजिये बनाते हैं। बिहार में पटना से 100 किलोमीटर के दायरे में भारत के प्रमुख धर्मों के कुछ सबसे महत्वपूर्ण स्थल मौजूद हैं, जैसे जैनों के लिए पावापुरी, बौद्धों के लिए बोधगया और हिंदुओं के लिए गया, मुसलमानों के लिए बिहार शरीफ और सिखों के लिए गुरु गोविंद सिंह की जन्मस्थली पटना साहिब भी वहीं है। राजनेता धर्म-आधारित वोटबैंक को बढ़ाने के लिए भारत के आम लोगों को कठपुतली की तरह काम लेते हैं। इसका नतीजा तो जनता भुगतती है, लेकिन नेता इससे फलते-फूलते हैं। स्वयंभू धर्म-प्रचारकों- जिनमें हिंदू और मुस्लिम दोनों सम्मिलित हैं- को साम्प्रदायिक नफरत फैलाने के लिए उपयोग किया जाता है। ऐसे हिंदुओं के लिए ही आठवीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य ने दो दूक शब्दों में कहा था- 'जटिलो मुण्डी लुञ्छितकेशः, काषायाम्बर बहुकृतवेषः। पश्यन्नपि च न पश्यति मूढः, उदरनिमित्तं बहुकृतवेषः।' अर्थात्, बहुत-से लोग अपनी जटाएं गुंथते हैं, सिर मुंडवाते हैं, गेरुए वस्त्र पहनते हैं, लेकिन वे यह सब वह सिर्फ अपने पेट के लिए यानी निजी स्वार्थवश करते हैं। वहीं 15वीं सदी में कबीर ने कहा था- 'पूरबि दिसा हरि का बासा, पछिम अलह मुकामा। दिल ही खोज दिलै भीतर, इहां राम रहिमांना।' 18वीं सदी में उर्दू के दिग्गज शायर मीर तकी मीर ने भी घोषणा की थी- 'मीर के दीन-ओ-मजहब को अब पूछते क्या हो उन ने तो, कश्का खेंचा दैर में बैठा कब का तर्क इस्लाम किया।' 18वीं शताब्दी में शायर मिर्जा गालिब ने भी संकीर्ण मानसिकता वाले मौलवियों का यह कहकर मखौल उड़ाया था- 'कहां मैखाने का दरवाजा गालिब और कहां वाइज, बस इतना जानते हैं कल वो जाता था जब हम निकले।' हमारे देश को क्या हो गया है, जो विश्वगुरु तो बनना चाहता है, लेकिन अपने ही लोगों के बीच पैदा हुई कट्टरता की दीवारें तोड़ने में अक्षम है? भारतवासियों को उन्हें धर्म के आधार पर बांटने वाले राजनेताओं से वही कहना चाहिए, जो साहिर लुधियानवी ने 1959 की फिल्म 'धूल का फूल' में कहा था- 'तू हिंदू बनेगा ना मुसलमान बनेगा, इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा।' राजनेता अपने धर्म-आधारित वोटबैंक को बढ़ाने के लिए भारत के आम लोगों को कठपुतली की तरह काम लेते हैं। इसका नतीजा तो जनता भुगतती है, लेकिन नेता इससे फलते-फूलते हैं। हमारे देश को आखिर क्या हो गया है? (ये लेखक के अपने विचार हैं- पवन के. वर्मा)

पुणे के दौंड में आपत्तिजनक पोस्ट के बाद तनाव,धार्मिक स्थल पर पथराव, गाड़ियों को आग लगाई, शिवाजी महाराज के अपमान के विरोध में प्रदर्शन हो रहा था

पुणे। पुणे के दौंड में शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ की घटना हुई थी। वायरल हो गई थी। गुस्साए लोगों ने सड़कों पर विरोध किया और

आपत्तिजनक पोस्ट के बाद तनाव बढ़ गया है। दो गुटों की भीड़ ने सड़कों पर कई गाड़ियों को आग लगा दी गई। धार्मिक स्थल पर पथराव किया है। घटना पुणे से 80 किमी दूर दौंड के यवत गांव की है। तनाव को देखते हुए यवत का साप्ताहिक बाजार बंद कर दिया गया है। पुलिस ने हालात को काबू पाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। यवत पुलिस निरीक्षक नारायण देशमुख ने बताया कि आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले युवक का नाम सैय्यद है और हिरासत में ले लिया है। पहले इस मामले को समझिए- दरअसल, 26 जुलाई को यवत के नीलकंठेश्वर मंदिर में इसी को लेकर गुरुवार से ही विरोध हो रहा था। इसी विवाद पर शुक्रवार को एक युवक की आपत्तिजनक पोस्ट वायरल हो गई। इसके बाद प्रदर्शनकारी यवत के सहकार नगर में युवक के घर पहुंचे और तोड़फोड़ की। तभी दो पक्षों में टकराव हो गया और तनाव की स्थिति बन गई। एसपी संदीप सिंह गिल ने बताया कि दोपहर को सूचना मिली थी कि यवत गांव में एक युवक ने अपने व्हाट्सएप और फेसबुक स्टेटस पर आपत्तिजनक पोस्ट डाली है। इसके बाद लड़के को पुलिस स्टेशन लाया गया। जरूरी कार्रवाई शुरू कर दी गई थी, लेकिन तब तक पोस्ट सोशल मीडिया पर धार्मिक स्थल पर पत्थरबाजी की। हालांकि घटना कोई घायल नहीं हुआ है।यवत इलाके में पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी है। हालात फिलहाल काबू में है।इससे पहले मार्च में औरंगजेब कब्र विवाद को लेकर महाराष्ट्र के नागपुर के महल इलाके में दो पक्षों में हिंसा हुई थी। विश्व हिंदू परिषद ने औरंगजेब का पुतला फूंका था, इसके बाद हिंसा भड़की थी। अधिकारियों ने बताया था कि अफवाह फैली कि प्रदर्शनकारियों ने पुतले के साथ एक धार्मिक पुस्तक जलाई। इससे दो पक्षों में पथराव हुआ। कई गाड़ियों में तोड़फोड़ हुई।

उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सितंबर को,नामांकन 21 अगस्त तक,धनखड़ ने 21 जुलाई को दिया था इस्तीफा, जानें उपराष्ट्रपति चुनने की प्रक्रिया

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सितंबर को होगा। 21 अगस्त तक उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन भरे जाएंगे। जगदीप जारी की जाएगी। अधिसूचना जारी होते ही नामांकन शुरू हो जाता है। इसकी आखिरी तारीख 21 अगस्त है। नामांकन के लिए नतीजे घोषित किए जाते हैं। इस बार 9 सितंबर को सुबह 10 से 5 बजे के बीच वोटिंग होगी। उपराष्ट्रपति चुनाव में इंडिया ब्लॉक

धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दिया था।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 22 जुलाई को धनखड़ का इस्तीफा मंजूर कर लिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।6 स्टेप में चुना जाता है उपराष्ट्रपति, ऐसे समझें सबसे पहले निर्वाचक मंडल की लिस्ट बनती : उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए सबसे पहले निर्वाचक मंडल लिस्ट बनती है। इसमें लोकसभा और राज्यसभा के सभी निर्वाचित और नामित सदस्य शामिल होते हैं। दोनों सदनों में सदस्यों की कुल संख्या 782 है। लोकसभा में 542 और राज्यसभा में 240 है। ऐसे में नए उपराष्ट्रति पद पर वही व्यक्ति निर्वाचित होगा, जिसके पास 394 सदस्यों का समर्थन होगा। इस गणित से देखे तो एनडीए के पास दोनों सदनों में कुल 422 सदस्यों का बहुमत है। 7 अगस्त को जारी की जाएगी अधिसूचनाः चुनाव आयोग ने 1 अगस्त को उपराष्ट्रपति के चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। अधिसूचना 7 अगस्त को 20 सांसदों का समर्थन जरूरीः उम्मीदवार को कम से कम 20 सांसदों की तरफ से प्रस्तावित होना जरूरी है। इसके अलावा 20 सांसदों का समर्थन भी चाहिए।सांसद ही मतदाता, इसलिए प्रचार सीमितः चुनाव में केवल सांसद मतदाता होते हैं। इसलिए यह प्रचार सीमित दायरे में होता है। उम्मीदवार और उनके समर्थक दल प्रचार में शामिल होते हैं। मतदान कैसे होता हैः हर सांसद मतपत्र पर प्रत्याशियों को प्राथमिकता के क्रम में (1, 2, 3...) टिक करता है। वोटिंग तभी होती है, जब एक से अधिक उम्मीदवार मैदान में होते हैं। अन्यथा एक उम्मीदवार होने पर प्रत्याशी निर्विरोध चुनाव जीत जाता है। एक ही दिन वोटिंग और रिजल्टः मतदान के बाद ही रिजल्ट आ जाता है। उसकी वजह यह है कि दोनों सदनों के 782 सदस्य मतदान करते हैं। इनकी गणना कुछ घंटों में हो जाती है। जीत के लिए कुल वैध मतों का बहुमत यानी 50फीसदी से अधिक प्राप्त करना होता है। इसके बाद जॉइंट कैंडिडेट उतार सकता है. धनखड़ के इस्तीफा देने के बाद चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। भाजपा की तरफ से इस पद के लिए कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत और सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर के नाम पर विचार चल रहा है। वहीं, इंडिया गठबंधन एक संयुक्त उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। न्यूज एजेंसी पीटीआई सूत्रों के मुताबिक, भले ही एनडीए के पास बहुमत है, फिर भी विपक्ष मानता है कि मुकाबला पूरी तरह एकतरफा नहीं है। उसे चुनाव से पीछे नहीं हटना चाहिए। आयोग ने इस पद के लिए निर्वाचक मंडल, रिटर्निंग ऑफिसर और अन्य जरूरी चीजों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। आयोग की तैयारियों के बीच भाजपा की कोशिश होगी कि इस पद का उम्मीदवार किसी अन्य सहयोगी को बनाने की जगह अपने उम्मीदवार का नाम तय कर उसके नाम पर सहयोगी दलों को राजी करे।

बांग्लादेश के मैप में भारत के 7 राज्यों का हिस्सा,संसद में कांग्रेस बोली- सरकार क्या कर रही; जयशंकर ने कहा- प्रोपेगेंडा से निपटने को तैयार

नयी दिल्ली। बांग्लादेश के विवादित मैप का मुद्दा संसद में भी उठा। भारत के 7 राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, बिहार, झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों को बांग्लादेश के मैप में दिखाया गया है। इसको लेकर कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने गुरुवार को राज्यसभा में सवाल उठाया।सुरजेवाला ने कहा- सरकार इस मुद्दे पर क्या कर रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लिखित जवाब में कहा- हम इस मामले पर कड़ी नजर बनाए हुए है। सरकार इस तरह के प्रोपेगेंडा से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक, विवादित नक्शा 14 अप्रैल, 2025 को ढाका यूनिवर्सिटी में आयोजित एक प्रदर्शनी में लगाया गया था। आरोप है कि ढाका में मौजूद इस्लामिक ग्रुप 'सल्तनत-ए-बांग्ला' की तरफ से ग्रेटर बांग्लादेश का नक्शा तैयार किया गया है। 'सल्तनत-ए-बांग्ला' को 'तुर्की यूथ फेडरेशन' नाम एक तुर्की एनजीओ का सपोर्ट है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस के आने के बाद तुर्की-बांग्लादेश संबंध

मजबूत हुए हैं। तुर्की के एनजीओ की एक्टीविटीज और मिलिट्री कोऑपरेशन में भी इजाफा हुआ है। सुरजेवाला ने राज्यसभा में मुद्दा उठाया, 2 सवाल- विवादित मैप को लेकर कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने सरकार से बांग्लादेश में तुर्की समर्थित एक कट्टरपंथी समूह के बारे में जानकारी मांगी थी। मैप में भारतीय क्षेत्र के कुछ हिस्सों को शामिल करते हुए 'ग्रेटर बांग्लादेश' नक्शे को बढ़ावा दिया गया है। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि क्या सरकार ने इस मुद्दे को बांग्लादेश सरकार के साथ कूटनीतिक रूप से उठाया है और क्या सरकार ने बांग्लादेश में तुर्की और पाकिस्तान की बढ़ती भागीदारी के सुरक्षा निहितार्थों का आकलन किया है।विदेश मंत्री का जवाब, 4 पॉइंट में- सरकार ने उन रिपोर्टों का संज्ञान लिया है जिनमें ढाका में 'सल्तनत-ए-बांग्ला' नामक एक इस्लामी ग्रुप की तरफ से 'ग्रेटर बांग्लादेश' का एक नक्शा जारी किया है जिसमें भारत के कुछ हिस्से शामिल हैं। बांग्लादेश सरकार के फैक्ट चेकर प्लेटफॉर्म 'बांग्लाफैक्ट' ने दावा किया है कि बांग्लादेश में 'सल्तनत-ए-बांग्ला' के संचालन का कोई सबूत नहीं है। बयान में आगे स्पष्ट किया गया है कि यह 'नक्शा' तथाकथित पुराने बंगाल सल्तनत के संदर्भ में एक ऐतिहासिक प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया था। भारत सरकार उन सभी घटनाक्रमों पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं जिनका भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है और इसकी सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करती रहती है।

आरोप- सांसदों को रोकने के लिए राज्यसभा में कमांडो बुलाए,रिजिजू बोले- विपक्ष के कुछ सदस्य आक्रामक हुए, उन्हें वेल में जाने से रोका गया

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का शुक्रवार को 10वां दिन था। बिहार वोटर वेरिफिकेशन मुद्दे पर राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश को लेटर तक कोई कार्रवाई नहीं करेंगे जब तक सांसद कोई दुर्भावनापूर्ण कार्य नहीं करते। आज की जो घटना

विपक्ष ने हंगामा किया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राज्यसभा में सदस्यों को रोकने के लिए कमांडो बुलाए गए। यह लोकतंत्र के इतिहास काला दिन है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, आज कमांडो तैनात किए गए। कोई कह रहा है कि यह सीआईएसएफ है, कोई कुछ और कह रहा है। उन जवानों ने सदस्यों को स्टाफ से मिलने से रोका। हमारी महिला सदस्यों को पुरुषों जवानों ने रोका। जिस तरह से सदन के बाहर से लोगों को बुलाया गया और सांसदों को जबरदस्ती वेल में जाने से रोका गया, यह आपत्तिजनक है। सब कुछ कैमरे में कैद है। कांग्रेस के इस आरोप पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मुझे जो जानकारी मिली है। उसके मुताबिक कुछ सदस्य हंगामा करते हुए आक्रामक हो गए थे। सिर्फ उन्हें रोका गया था। उधर कांग्रेस अध्यक्ष और लिखा है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा के उपसभापति को भेजे लेटर में लिखा, हम इस बात से हैरान हैं कि जिस तरह से सीआईएसएफ कर्मियों को सदन के वेल में लाया गया, यह बेहद आपत्तिजनक है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में जब सदस्य जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे होंगे, तो सीआईएसएफ कर्मी सदन के वेल में नहीं आएंगे। रिजिजू का जवाब- सांसद वेल के पास खड़े हो जाते हैं संसद सदस्यों की मांग थी कि सुरक्षा बढ़ाई जाए, इसलिए सीआईएसएफ तैनात की गई। सदन के अंदर, सदस्य कभी-कभी सत्ता पक्ष की मेज के ऊपर और वेल के पास खड़े हो जाते हैं। उन्हें ऐसा करने से रोकने के लिए सुरक्षा तैनात की गई है। किसी भी सांसद को बोलने से नहीं रोका जाएगा। सदन के अंदर मार्शल और सुरक्षाकर्मी तब हुई है, मैंने राज्यसभा सचिवालय से जानकारी ली है। उनके मुताबिक कुछ सांसद आक्रामक हो गए थे उन्हें सिर्फ रोका गया था।टैरिफ पर पक्ष-विपक्ष कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैरिफ पर जो कहा, उसे सबने देखा है। प्रधानमंत्री मोदी हर जगह जाते हैं, दोस्त बनाते हैं और फिर हमें बदले में यही मिलता है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- अमेरिका से आयात पर 10-15 प्रतिशत टैरिफ की बात हुई थी। द्विपक्षीय व्यापार समझौता हुआ। दोनों पक्षों की 4 दौर की बातचीत के अलावा वर्चुअल बैठकें भी हुईं। देशहित में कदम उठाए गए हैं।संजय सिंह ने कार्य स्थगन नोटिस में लिखा- भारत के रक्षा और ऊर्जा संबंधों पर जुर्माना लगाया गया है, जिससे न केवल व्यापक आर्थिक अस्थिरता पैदा हुई है, बल्कि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों में भी दहशत फैल गई है।

पूर्व जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना रेप मामले में दोषी करार,कोर्ट से रोते हुए बाहर निकला, कल सजा का ऐलान,मेड का शोषण किया था

मैसूरु। बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व जेडीएस सांसद और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का पोते प्रज्वल रेवन्ना को मेड से रेप मामले में दोषी ठहराया। कोर्ट शनिवार को सजा घर में काम करने वाली महिला ने यौन उत्पीड़न की शिकायत की थी। 26 अप्रैल को बेंगलुरु में पब्लिक प्लेसेस में कई पेन ड्राइव मिलीं।दावा किया गया कि पेन ड्राइव में 3 हजार से 5 हजार वीडियो हैं, जिनमें आरोपी प्रज्वल रेवन्ना ने 27 मई, 2024 को वीडियो जारी करके कहा था- 'मैं 31 मई, 2024 को एच्ज के सामने पेश हो जाऊंगा। मेरे खिलाफ लगे सभी आरोप झूठे हैं। मुझे अदालत पर भरोसा है और

सुनाएगी। कोर्ट का फैसला आने के समय रेवन्ना भावुक दिखा और बाहर निकलते वक्त रो पड़ा। रेवन्ना के परिवार के फार्महाउस में काम करने वाली 47 साल की एक महिला ने पिछले साल अप्रैल में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। उसने रेवन्ना पर 2021 से कई बार रेप करने और किसी को भी घटना के बारे में बताने पर वीडियो लीक करने की धमकी देने का आरोप लगाया था। कोर्ट ने 18 जुलाई को इस मामले की सुनवाई पूरी की थी। रेवन्ना के खिलाफ रेप, ताक-झांक, आपराधिक धमकी और अश्लील तस्वीरें लीक करने सहित विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए थे। उसके खिलाफ रेप के कुल 4 मामले दर्ज हैं। इनमें से यह पहला केस है, जिसमें उसे दोषी ठहराया गया है। पिछले साल प्रज्वल रेवन्ना का नाम कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में सामने आने के बाद चर्चा में आया था। उस पर 50 से ज्यादा महिलाओं से यौन उत्पीड़न का आरोप है। उनके खिलाफ रेप, छेड़छाड़, ब्लैकमेलिंग और धमकी देने के आरोपों से जुड़े अब तक 4 एफआईआर दर्ज की गई हैं। पिछले साल, रेवन्ना के सोशल मीडिया पर 2,000 से ज्यादा अश्लील वीडियो क्लिप सामने आए थे। 2024 के लोकसभा चुनावों में रेवन्ना ने कर्नाटक की हासन संसदीय सीट पर दूसरी बार चुनाव लड़ा था, लेकिन वह अपनी सांसदी नहीं बचा सका। उसके खिलाफ दर्ज मामलों के बाद जेडीएस ने उसे पार्टी से निलंबित भी कर दिया था। क्या है कर्नाटक सेक्स स्कैंडल- प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ उनके प्रज्वल को कई महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न करते देखा गया। महिलाओं के चेहरे भी ब्लर नहीं किए गए। मामला बढ़ने पर राज्य सरकार ने एसआईटी बनाई। प्रज्वल के खिलाफ रेप, छेड़छाड़, ब्लैकमेलिंग और धमकी देने के आरोपों समेत तीन एफआईआर दर्ज की गईं। एसआईटी ने जांच में खुलासा किया कि प्रज्वल ने 50 से ज्यादा महिलाओं का सेक्शुअल हैरेसमेंट किया था। इनमें 22 साल से 61 साल तक की महिलाएं हैं। 50 में से करीब 12 महिलाओं से जबर्दस्ती संबंध बनाए गए, यानी उनका रेप हुआ। बाकी महिलाओं को अलग-अलग तरह का लालच देकर सेक्शुअल फेवर लिया। प्रज्वल ने किसी को सब-इंस्पेक्टर, किसी को तहसीलदार तो किसी को फूड डिपार्टमेंट में नौकरी दिलवा दी। कर्नाटक सेक्स स्कैंडल में नाम सामने आने से पहले प्रज्वल रेवन्ना 2024 लोकसभा चुनाव के प्रचार-प्रसार में व्यस्त था। वह कर्नाटक के हासन सीट से सिटिंग सांसद थे। 2024 लोकसभा चुनाव भी यहीं से लड़ रहा था। हासन लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को चुनाव हुए थे। इस बीच वह सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोपों से घिर गया। चुनाव के अगले दिन ही 27 अप्रैल को प्रज्वल देश छोड़कर जर्मनी चला गया। फिर 35 दिन बाद 31 मई को जर्मनी से भारत पहुंचा, तो पुलिस ने बेंगलुरु एयरपोर्ट से ही उसे गिरफ्तार कर लिया। 27 मई को प्रज्वल ने वीडियो जारी किया था कर्नाटक में सेक्स स्कैंडल के विश्वास है कि मैं अदालत के जरिए झूठे मामलों से बाहर आऊंगा।' दादा देवगौड़ा ने भारत लौटने की चेतावनी दी थी प्रज्वल का भारत लौटने का बयान वाला वीडियो पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा और उनके दादा की 23 मई को दी चेतावनी के 3 दिन बाद आया था। देवगौड़ा ने कहा था कि प्रज्वल भारत लौट आएं और जांच का सामना करें। इस मामले की जांच में हमारे परिवार की तरफ से कोई दखलअंदाजी नहीं की जाएगी। देवगौड़ा ने कहा था कि मैं प्रज्वल से रिक्वेस्ट नहीं कर रहा, बल्कि चेतावनी दे रहा हूं। अगर वे इस चेतावनी को नहीं मानता है तो उसे मेरा और पूरे परिवार का गुस्सा झेलना पड़ेगा। उस पर लगे आरोपों को कानून देखेगा, लेकिन अगर वह मेरी बात नहीं सुनेगा तो हम उसे अकेला छोड़ देंगे। प्रज्वल ने कहा- अपने माता-पिता, दादा से माफी मांगता हूं प्रज्वल ने कन्नड़ टीवी चैनल को भेजे एक वीडियो में कहा था, 'मैं सबसे पहले अपने माता-पिता, अपने दादा, कुमारस्वामी और अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और राज्य के लोगों से माफी मांगता हूं। मैं यह नहीं बता रहा हूं कि मैं कहां हूं। जब (अप्रैल) 26 तारीख को चुनाव हुए, तो मुझ पर कोई केस नहीं था। तब कोई एसआईटी नहीं बनी थी। मेरी विदेश यात्रा पहले से तय थी। इसलिए मुझे यूट्यूब और समाचारों के माध्यम से इसके बारे में पता चला, फिर मेरे एक्स अकाउंट के माध्यम से मुझे एसआईटी का नोटिस भी दिया गया। पेश होने के लिए 7 दिन का समय है।'

इंडियन इकोनॉमी डेड पर थरूर ने राहुल का बयान नकारा,कहा- ऐसा बिल्कुल नहीं; राहुल गांधी बोले थे- ट्रम्प ने सही कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मर चुकी

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इंडियन इकोनॉमी डेड मामले पर राहुल गांधी के बयान

को नकारा है। संसद परिसर में शुक्रवार को मीडिया ने थरूर से पूछा कि क्या भारत की इकोनॉमी डेड हो चुकी है? इस पर उन्होंने जवाब दिया- नहीं ऐसा बिल्कुल नहीं है, सभी को पता है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को भारत पर 25फीसदी टैरिफ लगाने के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यवस्था) बताया था। इसपर राहुल ने कहा था- मुझे खुशी हुई कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फैक्ट बताया है। राहुल ने कहा था- पूरी दुनिया जानती है कि भाजपा ने अडाणी की मदद के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। ट्रम्प सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं कि भारत की इकोनॉमी डेड है।राहुल गांधी ने अपने एक्स पर पोस्ट किया था- भारत की इकोनॉमी मर चुकी है। इसे मोदी ने मार दिया। 1. मोदी-अडाणी की पार्टनरशिप 2. नोटबंदी और खामियों वाला जीएसटी 3. 'असेंबल इन इंडिया' फेल रहा (राहुल मेक इन इंडिया को असेंबल इन इंडिया कहते हैं) 4. एमएसएमईएस यानी छोटे-मध्यम उद्योग खत्म हो गए 5. किसानों को दबा दिया गया. मोदी ने भारत के युवाओं का भविष्य खत्म कर दिया, क्योंकि नौकरियां नहीं हैं। ट्रम्प के टैरिफ लगाने पर किसने क्या-क्या कहा था- कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधीः अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैरिफ पर जो कहा, उसे सबने देखा है। प्रधानमंत्री मोदी हर जगह जाते हैं, दोस्त बनाते हैं और फिर हमें बदले में यही मिलता है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर- यह हमारे लिए बहुत गंभीर मामला है। 25फीसदी टैरिफ के साथ रूस से तेल और गैस खरीदने पर जुर्माना जुड़ सकता है, जिससे यह 35-45फीसदी तक हो सकता है। कुछ खबरों में 100फीसदी पेनल्टी की बात भी हो रही है, जो भारत-अमेरिका व्यापार को पूरी तरह बर्बाद कर देगी। कांग्रेस के राजीव शुक्लाः ट्रम्प देशों को धमका रहे हैं। वे भारत से रूस के साथ व्यापार न करने के लिए कह रहे हैं। यह बहुत गलत है। अमेरिका भारत का समर्थन नहीं कर रहा है। हम ट्रम्प के साथ दोस्ती का दावा कर रहे थे। वह कहां है। वे कहते हैं, मोदी मेरे दोस्त हैं, लेकिन 25फीसदी टैरिफ लगा रहे, इसका क्या मतलब है। वह भारत के साथ अन्याय कर रहे हैं।राज्यसभा सांसद जयराम रमेशः हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रम्प से कोई फायदा नहीं हुआ। हमें इस दोस्ती से क्या मिला। यह हमारे देश, हमारी अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा झटका है। पीएम को डरना नहीं चाहिए। अमेरिका की ब्लैकमेलिंग हमारे लिए मुसीबत का समय है। हम सोचते थे हमारे सामने दो बड़ी चुनौतियां हैं - पाकिस्तान और चीन, लेकिन अमेरिका तीसरी बड़ी मुसीबत बनकर उभरा है।जदयू सांसद संजय कुमार झाः यह कोई नई बात नहीं है। ऐसी जानकारी मिली है कि अलग-अलग देशों ने अलग-अलग दरों पर टैरिफ लगाए हैं। सरकार वही करेगी जो देश के हित में होगा। सरकार कृषि और एमएसएमई क्षेत्र के हित में काम करेगी। सरकार ने यह भी कहा है कि बातचीत जारी है। सरकार और पीएम मोदी समाधान निकालने में सक्षम हैं।

राहुल बोले- अफसर वोटों की चोरी करा रहे,हम छोड़ेंगे नहीं, चाहे वे रिटायर हो जाएं, ई.सी बोला- चुनाव अधिकारी ऐसी धमकियों को नजरअंदाज करें

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पिछले 9 दिनों में चुनाव आयोग के अधिकारियों को दूसरी बार धमकाया है। शुक्रवार को संसद से बाहर निकलने पर राहुल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि चुनाव आयोग

वोटों की चोरी करा रहा है। हमारे पास एटम बम है। जब फटेगा तो चुनाव आयोग बचेगा नहीं। चुनाव आयोग में जो भी वोट चुराने का काम कर रहे हैं, उन्हें हम छोड़ेंगे नहीं। आप हिंदुस्तान के खिलाफ काम कर रहे हैं, जो देशद्रोह है। आप कहीं भी हों, चाहे आप रिटायर ही क्यों न हो जाएं, हम आपको ढूंढ निकालेंगे। इससे पहले 24 जुलाई को राहुल ने कहा था कि मैं चुनाव आयोग को एक मैसेज देना चाहता हूं। अगर आपको लगता है कि आप इससे बच निकलेंगे, अगर आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे बच जाएंगे, तो ये आपकी गलतफहमी है। हम आपको बच के जाने नहीं देंगे।' चुनाव आयोग का जवाब- 'चुनाव आयोग ऐसे निराधार आरोपों को नजरअंदाज करता है। लगातार दी जा रही धमकियों के बावजूद, हम सभी चुनाव अधिकारियों से कहना चाहते हैं कि वे पहले की तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करें। गैरजिम्मेदाराना बयानों को नजरअंदाज करें।' राहुल के निशाने पर चुनाव अधिकारी, 2 मामले- 1 अगस्त 2025: राहुल बोले- मेरे पास चोरी के 100प्रतिशत सबूत हैं. राहुल ने आगे कहा कि मैं इसे हल्के में नहीं, बल्कि सौ प्रतिशत प्रमाण के साथ कह रहा हूं। जैसे ही हम इसे जारी करेंगे, पूरे देश को पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग भाजपा के लिए वोट चुराने का काम कर रहा है। हमें मध्य प्रदेश चुनाव, लोकसभा चुनाव में शक था, महाराष्ट्र चुनाव के दौरान हमारा शक और बढ़ गया। 24 जुलाई 2025: आप सोचते हैं कि बच जाएंगे, ये आपकी गलतफहमी है राहुल ने कहा, 'चुनाव आयोग ने कर्नाटक की एक सीट पर धोखाधड़ी कराई। हमारे पास इसके 100 फीसदी सबूत हैं। एक ही निर्वाचन क्षेत्र में 50, 60 और 65 साल के हजारों नए वोटरों को सूची में जोड़ा गया है और 18 साल से ज्यादा उम्र के वोटरों को सूची से हटा दिया गया है।' कांग्रेस सांसद ने कहा, 'हमे अभी एक सीट की जांच में यह गड़बड़ी मिली। मुझे पूरा यकीन है कि हर सीट पर यही नाटक चल रहा है। मैं चुनाव आयोग को एक मैसेज देना चाहता हूं। अगर आपको लगता है कि आप इससे बच निकलेंगे, तो ये आपकी गलतफहमी है। बिहार वोटर वेरिफिकेशन पर राहुल सहित पूरा विपक्ष हमलावर बिहार वोटर वेरिफिकेशन को लेकर राहुल सहित पूरा विपक्ष इलेक्शन कमीशन की आलोचना कर रहा है। संसद के बाहर और अंदर विपक्ष विरोध प्रदर्शन कर रहा है।

मेंटल हेल्थ- हसबैंड का ऑफिस कुलीग से अफेयर था:वो छोड़कर चला गया, शादी ही तो मेरी पहचान थी, उसके बगैर अकेले कैसे रहूं

नयी दिल्ली। समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर से। सवाल- मेरी उम्र 42 साल है। पिछले पांच साल मेरे लिए बहुत मुश्किलों भरे रहे हैं। मेरी 10 साल की शादी टूट गई क्योंकि मेरे हसबैंड का अपने ऑफिस में एक कुलीग के साथ अफेयर हो गया। पहले तो काफी समय तक उसने ये बात मुझसे छिपाए रखी। फिर जब पता चला तो वो मुझे छोड़कर चला गया। पांच साल मैं इस उम्मीद में थी कि शायद एक दिन वो वापस लौट आएगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। फाइनली 5 महीने पहले हमारा डिवोर्स हो गया और इसी के साथ वो आखिरी उम्मीद भी खत्म हो गई। मैं वर्किंग वुमन हूं। फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट हूं, लेकिन मुझे भी पता नहीं था कि इमोशनली मैं कितनी डिपेंडेंट हूं। मुझसे अकेले बिल्कुल जिया नहीं जा रहा। लगता है, मेरे पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई है, मेरी पूरी दुनिया उजड़ गई है। मैं क्या करूं कि किसी तरह फिर से नॉर्मल महसूस कर सकूं, फिर से जिंदगी जी सकूं।अपनी कहानी हमसे शेयर करने के लिए आपका शुक्रिया। आपने जो अनुभव किया है, वह काफी तकलीफदेह है। आप जिस धोखा, ट्रॉमा और इमोशनल तकलीफ से गुजरी हैं, उसे देखते हुए आपकी यह भावनात्मक स्थिति बिल्कुल जायज है। अगर मनोवैज्ञानिक नजरिए से देखें तो एक बहुत पर्सनल और इंटीमेट रिलेशनशिप में मिले इस धोखे ने आपको इमोशनल दुख पहुंचाने के साथ आपके आत्म-सम्मान, आइडेंटिटी और सेल्फ वर्थ को भी नुकसान पहुंचाया है।आइए इसे ढंग से डिकोड करके समझने की कोशिश करते हैं और इस पर बात करते हैं कि इस तकलीफ से बाहर कैसे निकला जाए। आपके केस का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण- 1. शोक के चरण (कुबलर-रॉस मॉडल) आप इस वक्त संभवतः दुख के इन 5 चरणों से बार-बार गुजर रही हैं- डिनायल या इनकारः पांच साल तक आप इस उम्मीद में बैठी रहीं कि एक दिन वो वापस लौट आएगा। यह क्लासिक डिनायल का केस है। जब तक दुख बिल्कुल सिर पर न आए, तब तक उससे छिपना और इनकार करते रहना। क्रोधः हालांकि आपने यह साफ नहीं किया है कि आपका गुस्सा अपने हसबैंड के प्रति है या उस दूसरी महिला के प्रति या खुद के प्रति। यह एक दबा हुआ गुस्सा हो सकता है, जो कई बार उदासी के रूप में दिखाई देता है। बारगेनिंग या सौदेबाजीः अपने मन में ये सोचना, 'अगर मैंने चीजें दूसरी तरह से की होतीं तो शायद वह मुझे छोड़कर नहीं जाता।' जिन रिश्तों में इमोशनल डिपेंडेंसी होती है, वहां ऐसी फीलिंग होना आम है। डिप्रेशन या अवसादः आप इस वक्त डिप्रेशन में हैं। दुख, निराशा, खालीपन के एहसास जैसी फीलिंग्स से ये बात बिल्कुल स्पष्ट है।

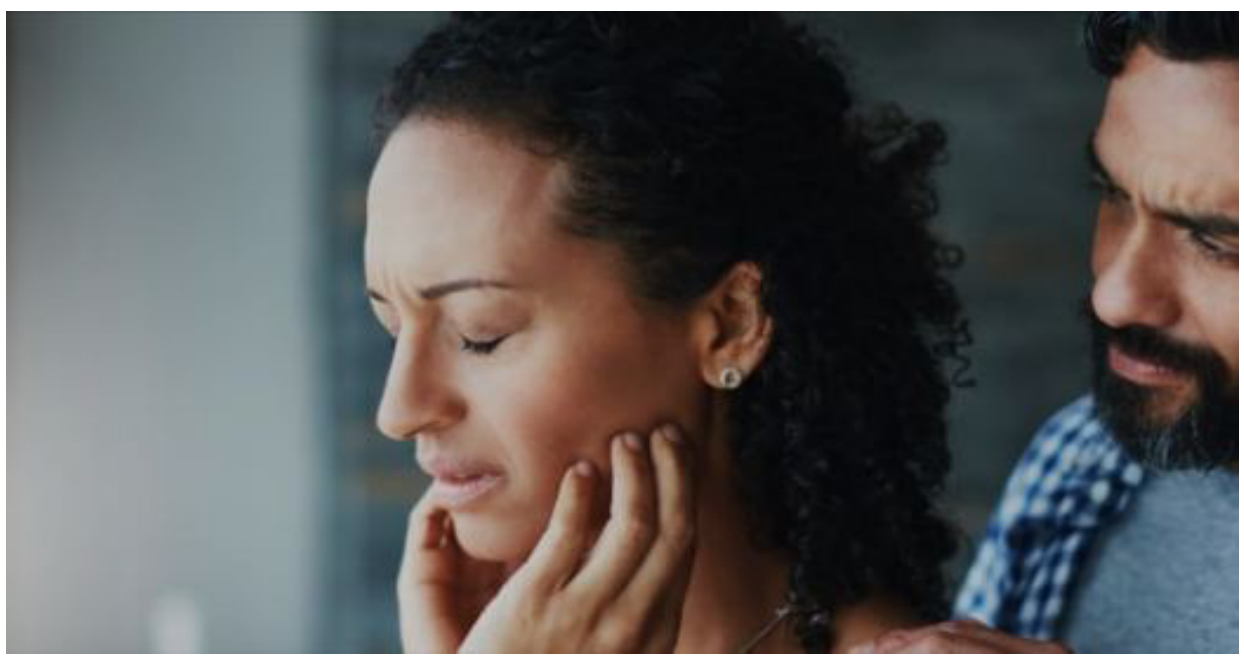

पहुंची हैं, लेकिन अभी भी मन में शांति नहीं है, एक खोखली सी जीत की फीलिंग है।2. ओवर इमोशनल डिपेंडेंस आपने लिखा है कि आप फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट हैं, लेकिन इमोशनली आप इस रिश्ते पर बहुत ज्यादा निर्भर थीं। भले आपको इस बात का एहसास न रहा हो। इसका अर्थ है कि आपकी इमोशनल वेलबीइंग इस शख्स पर बहुत ज्यादा निर्भर थी। आपको उसकी मौजूदगी, साथ, अप्रूवल की जरूरत थी। 3. भरोसे का टूटना और रिजेक्शन का एहसास उसके अफेयर का पता चलना एक गहरे भरोसे के रिश्ते का टूटना है। खासतौर पर तब, जब लंबे समय तक यह अफेयर छिपा हुआ था और आपको इस बारे में पता नहीं था। यह एक गंभीर बिट्रेअल ट्रॉमा है। इस ट्रॉमा के कारण- हमारी भरोसा करने की ताकत को लांग टर्म डैमेज हो सकता है। धोखा खाया व्यक्ति रिजेक्शन या ठुकराए जाने को इंटर्नलाइज कर सकता है। उसके मन में यह बात बैठ सकती है कि वो नाकाफी है, नाकाबिल है, कम है। 4. सेल्फ इस्टीम और आइडेंटिटी को नुकसान जब किसी व्यक्ति की पहचान और उसका सेल्फ वर्थ एक रिश्ते से बंधा होता है तो उस रिश्ते के टूटने के कारण ये नुकसान हो सकते हैं- आइडेंटिटी कनफ्यूजनः ये सोचना कि 'इस रिश्ते के बगैर मैं कौन हूं?' लो सेल्फ इस्टीमः खुद को कमतर महसूस करना। ये सोचना कि मैं प्यार के काबिल नहीं हूं। खुद को बेहतर समझने के लिए सेल्फ स्क्रीनिंग टूल आगे बढ़ने से पहले मैं आपको खुद को बेहतर समझने के लिए एक सेल्फ स्क्रीनिंग टूल दे रहा हूं- इमोशनल रिकवरी स्टेटस स्केल टेस्ट। इस टेस्ट में 10 सवाल हैं। इन सवालों को आपको 1 से 5 के स्केल पर रेट करना है। 1 का अर्थ है- बिल्कुल नहीं और 5 का अर्थ है, हमेशा। हर सवाल का जवाब लिखने के बाद आपको अपना स्कोर चेक करना है। सवाल नीचे ग्राफिक में हैं। स्कोर का इंटरप्रिटेशन भी ग्राफिक में दिया है। पहले सवालों के जवाब दीजिए और फिर अपने स्कोर के हिसाब से उसका इंटरप्रिटेशन चेक करिए।चार हफ्ते का सेल्फ हेल्प प्लान- पहला सप्ताहः स्टेबलाइजेशन और ग्राउंडिंग (मन को स्थिर करना, अपनी जमीन मजबूत करना) लक्ष्यः- दुख को स्वीकारना, इमोशनल बाउंड्रीज बनाना, जीवन में एक डेली रूटीन स्ट्रक्चर बनाना। 1. ग्रीफ जर्नलिंग, अपनी भावनाओं को रोज एक डायरी में लिखें। कुछ भी छिपाना नहीं है। हर बात व्यक्त करनी है। जैसे- मैंने क्या खोया है? मुझे किस बात से डर लगता है? मेरा वो कौन सा हिस्सा है, जो अतीत को पकड़कर रखना चाहता है। वो कौन सी चीज है, जो मुझे आगे बढ़ने से रोक रही है। 2. इमोशनल लेबलिंग और ग्राउंडिंग जब भी इमोशनली बहुत परेशान हों तो इस टेकनीक की प्रैक्टिस करें, जिसका नाम है- 'नेम इट टू टेम इट।' इसका अर्थ है कि अपनी हर फीलिंग को एक शब्द देना। कई बार हमें खुद समझ में नहीं आता कि हम जो महसूस कर रहे हैं, वो क्या है। इसलिए उसे नाम देने से उसे समझने और दूर करने में मदद मिलती है। जैसेः मुझे गुस्सा आ रहा है। मुझे रिजेक्शन फील हो रहा है। मैं ठुकराया हुआ महसूस करती हूं।मुझे बहुत अकेलापन लग रहा है। मुझे दुख उसके जाने का नहीं, धोखा खाने का है। उसके न होने से ज्यादा ये बात परेशान कर रही है कि वो मुझसे झूठ बोल रहा था। 3. नींद और न्यूट्रिशन सोने और जागने का एक समय तय करें। रोज उसी समय पर सोएं। (जैसे रात 10:30 से सुबह 6:30) शाम को 5 बजे के बाद कैफीन का सेवन न करें। संतुलित भोजन करें। भूख न हो तब भी खाना स्किप न करें। 4. अतीत की चीजों से दूर रहना उसका सोशल मीडिया चेक न करें। हर उस चीज से दूर रहें, जो उसकी याद दिलाती हो, जैसे कॉमन फ्रेंड्स, कॉमन जगहें, जहां आप साथ जाते रहे हैं। घर में उसका कोई भी सामान हो तो उसे डिसकार्ड कर दें या पैक करके रख दें।दूसरा सप्ताहः खुद को फिर से क्लेम करना, सेल्फ इस्टीम को मजबूत करना लक्ष्यः रिश्ते से बाहर और रिश्ते से इतर अपने सेल्फ वर्थ पर फोकस करना, उसे समझना और बेहतर बनाना।1. 'मैं कौन हूं?' एक्सरसाइज अपने बारे में रोज एक पैराग्राफ लिखें। मैं कौन हूं, क्या कहूं, मेरे होने का मकसद क्या है। ऐसा पैरा, जिसमें गुजरे रिश्ते का और उस व्यक्ति का कोई जिक्र न हो। जीवन में आपकी और भी भूमिकाएं हैं, जैसे एक दोस्त, एक बहन, एक बेटी, एक प्रोफेशनल और सबसे बढ़कर एक इंसान, एक औरत। इन सारी भूमिकाओं पर फोकस करें। 2. खुद से संवाद रोज सुबह आईने के सामने खड़ी होकर खुद से ये बातें कहें:- मैं प्यार के काबिल हूं। मैं अपने आप में संपूर्ण हूं। उसके मुझे छोड़ देने से मेरा महत्व डिफाइन नहीं होता है। 3. पुरानी रुचियों, हॉबीज को दोबारा शुरू करें उन रुचियों पर फिर से काम शुरू करें, जो आपने पीछे छोड़ दी थीं। कोई बुक क्लब, डांस क्लास या आर्ट ग्रुप जॉइन करें। फिजिकली संभव न हो तो ऑनलाइन करें।4. थैरेपी रीडिंग ऐसी किताबें पढ़ें, फिल्में देखें, जिसमें आपके जैसे अनुभवों से गुजरने वाली महिलाओं की कहानी हो। उनके अपने जीवन को फिर से गढ़ने की यात्रा हो। जैसे- 'वुमन हू लव टू मच' - रॉबिन नॉरवुड 'द जर्नी फ्रॉम एबैनडनमेंट टू हीलिंग'- सूजन एंडरसन शेष यात्रा- ऊषा प्रियंवदा, तीसरा सप्ताहः जिंदगी को रीस्ट्रक्चर करना, नई बाउंड्रीज सेट करना.लक्ष्यः जिंदगी में नए इमोशनल जुड़ाव बनाना, नए रिश्ते, नए दोस्त, नई जमीन। अपने आपको नए सिरे से डिफाइन करना 1. सोशल रीकनेक्शन उन दो पुराने दोस्तों या रिश्तेदारों से कनेक्ट करें, जिन पर आप भरोसा करती हैं। अपने अनुभव साझा करें। खुद को आइसोलेट न करें। 2. एक शाम एक कप चाय के साथ डायरी लिखूंगी। 3. बाउंड्री बनाने का अभ्यास भविष्य के रिश्तों के लिए 5 बाउंड्रीज तय करें।वो कौन सी चीजें होंगी, जो आप स्वीकार नहीं करेंगी। जैसे इमोशनल नेगलेक्ट, सेल्फ रिस्पेक्ट के साथ समझौता। 4. माइंडफुलनेस का अभ्यास रोज 10 मिनट मेडिटेशन करें। पुरानी चीजों को छोड़ने, जाने देने और वर्तमान में रहने का अभ्यास करें। चौथा सप्ताहः फिर से भरोसा करना, एक नई शुरुआत की तरफ कदम बढ़ाना, लक्ष्यः फिर से यकीन करना, सिर्फ दूसरों पर नहीं बल्कि खुद पर भी। 1. माफ करना दूसरों से मिली तकलीफों के लिए उन्हें माफ करना जरूरी है। उनके लिए नहीं, बल्कि खुद अपने लिए। खुद को उस दुख से मुक्त करने के लिए। लेटर राइटिंग टेक्नीक- अपने मन की हर बात एक पत्र में उसे लिख दें। वो पत्र जो भेजना नहीं है। 2. इनर चाइल्ड हीलिंग अपने भीतर के बच्चे को हील करें। उससे बात करें, उसे कंफर्ट दें। प्यार, भरोसा और सुरक्षा वाले शब्द दोहराएं। खुद से बहुत प्यार और भरोसे की भाषा में बात करें। 3. दूसरे रिश्ते की तैयारीः बेसिक चेकलिस्ट। क्या आप दूसरे रिश्ते के लिए तैयार हैं। यह जानने के लिए खुद से यह सवाल पूछेंः क्या मैं सचमुच कंपैनियनशिप ढूंढ रही हूं या मुझे उसका इमोशनल रिप्लेसमेंट चाहिए। क्या मैं अकेले रहते हुए भी इमोशनली स्टेबल महसूस कर सकती हूं।4. डेटिंग माइंटसेट रीफ्रेम अगर फिर से डेटिंग की शुरुआत करती हैं तो बेचैनी, अकेलेपन, दुख से भागने के कारण न करें।इसलिए न करें क्योंकि अपना साथ बर्दाश्त नहीं हो रहा है। मन स्थिर हो, भीतर शांति हो, तभी करें। क्यूरिऑसिटी के साथ कदम बढ़ाएं। छोटी-छोटी मुलाकात, कॉफी, बातचीत के साथ शुरुआत करें। जीवन में आगे बढ़ने के 3 स्टेप्स जीवन में रिश्ते सुंदर और जरूरी हैं, लेकिन कोई भी रिश्ता हमारे जीवन से बड़ा नहीं है और वह हमारे होने के महत्व को तय नहीं करता। रिश्ते इसलिए हैं क्योंकि हम हैं। इसलिए सबकुछ के केंद्र में और सबसे महत्वपूर्ण हम खुद हैं। दुख और धोखे से उबरने और जिंदगी में आगे बढ़ने के ये 3 जरूरी स्टेप्स हैं,इमोशनल पेन से उबरने में थोड़ा वक्त लगता है, लेकिन आमतौर पर थोड़ी माइंडफुलनेस और सेल्फ हेल्प के साथ कुछ वक्त में यह सामान्य हो जाता है। लेकिन हमें पता होना चाहिए कि कब स्थिति हमारे नियंत्रण से बाहर हो रही है और हमें प्रोफेशनल हेल्प की जरूरत है।आप पांच साल इन सबसे गुजरकर आई हैं और अब इस बारे में बात कर रही हैं। आपने पहले ही काफी साहस का परिचय दिया है। हीलिंग का मतलब ये नहीं है कि जो कुछ हुआ, हम उसे भूल जाएं। हीलिंग का मतलब है, खुद को नए सिरे से गढ़ना। सब तकलीफों से ऊपर उठकर अपना एक नया वर्जन बनाना। फिर से खुश होकर और खुलकर जीना।

मृणाल ठाकुर हुई 33 की,सुसाइड का ख्याल आया,बॉडी शेमिंग की शिकार हुईं, सलमान की फिल्म से निकाली गईं; बॉलीवुड से साउथ तक छाइ

मुंबई। टीवी की दुनिया से बॉलीवुड तक अपनी दमदार एक्टिंग और काबिलियत के बल पर अपनी एक अलग पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर के लिए यह सफर आसान नहीं था। करियर के शुरुआती दौर में उन्हें डिमोटिवेटिंग और नकारात्मक अनुभवों का सामना करना पड़ा था। उनके लुक को देख कर कहा जाता था कि हीरोइन नहीं बन सकती हैं। ऐसे कमेंट्स सुनकर मृणाल घर पर आकार खूब रोती थीं। कई बार तो उन्होंने ट्रेन से नीचे कूदकर सुसाइड तक करने की सोची। ऐसे समय में मृणाल के घर वालों ने बहुत सहारा दिया। एक्ट्रेस ने कड़ी मेहनत और समर्पण से अपने स्ट्रगल का समाना किया। उनकी मेहनत रंग लाई और आज एक सक्सेसफुल एक्ट्रेस हैं। 'सुपर 30', 'बाटला हाउस', 'जर्सी' जैसी बॉलीवुड फिल्मों के अलावा मृणाल ने तेलुगु फिल्म 'सीताराममम' से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी पहचान बनाई है। आज मृणाल के जन्मदिन पर आइए जानते हैं उनके करियर और निजी जीवन से जुड़े कुछ और खास किस्से- क्राइम रिपोर्टर बनना चाहती थीं मृणाल ठाकुर के पेरेंट्स चाहते थे कि वे डेंटिस्ट बनें और मृणाल ने इसका टेस्ट भी पास कर लिया था। हालांकि, बाद में अपने पिता से परमिशन लेकर मृणाल ने जर्नलिज्म कोर्स में एडमिशन लिया। वो क्राइम रिपोर्टर बनना चाहती थीं। क्राइम रिपोर्टर बनने की प्रेरणा मृणाल को अपने एक पारिवारिक मित्र मराठी चैनल के न्यूज एंकर से मिली थी। उन्होंने मुंबई पर हुए आतंकवादी हमले की रिपोर्टिंग की थी। पेरेंट्स को नहीं पसंद था एक्टिंग में करियर बनाना- पढ़ाई के दौरान ही मृणाल को एक्टिंग के ऑफर मिलने लगे थे। पहले मृणाल के पेरेंट्स उनके एक्टिंग करियर के खिलाफ थे, क्योंकि इससे पढ़ाई पर असर पड़ रहा था। उस समय मृणाल को काम और कॉलेज दोनों संभालना था, लेकिन जब उनकी अटेंडेंस पर इसका असर पड़ा, तो उनके पिता ने उन्हें शो पर पूरा ध्यान देने के लिए कहा। पेरेंट्स चाहते थे कि मराठी फिल्में करें- एक इंटरव्यू के दौरान मृणाल ठाकुर ने कहा था- मैं मराठी हूं तो मेरे मम्मी-पापा चाह रहे थे कि मराठी फिल्मों से शुरुआत करूं। मेरी पहली मराठी फिल्म 'हैलो नंदन' रही, इसके बाद मैंने दो और मराठी फिल्मों में काम किया।हिंदी सीरियल में मृणाल ठाकुर की शुरुआत स्टार प्लस के शो 'मुझसे कुछ कहती....ये खामोशियां' से हुई। इसके बाद उन्होंने कई सीरियल्स में काम किया, लेकिन सीरियल 'कुमकुम भाग्य' में बुलबुल के किरदार से उन्हें खूब लोकप्रियता हासिल हुई। इस सीरियल के बाद से वह बुलबुल के नाम से घर-घर पहचानी गईं। छोटे पर्दे पर सीरियल में काम करने के साथ ही मृणाल ने मराठी सीरियल्स में भी काम किया। इसके अलावा साल 2016 में एक्ट्रेस ने शरद चंद्र त्रिपाठी के साथ नच बलिए में भी हिस्सा लिया।हर नए स्ट्रगलिंग कलाकार की तरह मृणाल का सफर भी बॉलीवुड में आसान नहीं रहा। उनके लुक्स को लेकर खूब मजाक उड़ाया जाता था। एक इंटरव्यू के दौरान मृणाल ने कहा था- जब मैं न्यू कमर थी, तो मेरे साथ बहुत बुरा बर्ताव किया जाता था। मैं घर पर आकर खूब रोती थी, लेकिन मेरे पेरेंट्स ने मुझे हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।मृणाल ठाकुर ने कई बार खुलासा किया है कि उन्हें एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा है। इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने कहा था- एक बार जब मैं किसी से मिली तो उसने मुझसे कहा, 'ओह मृणाल, तुम बिल्कुल भी सेक्सी नहीं हो। मैंने उससे पूछा कि क्या वह ' कैरेक्टर के बारे में बात कर रहे या मेरे बारे में बोल रहे थे। इस पर उन्होंने कहा कि कैरेक्टर सेक्सी है, लेकिन उन्हें मुझमें ये कहीं नजर नहीं आता। मैंने कहा- सर, एक लुक टेस्ट करें।गांव की गंवार लड़की कहा गया मृणाल ठाकुर ने आगे बताया था- लुक टेस्ट के लिए जब एक फोटोग्राफर आया तो मुझे देखते ही मराठी में कहा कि यह गांव की लड़की कौन है? हालांकि, बाद में उन्होंने माफी मांगी। फिगर के चलते 'मटका' कहकर बुलाया गया- टाइम्स नाउ से बातचीत के दौरान मृणाल ठाकुर ने कहा था- मेरी फिगर के चलते लोग 'मटका' कहकर बुलाते थे। सोशल मीडिया पर मेरी बॉडी और लुक पर भद्दे कमेंट्स किए जाते थे। मेरे कर्वी फिगर के लिए ट्रोल्स किया जाता था। लोकल ट्रेन और बस से सफर करती थीं- स्ट्रगल के दिनों में मृणाल मुंबई की लोकल ट्रेन से सफर करती थीं। एक इंटरव्यू के दौरान मृणाल ने कहा था- उन दिनों मैं टाउन में रहती थी। अंधेरी आने के लिए टाउन से वडाला लोकल ट्रेन से आती और वहां से ट्रेन बदलकर अंधेरी और फिर अंधेरी स्टेशन से बस पकड़ कर इनफिनिटी मॉल आती थी। सारे ऑडिशन अंधेरी में ही होते थे। मैं इनफिनिटी मॉल पहुंचकर इसके बाथरूम में ड्रेस चेंज करती थी, उसके बाद ऑडिशन के लिए जाती थी। ट्रेन से कूदकर सुसाइड के ख्याल आते थे- रणवीर अलाहबादिया को दिए इंटरव्यू में मृणाल ठाकुर ने कहा था- लोकल ट्रेन में गेट के पास खड़े होकर सफर करती थी। एक समय ऐसा भी था जब काम न मिलने की वजह से मन में ख्याल आता था कि ट्रेन से कूदकर सुसाइड कर लूं। मुझे पता था कि वैसा करना सही नहीं है, लेकिन जब आप हिम्मत हार जाते हैं तो ऐसे ख्याल बार-बार मन में आते हैं। मेरा यही कहना है कि धैर्य ही आपका सबसे बड़ा साथी है और यही आपके काम भी आता है।' 'लव सोनिया' से करियर में टर्निंग पॉइंट- मृणाल ठाकुर के करियर में टर्निंग पॉइंट तब आया, जब साल 2018 में उन्होंने इंडो अमेरिकन फिल्म 'लव सोनिया' साइन की। इस फिल्म से उन्होंने इंटरनेशनल लेवल पर शुरुआत की। फिल्म लव सोनिया में मृणाल ने एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया था, जो अपनी बहन की तलाश में शहर आती है और वैश्यावृत्ति के धंधे में धकेल दी जाती है। फिल्म में उनकी दमदार एक्टिंग को सभी की सराहना मिली थी। आज उनकी गिनती बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में होती है।फिल्म 'सुल्तान' में पहले अनुष्का शर्मा की जगह मृणाल ठाकुर को कास्ट किया जाना था। इस बात का खुलासा खुद सलमान खान ने किया था कि फिल्म 'सुल्तान' के लिए पहले मृणाल ठाकुर को अप्रोच किया गया था। 'बिग बॉस 15' में जब मृणाल अपनी एक फिल्म प्रमोट करने उनके शो में पहुंची थी, तब सलमान ने उस एपिसोड में उनकी खूब तारीफ की थी। सलमान ने कहा था- मैं आपको मृणाल के बारे में एक दिलचस्प बात बताने वाला हूं। दरअसल 'सुल्तान' की असली स्टार ये ही थीं। ये मुझसे मिलने के लिए फॉर्म हाउस पर भी आई थीं। इन्हें अली अब्बास जफर लेकर आए थे, लेकिन दिक्कत ये थी कि उस वक्त ये पहलवान जैसी नहीं लग रही थीं। भले ही ये वो फिल्म न कर पाई, लेकिन मैं जानता था कि मृणाल आगे जाकर बहुत अच्छे किरदार निभाएंगी। आइडीवा को दिए इंटरव्यू में मृणाल ने बताया था कि इंटिमेट सीन्स की वजह से उन्होंने कई फिल्में ठुकरा दी थीं क्योंकि पेरेंट्स इसके खिलाफ थे। उन्होंने कहा था मैं डर जाती थी और किसी भी फिल्म को न कह देती थी, लेकिन मैं कब तक न कह सकती थी? एक समय आया कि मुझे पेरेंट्स से बात करनी पड़ी। मैंने पापा से कहा- पापा, मैं हर फिल्म नहीं छोड़ सकती हूं क्योंकि कभी-कभी ऐसा होता है, ये मेरी भी पसंद नहीं है।मृणाल ने आगे बताया था कि एक वक्त के बाद उन्होंने ये फैसला कर लिया था कि वे किसी फिल्म को इसलिए न नहीं करेंगी क्योंकि उसमें किसिंग सीन है। उन्हें वो करना पड़ेगा जो स्क्रिप्ट के हिसाब से जरूरी होगा।मृणाल ठाकुर मानती हैं कि नेपोटिज्म की वजह से पहचान बनाना मुश्किल रहा है, लेकिन वह इसकी जिम्मेदार स्टार किड्स को नहीं मानती हैं। मृणाल ठाकुर ने एक इंटरव्यू के दौरान 2019 का 21वें जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल के दौरान का एक किस्सा शेयर करते हुए बताया था कि इंटरव्यू में मीडिया ने उन्हें इग्नोर कर दिया था।पिंकविला से बात करते हुए एक्ट्रेस ने बताया था- उस वक्त मैंने क्रिटिक्स अवॉर्ड जीता था। मीडिया सामने थी, लेकिन फिर वो इंटरव्यू बीच में ही छोड़कर जान्हवी कपूर की तरफ दौड़ पड़े। उन्होंने भी एक अलग कैटेगरी में अवॉर्ड जीता था। नेपोटिज्म में स्टार किड्स की गलती नहीं है, बल्कि दर्शकों और मीडिया की गलती है। हम सब यह जानने के लिए बेकरार रहते हैं कि उनकी लाइफ में क्या चल रहा है।सन ऑफ सरदार 2 कल सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में अजय देवगन और मृणाल ठाकुर लीड रोल में हैं। अजय देवगन और मृणाल ठाकुर के साथ ही रवि किशन, दीपक डोबरियाल, नीरू बाजवा, चंकी पांडे, मुकुल देव, संजय मिश्रा, शरत सक्सेना और अश्विनी कलसेकर जैसे कलाकार हैं। इस फिल्म को लेकर मृणाल ठाकुर काफी उत्साहित हैं।

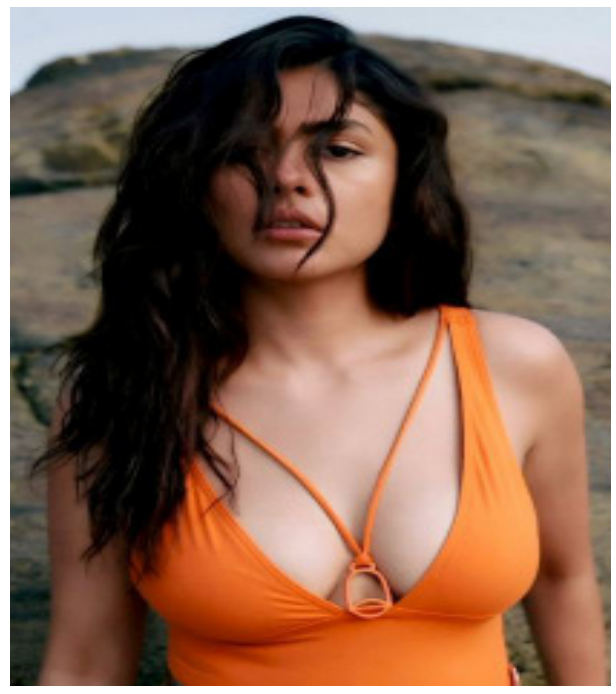

सलमान खान ने की बिग बॉस 19 की अनाउंसमेंट,कहा- दोस्तों-दुश्मनों हो जाओ तैयार, इस बार घरवालों की सरकार, ये कंटेस्टेंट्स ले सकते हैं एंट्री

मुंबई। टेलीविजन के पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 19 की अनाउंसमेंट हो चुकी है। सलमान खान ने इस साल नेता बनकर शो अनाउंस कर बताया है कि इस बार शो की थीम पॉलिटिक्स से मिलती-जुलती होगी। साथ ही सलमान ने ये भी बताया है कि शो 24 अगस्त से शुरू हो रहा है। सलमान खान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से बिग बॉस 19 का प्रोमो जारी कर लिखा है, 'लौट आया हूं मैं लेकर बिग बॉस का नया सीजन। और इस बार चलेगी, घरवालों की सरकार।' ये हो सकते हैं बिग बॉस 19 के कंटेस्टेंट्स- फैसल शेख- पॉपुलर इन्फ्लूएंसर फैसल शेख उर्फ मिस्टर फैसू इस साल बिग बॉस 19 का हिस्सा बनेंगे। बीते लंबे समय से उनकी और शो के मेकर्स की चर्चा जारी है। इससे पहले फैसल कलर्स चैनल के खतरों के खिलाड़ी में भी नजर आ चुके हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, फैसल के आने के बाद उनकी एक्स गर्लफ्रेंड जन्नत जुबैर भी शो में वाइल्ड कार्ड एंट्री ले सकती हैं। हालांकि दोनों के नाम पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गुरुचरण सिंह- तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो में रोशन सोढ़ी का

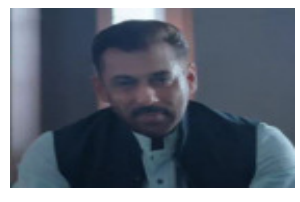

किरदार निभाकर पॉपुलर हुए गुरुचरण सिंह से भी मेकर्स की बातचीत जारी है। गुरुचरण तब चर्चा में आए थे, जब वो अचानक लापता हो गए। उनकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाई गई थी। कुछ हफ्तों बाद वो घर लौटे और कहा कि वो अध्यात्म की राह पर निकल गए थे। एक्टर ने कई वीडियोज जारी कर बताया कि वो आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं।इनके अलावा खुशी दुबे, गौरव तनेजा, अपूर्वा मुखिजा (रेबेल किड), गौरव खन्ना, धनश्री वर्मा, अरिशिफा खान और मिक्की मेकओवर के भी शो में आने की चर्चा है। हालांकि अब तक मेकर्स ने कंटेस्टेंट्स की लिस्ट की ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। इन सेलेब्स ने शो में आने की अटकलों पर लगाया विराम-खबरें थीं कि बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत इस साल शो का हिस्सा बनेंगी, हालांकि एक्ट्रेस ने खुद इन अफवाहों पर विराम लगा दिया है।एक्ट्रेस ने बिग बॉस 19 में जाने की अफवाहों के बीच अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से लिखा है, सारी अफवाहों को खत्म कर रही हूं। मैं बिग बॉस में नहीं जा रही हूं और न कभी जाऊंगी।मल्लिका शेरावत से पहले सलमान खान की जय हो को-स्टार डेजी शाह ने भी सोशल मीडिया के जरिए बताया था कि वो बिग बॉस का हिस्सा नहीं बन रही हैं।बिग बॉस के खबरी पेज की मानें तो इस सीजन के लिए अनिरुद्ध आचार्या और कथावाचक जया कुमारी को भी अप्रोच किया गया था, लेकिन दोनों ने ही शो ठुकरा दिया है। फ्लाइंग बीस्ट नाम से मशहूर गौरव तनेजा ने भी बताया है कि उन्होंने शो का ऑफर रिजेक्ट किया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।